मुक्त चिन्तन

News Letter

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन 01मार्च, 2025

VScysVforj.k

आज दिनांक 1 मार्च 2025 को क्षेत्रीय केंद्र झांसी में स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के तहत परास्नातक के छात्रों को टैबलेट वितरण किए गए। इस योजना का मुख्य उद्देश्य छात्रों को डिजिटल शिक्षा से जोड़ना और उनकी ऑनलाइन पढ़ाई को सुगम बनाना है।

f'k"VkpkjHks

ekuuh; dqyifrçksQsljlR;dkethls f'k"VkpkjHksaVdjrhgqbZizksQsljvuqfiz;kik,Ms; th

प्रोफेसरअनुप्रियापाण्डेय, आचार्य, प्रबन्धन अध्ययन विद्यशाखा, इन्दिरागॉधीराष्ट्रीय मुक्तविश्वविद्यालय, नईदिल्ली ने उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्याल, प्रयागराज के माननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजीसेदिनांक 02 मार्च, 2025 कोप्रयागराजमेंशिष्टाचारभेंटकी।

प्रयाग प्रभात

वर्ष : 14 अंक : 273 आर.एन.आई.नं.- UPHIN/2008/42612 प्रयागराज, सोमवार 03 मार्च 2025 पृष्ठ : 4 मूल्य : 2 रुपये

एम ए योग की प्रवेश परीक्षा 20 मार्च को,17 मार्च तक कर सकेंगे आवेदन

प्रयागराज।। प्रयाग प्रभात न्यूज

प्रयागराज 02 मार्च उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, में एम ए योग में प्रवेश का रास्ता साफ हो गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने बताया कि जनवरी 2025 सत्र में विश्वविद्यालय ने नई शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप एम ए योग कार्यक्रम में प्रवेश प्रारंभ कर दिया है। नई शिक्षा नीति के अनुरूप अब एम ए योग में प्रवेश विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा में प्रवेशार्थियों के द्वारा प्राप्त अंकों के आधार पर किया जाएगा। विश्वविद्यालय ने प्रवेश के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। 31 मार्च तक प्रवेश प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। प्रोफेसर सत्यकाम ने बताया कि अभ्यर्थियों को केवल ऑनलाइन आवेदन पत्र पूर्ण सूचनाओं सहित भरना अनिवार्य है। ऑनलाइन पंजीकरण, आवेदन एवं शुल्क भुगतान विश्वविद्यालय ने प्रारंभ कर दिया है। ऑनलाइन पंजीकरण, आवेदन एवं शुल्क भुगतान की अंतिम तिथि 17 मार्च निर्धारित की गई है। आवेदन करने वाले अभ्यर्थी वेबसाइट से 18 मार्च से प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकेंगे। प्रवेश परीक्षा 20 मार्च 2025 को प्रस्तावित की गई है। विश्व विद्यालय ने अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए वेबसाइट पर एम ए योग से संबंधित लिंक स्थापित किया है। जहां इस कार्यक्रम से संबंधित सभी सूचनाएं उपलब्ध हैं। प्रवेश परीक्षा में वस्तुनिष्ठ प्रकार के 25 प्रश्न होंगे तथा प्रत्येक प्रश्न चार अंकों का होगा। परीक्षा अवधि एक घंटा होगी।

हिन्दी दैनिक

संयम भारत

18 वर्षों से प्रगति के पथ पर अग्रसर

वर्ष : 18 अंक : 339 नगर संस्करण, पृष्ठ - 4, मूल्य 1.00 रू0

उत्तर प्रदेश सोमवार, 03 मार्च 2025 प्रयागराज बिहार

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में लें एम ए योग में प्रवेश

प्रवेश परीक्षा 20 मार्च को, 17 मार्च तक कर सकेंगे आवेदन

संयम भारत संवाददाता

प्रयागराज।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में एम ए योग में प्रवेश का रास्ता साफ हो गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने बताया कि जनवरी 2025 सत्र में विश्वविद्यालय ने नई शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप एम ए योग कार्यक्रम में प्रवेश प्रारंभ कर दिया है। नई शिक्षा नीति के अनुरूप अब एम ए योग में प्रवेश विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा में प्रवेशार्थियों के द्वारा प्राप्त अंकों के आधार पर किया जाएगा। विश्वविद्यालय ने प्रवेश के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। 31 मार्च तक प्रवेश प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। प्रोफेसर सत्यकाम ने बताया कि अभ्यर्थियों को केवल ऑनलाइन आवेदन पत्र पूर्ण सूचनाओं सहित भरना अनिवार्य है। ऑनलाइन पंजीकरण, आवेदन एवं शुल्क भुगतान विश्वविद्यालय ने प्रारंभ कर दिया है। ऑनलाइन पंजीकरण, आवेदन एवं शुल्क भुगतान की अंतिम तिथि 17 मार्च 2025 निर्धारित की गई है। आवेदन करने वाले अभ्यर्थी वेबसाइट से 18 मार्च से प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकेंगे। प्रवेश परीक्षा 20 मार्च 2025 को प्रस्तावित की गई है। विश्वविद्यालय ने अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए वेबसाइट पर एम ए योग से संबंधित लिंक स्थापित किया है। जहां इस कार्यक्रम से संबंधित सभी सूचनाएं उपलब्ध हैं। प्रवेश परीक्षा में वस्तुनिष्ठ प्रकार के 25 प्रश्न होंगे तथा प्रत्येक प्रश्न चार अंकों का होगा। परीक्षा अवधि एक घंटा होगी।

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

लक्ष्य समग्र

LS NEWS

वर्ष : 02 अंक : 329 प्रयागराज, सोमवार 03 मार्च 2025 पृष्ठ : 08 मूल्य : 2.00 रूपया

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में लें एम ए योग में प्रवेश

प्रवेश परीक्षा 20 मार्च को 17 मार्च तक कर सकेंगे आवेदन

लक्ष्य समग्र/संवाददाता

प्रयागराज – उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय,प्रयागराज में एम ए योग में प्रवेश का रास्ता साफ हो गया है।विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने बताया कि जनवरी 2025 सत्र में विश्वविद्यालय ने नई शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप एम ए योग कार्यक्रम में प्रवेश प्रारंभ कर दिया है।नई शिक्षा नीति के अनुरूप अब एम ए योग में प्रवेश विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा में प्रवेशार्थियों के द्वारा प्राप्त अंकों के आधार पर किया जाएगा। विश्वविद्यालय ने प्रवेश के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं।31 मार्च तक प्रवेश प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी।प्रोफेसर सत्यकाम ने बताया कि अभ्यर्थियों को केवल ऑनलाइन आवेदन पत्र पूर्ण सूचनाओं सहित भरना अनिवार्य है।ऑनलाइन पंजीकरण,आवेदन एवं शुल्क भुगतान विश्वविद्यालय ने प्रारंभ कर दिया है।ऑनलाइन पंजीकरण, आवेदन एवं शुल्क भुगतान की अंतिम तिथि 17 मार्च 2025 निर्धारित की गई है।आवेदन करने वाले अभ्यर्थी वेबसाइट से 18 मार्च से प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकेंगे।प्रवेश परीक्षा 20 मार्च 2025 को प्रस्तावित की गई है।विश्वविद्यालय ने अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए वेबसाइट पर एम ए योग से संबंधित लिंक स्थापित किया है।जहां इस कार्यक्रम से संबंधित सभी सूचनाएं उपलब्ध हैं।प्रवेश परीक्षा में वस्तुनिष्ठ प्रकार के 25 प्रश्न होंगे तथा प्रत्येक प्रश्न चार अंकों का होगा। परीक्षा अवधि एक घंटा होगी।

मुद्दा

महापर्व में बही समरसता की धारा

आचार्य सत्यकाम
कुलपति, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

महाकुंभ ने सारे विभाजन और सीमाओं को तोड़ कर भारत को एकजुट कर दिया है। अनेकता में एकता ही ही हमारी ताकत रही है। राष्ट्रीय हितों की सुरक्षा और विकसित भारत का सपना साकार करने के लिए हमें एकजुट होकर राष्ट्रीय शक्ति को मजबूत करने के लिए काम करना होगा।

सामाजिक समरसता

- भाषा, जाति, क्षेत्रीयता के विभाजन को मिटाते हुए दूर तक पहुंचा भारतीयता का संदेश
- अलग अलग प्रांतों से आए श्रद्धालुओं की मौजूदगी विविधिता में एकता का प्रतीक
- सनातन की परंपरा को लेकर समान रूप से एकजुट दिखा हिंदू समाज
- महाकुंभ में साकार रूप से परिलक्षित हुई संविधान में वर्णित सामाजिक समरसता

महाकुंभ आस्था, सनातनता, भारतीय संस्कृति के प्रति अगाध विश्वास का प्रतिफलन है। प्रयागराज का यह महाकुंभ भारत को एक सशक्त राष्ट्र के रूप में सुदृढ़ करने में बहुत महत्वपूर्ण साबित हुआ है। बार-बार दोहराया जाता है कि भारतीय समाज विभिन्न जातियों में बंटा हुआ है और यह जातियां अलग-अलग दृष्टि से सोचती हैं। इस धारणा को महाकुंभ ने तोड़ा है। संस्कृति, धर्म एवं राष्ट्र की बात आती है तो भारतीय जनता प्रदेश, भाषा, जाति आदि विभाजनों से ऊपर उठकर काम करती है। भारत के सभी प्रांतों से करोड़ों श्रद्धालु संगम में स्नान का पुण्य लेने उपस्थित हुए। संगम में डुबकी लगा कर उनके मन में भारतीयता की अनुभूति प्रगाढ़ हुई। करोड़ों श्रद्धालु सभी कष्टों को भूलकर प्रसन्नचित्त घर लौटे। यह एक तीर्थस्नान ही नहीं, बल्कि तीर्थयात्रा भी थी। अपनी सभी परेशानियों को पीछे छोड़ कर पैदल यात्रा करते हुए संगम तट तक पहुंचे और गंगा यमुना सरस्वती की त्रिवेणी की आराधना की और स्नान कर खुद को पुण्य का भागीदार माना। पवित्र अक्षयवट, बड़े हनुमान जी, पातालपुरी, सरस्वती कूप तथा नागवासुकि का दर्शन पूजन कर पुण्य लाभ अर्जित किया।

स्नान करने आए। तेलुगु,तमिल, मलयालम, पंजाबी, गढ़वाली में बात करने वाले सब यहां आए। एक दूसरे की भाषा नहीं समझ पाने पर भी लोग एक दूसरे की मदद कर रहे थे। मैंने यह भी देखा कि भारत के विभिन्न भागों से आने वाले लोग हिंदी में सहजता से बात कर रहे थे। इसलिए महाकुंभ ने इस धारणा को भी गलत साबित किया कि हिंदी केवल सीमित क्षेत्र में बोली एवं समझी जाती है। भारतीय संस्कृति एवं संविधान में समरसता की बात की गई है। वह इस महाकुंभ में परिलक्षित हो रही थी। मैं प्रयागवासियों के प्रति उनके धैर्य, संयम और सहयोग के लिए कृतज्ञता प्रकट करना चाहता हूं कि उन्होंने बेहतरीन मेजबान की भूमिका निभाई। सैकड़ों हजारों लोगों को स्नान कराया। भूले-भटकों को रास्ता दिखाया। भंडारा कराया। घायलों को अस्पताल पहुंचाया। जाति, धर्म से ऊपर उठकर सबने सबकी सेवा की।

कह सकते हैं कि यह महाकुंभ वैश्विक संस्कृति का महापर्व बन गया। इसमें दुनिया के अनेक देशों से विदेशी श्रद्धालुओं ने भारतीय संस्कृति को आत्मसात किया। कुल 144 वर्ष के अंतराल पर आयोजित इस महाकुंभ में स्नान, दान,ज्ञान मंथन के साथ ही अमृत प्राप्ति की आकांक्षा करोड़ों लोगों को संगम तट तक खींच लाई। मैंने यह भी देखा कि मेला क्षेत्र में भीड़ प्रबंधन एवं सुगम आवागमन के लिए सुरक्षा में लगे जवान पूरे मनोभाव से सेवाकार्य में तत्पर थे। करोड़ों लोगों के प्रतिदिन आवागमन के बावजूद सफाई व्यवस्था चुस्त दुरुस्त रही। यह महाकुंभ मानवता का महायज्ञ, आस्था, एकता और समता का महापर्व बना। भारत की एक नई छवि विश्व पटल पर अंकित हुई।

[] आपकी आवाज

हिन्दुस्तान

भरोसा नए हिन्दुस्तान का

हजारों ने कुम्भ अध्ययन में लिया प्रवेश: कुलपति

प्रयागराज, कार्यालय संवाददाता। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के मेला क्षेत्र स्थित दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर के समापन शुक्रवार को हुआ। कुलपति प्रो. सत्यकाम ने कहा कि शिविर के माध्यम से आधिकाधिक लोगों को विश्वविद्यालय के कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने कहा कि कुम्भ अध्ययन में प्रमाण पत्र कार्यक्रम की सफलता का श्रेय महाकुम्भ को जाता है। हजारों लोगों ने इस कार्यक्रम में प्रवेश लेने में दिलचस्पी दिखाई। इस अवसर पर नोडल अधिकारी डॉ. अनिल कुमार सिंह भदौरिया, डॉ. मनोज कुमार सिंह आदि उपस्थित रहे।

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

कुम्भ अध्ययन में प्रमाण पत्र कार्यक्रम

प्रवेश प्रारम्भ जनवरी-2025

कार्यक्रम की विशेषताएं

महाकुम्भ के अवसर पर प्रवेश शुल्क मात्र : ₹ 500/*

वेबसाइट- www.uprtou.ac.in, ई-मेल- admission@uprtou.ac.in

प्रवेश अनुभाग, मोबाइल नं. : 7525048101

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में एमए योग में प्रवेश प्रक्रिया शुरू

प्रवेश परीक्षा 20 मार्च को, 17 मार्च तक कर सकेंगे आवेदन

जनसैलाब वार्ता संवाददाता

अयोध्या। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में एमए योग में प्रवेश का रास्ता साफ हो गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने बताया कि जनवरी 2025 सत्र में विश्वविद्यालय ने नई शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप एमए योग कार्यक्रम में प्रवेश प्रारंभ कर दिया है। नई शिक्षा नीति के अनुरूप अब एमए योग में प्रवेश विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा में प्रवेशार्थियों के द्वारा प्राप्त अंकों के आधार पर किया जाएगा। विश्वविद्यालय ने प्रवेश के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। 31 मार्च तक प्रवेश प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। प्रोफेसर सत्यकाम ने बताया कि अभ्यर्थियों को केवल ऑनलाइन आवेदन पत्र पूर्ण सूचनाओं सहित भरना अनिवार्य है। ऑनलाइन पंजीकरण, आवेदन एवं शुल्क भुगतान विश्वविद्यालय ने प्रारंभ कर दिया है। ऑनलाइन पंजीकरण, आवेदन एवं शुल्क भुगतान की अंतिम तिथि 17 मार्च 2025 निर्धारित की गई है। आवेदन करने वाले अभ्यर्थी वेबसाइट से 18 मार्च से प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकेंगे। प्रवेश परीक्षा 20 मार्च 2025 को प्रस्तावित की गई है। विश्वविद्यालय ने अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए वेबसाइट पर एमए योग से संबंधित लिंक स्थापित किया है। जहां इस कार्यक्रम से संबंधित सभी सूचनाएं उपलब्ध है। यह जानकारी अयोध्या में विश्वविद्यालय की ओर से कार्यरत डॉ शशि भूषण राम त्रिपाठी ने दी है।

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में एमए योग में प्रवेश शुरू

प्रवेश परीक्षा 20 मार्च को, 17 मार्च तक कर सकेंगे आवेदन।

अयोध्या। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में एमए योग में प्रवेश का रास्ता साफ हो गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने बताया कि जनवरी 2025 सत्र में विश्वविद्यालय ने नई शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप एमए योग कार्यक्रम में प्रवेश प्रारंभ कर दिया है। नई शिक्षा नीति के अनुरूप अब एमए योग में प्रवेश विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा में प्रवेशार्थियों के द्वारा प्राप्त अंकों के आधार पर किया जाएगा। विश्वविद्यालय ने प्रवेश के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। 31 मार्च तक प्रवेश प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। प्रोफेसर सत्यकाम ने बताया कि अभ्यर्थियों को केवल ऑनलाइन आवेदन पत्र पूर्ण सूचनाओं सहित भरना अनिवार्य है। ऑनलाइन पंजीकरण, आवेदन एवं शुल्क भुगतान विश्वविद्यालय ने प्रारंभ कर दिया है। ऑनलाइन पंजीकरण, आवेदन एवं शुल्क भुगतान की अंतिम तिथि 17 मार्च 2025 निर्धारित की गई है। आवेदन करने वाले अभ्यर्थी वेबसाइट से 18 मार्च से प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकेंगे। प्रवेश परीक्षा 20 मार्च 2025 को प्रस्तावित की गई है। विश्वविद्यालय ने अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए वेबसाइट पर एमए योग से संबंधित लिंक स्थापित किया है। जहां इस कार्यक्रम से संबंधित सभी सूचनाएं उपलब्ध हैं। यह जानकारी अयोध्या में विश्वविद्यालय की ओर से कार्यरत डॉ शशि भूषण राम त्रिपाठी ने दी है।

foRrlfefr dh 58oha cSBdvk;ksftr

दिनांक04 मार्च, 2025

m0iz0 jktf"kZ V.Mu eqDr fo'ofo|ky;] iz;kxjkt }kjk foRr lfefr dh 58oha cSBd fnukad 04 ekpZ] 2025 dks vijkg~~u 01%00 cts desVh d{k esa vkgwr dh xbZA cSBd dh v/;{krk izksQslj lR;dke th] ekuuh; dqyifr] m0iz0 jktf"kZ V.Mu eqDr fo'ofo|ky;]

cSBdesaizeq[k lfpomPpf'k{kk] m0 iz0 'kklu dh vksj ls 'kf'kdiwj] {ks=kh; mPpf'k{kk vf/kdkjh] iz;kxjkt] dk;Zifj"kn }kjkukferlnL; Jhvt; dqekj flag] iwoZfoRrvf/kdkjh] m0iz0 jktf"kZV.MueqDrfo'ofo|ky;] iz;kxjkt] lfpo] foRrfoHkkx] m0 iz0 'kkludksvksj ls 'kf'kHkw"k.k flag rksej] vijfuns'kd] isa'ku ,oadks"kkxkj] iz;kxjkt] iwuefeJk] foRrvf/kdkjh] m0iz0 jktf"kZV.MueqDrfo'ofo|ky;]

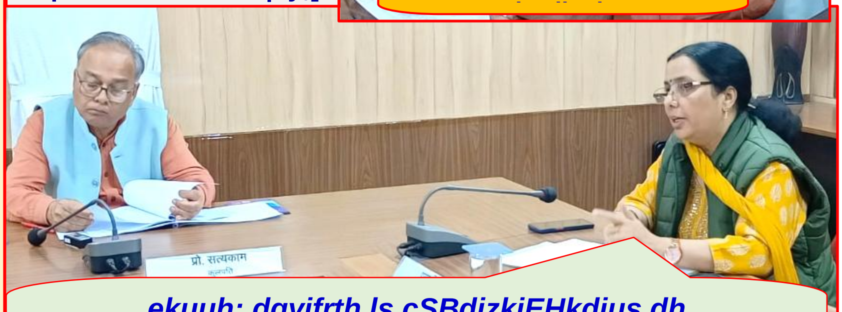

ekuuh; dqyifrth ls cSBdizkjEHkdjus dh vuqefrizkIrdjrhgqbZfo'ofo|ky; dh

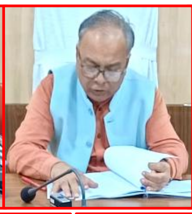

foRrlfefr dh cSBd dh v/;{krkdjrsgq, ekuuh; dqyifrlR;dketh ,oacSBdesamifLFkrekuuh; lnL;x.kA

अमर उजाला

अब मुक्त विश्वविद्यालय से योग में करें एमए की पढ़ाई, आवेदन शुरू

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में एमए योग में प्रवेश का रास्ता साफ हो गया है। कुलपति प्रो. सत्यकाम ने बताया कि जनवरी-2025 सत्र में नई शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप एमए योग कार्यक्रम में प्रवेश प्रारंभ कर दिया गया है। उसी के अनुरूप अब एमए योग में प्रवेश परीक्षा के माध्यम से दाखिले होंगे।

विवि ने प्रवेश के लिए तैयारियां पूरी कर ली हैं। 31 मार्च तक प्रवेश प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। अभ्यर्थियों के लिए ऑनलाइन पंजीकरण, आवेदन एवं शुल्क भुगतान विश्वविद्यालय ने प्रारंभ कर दिया है। इसकी अंतिम तिथि 17 मार्च 2025 निर्धारित की गई है। अभ्यर्थी वेबसाइट से 18 मार्च से प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकेंगे। प्रवेश परीक्षा 20 मार्च 2025 को प्रस्तावित की गई है।

विवि ने अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए वेबसाइट पर एमए योग से संबंधित लिंक उपलब्ध करा दिया है, जहां इस कार्यक्रम से संबंधित सभी सूचनाएं उपलब्ध हैं। ब्यूरो

लक्ष्य समग्र

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में लें एम ए योग में प्रवेश

प्रवेश परीक्षा 20 मार्च को, 17 मार्च तक कर सकेंगे आवेदन

संयम भारत

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में लें एम ए योग में प्रवेश

प्रवेश परीक्षा 20 मार्च को, 17 मार्च तक कर सकेंगे आवेदन

तिजारत

यूपीआरटीओयू में एमए योग की प्रवेश परीक्षा 20 मार्च को, 17 मार्च तक कर सकेंगे आवेदन : कुलपति

जनसंदेश टाइम्स

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में लें एमए योग में प्रवेश

जनसंदेश न्यूज

प्रयाग प्रभात

एम ए योग की प्रवेश परीक्षा 20 मार्च को, 17 मार्च तक कर सकेंगे आवेदन

युनाइटेड भारत

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में लें एम ए योग में प्रवेश

लोकमित्र

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में लें एम ए योग में प्रवेश

प्रवेश परीक्षा 20 मार्च को, 17 तक कर सकेंगे आवेदन

न्यायाधीश

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में लें एम ए योग में प्रवेश

आनंदी मेल

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में लें, एम ए योग में प्रवेश

संवाददाता, प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में एम ए योग में प्रवेश का रास्ता साफ हो गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने बताया कि जनवरी 2025 सत्र में विश्वविद्यालय ने नई शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप एम ए योग कार्यक्रम में प्रवेश प्रारंभ कर दिया है। नई शिक्षा नीति के अनुरूप अब एम ए योग में प्रवेश विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा में प्रवेशार्थियों के द्वारा प्राप्त अंकों के आधार पर किया जाएगा। विश्वविद्यालय ने प्रवेश के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। 31 मार्च तक प्रवेश प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। प्रोफेसर सत्यकाम ने बताया कि अभ्यर्थियों को केवल ऑनलाइन आवेदन पत्र पूर्ण सूचनाओं सहित भरना अनिवार्य है। ऑनलाइन पंजीकरण, आवेदन एवं शुल्क भुगतान विश्वविद्यालय ने प्रारंभ कर दिया है। ऑनलाइन पंजीकरण, आवेदन एवं शुल्क भुगतान की अंतिम तिथि 17 मार्च निर्धारित की गई है। आवेदन करने वाले अभ्यर्थी वेबसाइट से 18 मार्च से प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकेंगे। प्रवेश परीक्षा 20 मार्च 2025 को प्रस्तावित की गई है। विश्वविद्यालय ने अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए वेबसाइट पर एम ए योग से संबंधित लिंक स्थापित किया है। जहां इस कार्यक्रम से संबंधित सभी सूचनाएं उपलब्ध हैं। प्रवेश परीक्षा में वस्तुनिष्ठ प्रकार के 25 प्रश्न होंगे तथा प्रत्येक प्रश्न चार अंकों का होगा। परीक्षा अवधि एक घंटा होगी।

हरबात

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में लें एमए योग में प्रवेश

प्रवेश परीक्षा 20 मार्च को, 17 मार्च तक कर सकेंगे आवेदन

हिन्दी दैनिक उर्ध्व नेत्र

सत्य का साथ असत्य का उजागर

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में लें एम ए योग में प्रवेश

प्रवेश परीक्षा 20 मार्च को, 17 मार्च तक कर सकेंगे आवेदन

सहज स्वरूप

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में लें एम ए योग में प्रवेश

प्रवेश परीक्षा 20 मार्च को, 17 मार्च तक कर सकेंगे आवेदन

संकल्प संदेश

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में लें एम ए योग में प्रवेश

प्रवेश परीक्षा 20 मार्च को, 17 मार्च तक कर सकेंगे आवेदन

राष्ट्रीय स्वरूप

टंडन मुक्त विश्वविद्यालय शुरू हुआ एमए योग पाठ्यक्रम

JEEVAN EXPRESS

Admission to MA Yoga starts in Rajarshi Tandon Open University

ENTRANCE EXAM ON MARCH 20

अमृत प्रभात

मुक्त विश्वविद्यालय एमए योग की प्रवेश परीक्षा 20 को

तीर्थराज टाइम्स

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में लें एम ए योग में प्रवेश

विश्वविद्यालयों/संस्थानों की एक दिवसीय 'रैकिंग उन्नयन–2025' कार्यशाला का आयोजित

प्रदेश की राज्यपाल एवंराज्य विश्वविद्यालयों की कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेनपटेल की अध्यक्षतामेंदिनांक 05 मार्च, 2025 को डॉ. शकुंतलामिश्राराष्ट्रीय पुनर्वासविश्वविद्यालय, लखनऊमें 'रैंकिंगउन्नयन– 2025' कार्यशाला का आयोजनकियागया। इस कार्यशाला का उद्देश्य प्रदेश के विश्वविद्यालयोंकोवर्ल्डक्लास यूनिवर्सिटीबनाने के लिए आवश्यक रणनीतियोंपरमार्गदर्शनदेनाथा, जिससेवेराष्ट्रीय एवंअंतरराष्ट्रीय स्तरपरउच्चरैंकिंगप्राप्तकरसकेंऔरवैश्विकस्तरपरप्रतिस्पर्धीबनें।कार्यशाला के दौरानराज्य विश्वविद्यालयों के कुलपतियों एवंअन्य प्रतिनिधियों ने रैंकिंग से जुड़ीसमस्याओं एवं उनके संभावितसमाधानोंपरप्रश्नपूछे. जिनकाविशेषज्ञों ने विस्तार से उत्तरदिया।

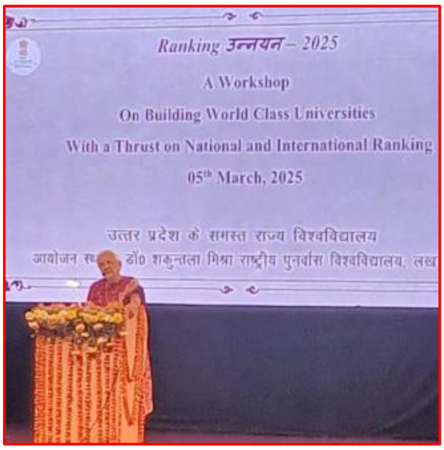

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल जी ने कहा कि राज्य के विश्वविद्यालयों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं अनुसंधान को प्राथमिकता देनी होगी ताकि वे वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बन सकें। उन्होंने इस दिशा में सभी विश्वविद्यालयों को संगठित प्रयास करने एवं नवाचार को बढ़ावा देने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि इस कार्यशाला से मिले विचारों और सुझावों को केवल सुनने तक सीमित न रखें, बल्कि उन पर गंभीरता से चिंतन करें और जब यहां से वापस जाएं तो टीमवर्क की भावना से कार्य करें। उन्होंने विश्वविद्यालयों के अधिकारियों और शिक्षकों को निर्देश कि वे कार्यशाला से प्राप्त ज्ञान को आपस में साझा करें और उन पर गहन चर्चा करें, जिससे नए विचार सामने आएं और योजनाएं बेहतर तरीके से बनाई जा सकें। उन्होंने कहा कि कार्यशालाएं और सेमिनार तभी सफल माने जाते हैं जब उनमें दी गई जानकारी से प्रतिभागियों को लाभ मिले। उन्होंने कहा कि जब चार लोग एक साथ बैठकर चर्चा करते हैं और एक–दूसरे की क्षमताओं का सम्मान करते हुए कार्य करते हैं, तो सफलता की संभावना कई गुना बढ़ जाती है।

राज्यपाल जी ने विश्वविद्यालयों को निर्देश दिया कि वे युवा प्रतिभाओं को अवसर दें क्योंकि नवाचार और ऊर्जा से भरे युवा ही संस्थानों को आगे ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों को अपनी सोच बदलनी होगी और परस्पर सहयोग की भावना विकसित करनी होगी। राज्यपाल ने इस बात पर बल दिया कि संस्थानों को केवल प्रतिस्पर्धा पर ध्यान देने के बजाय आपसी सहयोग और ज्ञान के आदान–प्रदान पर जोर देना चाहिए, ताकि सभी विश्वविद्यालयों की रैंकिंग में सुधार हो सके।

उन्होंने विश्वविद्यालयों की वेबसाइटों की गुणवत्ता पर भी ध्यान देने की आवश्यकता बताई और कहा कि वेबसाइट्स पर संपूर्ण जानकारी उपलब्ध होनी चाहिए, जिससे छात्रों को सही जानकारी प्राप्त हो सके। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि छात्रावास, अनुसंधान सुविधाएं, पाठ्येतर गतिविधियां और अन्य सुविधाओं की जानकारी वेबसाइट पर स्पष्ट और आकर्षक रूप में उपलब्ध हो।

राज्यपाल जी ने अनुसंधान और विकास पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता बताते हुए कहा कि विश्वविद्यालयों को अपने अनुसंधान कार्यों को मजबूत करना होगा और उन्हें प्रासंगिक तथा प्रभावशाली बनाना होगा। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि विश्वविद्यालयों को मिलकर अनुसंधान करना चाहिए, पीएचडी के कार्यों में सहयोग बढ़ाना चाहिए, पुस्तक लेखन और अनुवाद कार्यों को बढ़ावा देना चाहिए, ताकि ज्ञान का व्यापक प्रसार हो सके।

राज्यपाल जी ने अनुसंधान एवं विकास में अवसर विषय पर अपने विचार प्रकट करते हुए कहा कि विश्वविद्यालयों को ऐसे प्रपोजल और प्रोजेक्ट्स तैयार करने चाहिए, जिससे वे विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग की ग्रांट का लाभ प्राप्त कर सकें। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों को परियोजनाओं को विभाग की गाइडलाइन्स के अनुरूप तैयार करना चाहिए और समय पर सबमिट करना चाहिए, ताकि उन्हें अनुदान प्राप्त करने में कोई बाधा न आए।

राज्यपाल जी ने यह भी आश्वासन दिया कि वे स्वयं विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग से चर्चा करेंगी और यह जानने का प्रयास करेंगी कि विश्वविद्यालयों के प्रपोजल में क्या कमियां रह जाती हैं। उन्होंने कहा कि वे इन कमियों पर मार्गदर्शन देंगी, जिससे विश्वविद्यालय बेहतर तरीके से अपने प्रस्ताव तैयार कर सकें और उन्हें अधिकतम लाभ प्राप्त हो।

राज्यपाल जी ने कुलपतियों को संबोधित करते हुए कहा कि सही समय पर सही कार्य करना आवश्यक है और समय का सदुपयोग इस प्रकार करना चाहिए कि विद्यार्थियों, देश और आने वाली पीढ़ी को उसका लाभ मिले। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि वसुधैव कुटुंबकम की भावना के साथ कार्य करने की आवश्यकता है, जिससे शिक्षा और अनुसंधान का व्यापक प्रभाव समाज और राष्ट्र पर पड़े। उन्होंने निर्देश दिया कि कुलपति स्वयं अपने छात्रावासों का नियमित रूप से भ्रमण करें, विद्यार्थियों के बीच बैठें, उनसे संवाद करें और उनकी प्रतिभा को पहचानें। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की क्षमताओं का सही मार्गदर्शन और उपयोग करके विश्वविद्यालय और देश को आगे बढ़ाया जा सकता है। इसके साथ ही, उन्होंने विश्वविद्यालयों में सकारात्मक अकादमिक और अनुसंधान संस्कृति विकसित करने पर बल दिया। उन्होंने परीक्षा प्रणाली में सुधार पर भी जोर देते हुए कहा कि बार–बार बैक पेपर देने की परंपरा समाप्त होनी चाहिए। विद्यार्थियों को कठिन परिश्रम करने के लिए प्रेरित किया जाए ताकि वे अपनी परीक्षाओं में सफल हों और बार–बार बैक पेपर देने की आवश्यकता न पड़े।

राज्यपाल जी ने कहा कि इस कार्यशाला का आयोजन विशेष रूप से इसलिए किया गया है ताकि नए विचारों का आदान–प्रदान हो और विश्वविद्यालयों की नेशनल एवं ग्लोबल रैंकिंग में सुधार किया जा सके। उन्होंने कहा कि उच्च गुणवत्ता वाले शोध परियोजनाएं तैयार कर विश्वविद्यालय ग्रांट का लाभ उठा सकते हैं। इसके लिए कार्यशालाओं का आयोजन अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि इनसे नवीन दृष्टिकोण विकसित होते हैं और शोध एवं नवाचार को बढ़ावा मिलता है।

राज्यपाल जी ने सभी को प्रधानमंत्री जी के मन की बात कार्यक्रम को सुनने के लिए प्रेरित किया और कहा कि इस कार्यक्रम से भी नए विचार और प्रेरणा प्राप्त होती है। उन्होंने कहा कि दूरदर्शी व्यक्तियों के विचारों को सुनने से ज्ञान और दृष्टिकोण का विस्तार

और निर्देश दिया कि सभी विश्वविद्यालय इस विषय में जागरूकता बढ़ाएं। उन्होंने कहा कि समाज को यह बताया जाए कि लखनऊ में एक ऐसा विश्वविद्यालय है, जहां विशेष रूप से दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा की व्यवस्था है। विश्वविद्यालयों को इस संदर्भ में प्रचार–प्रसार बढ़ाने और अधिक से अधिक विद्यार्थियों को इस संस्थान से जोड़ने के लिए प्रयास करने चाहिए।

ज्ञातव्य है कि राज्यपाल जी के प्रयासों से उच्च शिक्षा गुणवत्ता सुधार तथा रैंकिंग उन्नयन हेतु विभिन्न कार्यशालाओं का आयोजन, शिक्षा मंथन, समर्थ से सामर्थ्य, नैक एवं एन0आई0आर0एफ0 मूल्यांकन की तैयारी के संदर्भ में नियमित तौर पर समीक्षा बैठक, क्यू0एस0 इण्डिया एवं क्यू0एस0 वर्ल्ड समिट कार्यशाला आदि के आयोजनों के सुखद परिणाम परिणामस्वरूप वर्तमान में समय में उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालयों में आठ (08) राज्य विश्वविद्यालयों को नैक में सर्वोच्च ग्रेड 'ए प्लस प्लस', चार (04) विश्वविद्यालयों को 'ए प्लस' एवं एक (01) विश्वविद्यालय को 'ए' ग्रेड प्राप्ति हुई है। इसके साथ–साथ प्रदेश के छः (06) विश्वविद्यालयों को क्यू0एस0 एशिया एवं क्यू0एस0 साउथ एशिया में रैंकिंग प्राप्त हुई है। उत्तर प्रदेश के पांच (05) राज्य विश्वविद्यालयों को यू0जी0सी0 द्वारा श्रेणी–1 विश्वविद्यालय घोषित किया गया है तथा प्रदेश के छः (06) विश्वविद्यालयों को यू0जी0सी0 द्वारा रूपये 100–100 करोड़ की ग्रांट एवं आठ (08) विश्वविद्यालयों में प्रत्येक को रूपये 20–20 करोड़ की ग्रांट स्वीकृत हुई है। स्टैनडफोर्ड यूनिवर्सिटी, कैलीफोर्निया(अमेरिका) द्वारा जारी दुनिया भर के शीर्ष दो (02) प्रतिशत वैज्ञानिकों की सूची में उत्तर प्रदेश के इकतालीस (41) अध्यापक वैज्ञानिकों का नाम शामिल हुआ है।

कार्यशाला के प्रथम सत्र में राष्ट्रीय रैंकिंग सुधारने की रणनीतियों पर चर्चा हुई, जिसमें नेशनल बोर्ड ऑफ एक्रिडिटेशन, नई दिल्ली के सदस्य सचिव, डॉ. अनिल कुमार नासा ने अपने विचार प्रस्तुत किए। इसके बाद वैश्विक रैंकिंग सुधारने की रणनीतियों पर क्यू एस वर्ल्ड रैंकिंग (यू.के.) के सीईओ, डॉ. अश्विन फर्नांडीस ने संबोधन दिया। कार्यशाला में डॉ. अनिल कुमार नासा और डॉ. अश्विन फर्नांडिस ने विस्तार से बताया कि कैसे उत्तर प्रदेश के विश्वविद्यालय राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में अपनी स्थिति मजबूत कर सकते हैं। उन्होंने इस दिशा में कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए और कुलपतियों को इन उपायों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। सत्र के दौरान कुलपतियों ने अपनी जिज्ञासाएं प्रकट कीं और विशेषज्ञों ने उनके प्रश्नों के समाधान भी प्रस्तुत किए।

इसके अलावा, डॉ. रश्मि शर्मा ने बताया कि कैसे उत्कृष्ट प्रोजेक्ट्स तैयार कर विश्वविद्यालय अधिक से अधिक अनुसंधान अनुदान (ग्रांट) प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने अनुदान प्राप्त करने की प्रक्रिया, आवश्यक रणनीतियों और सफल परियोजनाओं के उदाहरणों को साझा किया, जिससे कुलपतियों और प्रतिभागियों को उपयोगी जानकारी मिली। कार्यक्रम में डायरेक्टर जनरल उपक्रम प्रो0 संजीत सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किए और विश्वविद्यालयों को महत्वपूर्ण दिशा–निर्देश दिए। उन्होंने विशेष रूप से विश्वविद्यालयों के बीच सहयोग और सामूहिक प्रयासों पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि कैसे विश्वविद्यालय आपस में समूह बनाकर एक–दूसरे का सहयोग करते हुए आगे बढ़ सकते हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि साझेदारी और टीम वर्क के माध्यम से शोध कार्यों, परियोजनाओं और अकादमिक विकास को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जा सकता है।

कार्यक्रम में विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपतियों ने भी अपने विचार व्यक्त किए और महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने कार्यशाला के सफल आयोजन के लिए राज्यपाल जी का विशेष रूप से धन्यवाद दिया और कहा कि आज उत्तर प्रदेश के विश्विद्यालय राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी रैंकिंग सुधार रहे हैं, ख्याति प्राप्त कर रहे हैं और निरंतर प्रगति कर रहे हैं। उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय राज्यपाल जी को देते हुए कहा कि उनकी सतत समीक्षा बैठकें और कार्यशालाओं के माध्यम से दिया गया मार्गदर्शन एवं प्रेरणा विश्वविद्यालयों को नए आयाम देने में सहायक सिद्ध हो रही है। उन्होंने सभी विशेषज्ञों को कार्यक्रम में आने के लिए धन्यवाद दिया तथा उनकी बहुमूल्य जानकारी साझा करने के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस कार्यशाला के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को बहुत कुछ सीखने को मिला है, जिससे विश्वविद्यालयों को अपने कार्यों में और अधिक सुधार करने में सहायता मिलेगी।

उक्त एक दिवसीय कार्यशाला में विश्वविद्यालय की ओर से प्रो0 आशुतोष गुप्ता, निदेशक, सीका, प्रो0 पी0 के0 स्टालिन, निदेशक, शिक्षा विद्याशाखा, श्री विनय कुमार, कुलसचिव, प्रो0 श्रुति, प्रोफेसर, विज्ञान विद्याशाखा, प्रो0 मीरा पाल, प्रोफेसर, स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा, प्रो0 जे0 पी0 यादव, प्रोफेसर, विज्ञान विद्याशाखा, डॉ0 देवेश रंजन त्रिपाठी, एसोसिएट प्रोफेसर, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा, डॉ0 सुनील कुमार, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, समाज विज्ञान विद्याशाखा एवं डॉ0 साधना श्रीवास्तव, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, मानविकी विद्याशाखा ने प्रतिभाग किया।

इग्नूका 38वां दीक्षांतसमारोहका आयोजित

इंदिरागांधीराष्ट्रीय मुक्तविश्वविद्यालय नईदिल्ली द्वारा 38वां दीक्षांतसमारोह का आयोजनदिनांक 5 मार्च, 2025 दिनबुधवारकोआयोजितकियागया।जिसकामुख्य समारोहइग्नूमुख्यालय मैदान गढ़ी,नईदिल्लीमेंआयोजितकियागया।जिसकेमुख्य अतिथिभारत के माननीय शिक्षा मंत्री,श्रीधर्मेंद्रप्रधानजीरहे।देशभरमेंफैलेहुए इग्नू के 39 क्षेत्रीय केन्दोंपरभीइसकाआयोजनकियागया।

इसीक्रममेंइंदिरागांधीराष्ट्रीय मुक्तविश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्रवाराणसीमें 38वेंदीक्षांतसमारोह का आयोजनबी.एच.यू.वाराणसी के प्रांगणविज्ञानसंकाय के महामनाहालमेंआयोजितकियागया।जिसकेविशिष्टअतिथिउत्तरप्रदेशराजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज के माननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम जी रहे।इस अवसरपरइंदिरागांधीराष्ट्रीय मुक्तविश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्रवाराणसीमें 3823 छात्र–छात्राओंकोउपाधिप्रदान की गई।

इस अवसरपरक्षेत्रीय केन्द्रवाराणसी के कार्यक्रममें क्षेत्रीय निदेशक डॉ0संजय कुमार, डॉ0श्रवणकुमारपाण्डेय,शिक्षक, गणमान्य नागरिक, छात्र–छात्रायें एवंकर्मचारीआदिउपस्थितरहे।

इग्नू के दीक्षांतसमारोहमेंआशनाकोगोल्ड, 3,823 कोउपधि

इंदिरागांधीराष्ट्रीय मुक्तविश्वविद्यालय के 38वें दीक्षांतसमारोहमें3823 छात्र–छात्राओंकोउपाधिदीगई |इसमेंजेलमें08कैदियों ने भीसफलताहासिल की है |इसकेअलावा 2113 परास्नातक, 1235 स्नातक, 352 डिप्लोमाऔर 123 सर्टिफिकेट के विद्यार्थियोंकोडिग्रीमिली |समारोहमेंहरिशचन्द्रपीजीकॉलेज के अध्ययन केंद्र से बीए इनपब्लिक एडमिनिस्ट्रेशनमेंसर्वोच्चअंकहासिलकरनेपरछात्राआशनामाथुरकोस्वर्णपदकदियागया।

दूरस्थशिक्षा पद्धति से गुणवत्तापूर्णशिक्षा दे रहाइग्नू, तकनीक का प्रयोग बढ़ा–प्रोफेसरसत्यकाम

विशिष्ट अतिथि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि दूरस्थ शिक्षा पद्धति से इग्नू ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई है। इग्नू ने विगत वर्षों में भारतीय ज्ञान परंपरा एवं विज्ञान तथा तकनीकी क्षेत्र के कई लोकप्रिय कार्यक्रमों की शुरुआत की। विज्ञान संस्थान के महामना सभागार में आयोजित समारोह में कुलपति ने कहा कि इग्नू ने पिछले कुछ वर्षों में भारतीय ज्ञान परंपरा एवं विज्ञान तकनीकी क्षेत्र के लोकप्रिय कार्यक्रमों की शुरुआत कर, देश के लोगों तक उसे शिक्षा की पहुंच को अत्यंत सम कर दिया है। उन्होंने इग्नू के कार्यक्रम शिक्षा सबके द्वारा की सराहना करते हुए कहा कि यह एकमात्र ऐसी संस्था है जो अत्याधुनिक संसाधनों का प्रयोग करते हुए समाज के हर वर्ग के लोगों को शिक्षा प्रदान करती है

क्षेत्रीय निदेशक
द्वाराछात्रोंकोइग्नू
माध्यम से मि
सहयोगसेवाओं
उपलब्धताको दे
केंद्रवाराणसीकोनो
लिए वाराणसी
संख्या लगभग 1

दीक्षांत मंच से 250 छात्रों को उपाधि

इग्नू

वाराणसी, वरिष्ठ संवाददाता। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) का 38वां दीक्षांत समारोह बुधवार को मैदानगढ़ी नई दिल्ली में हुआ। इसके समानांतर बीएचयू के विज्ञान संस्थान स्थित महामना सभागार में विश्वविद्यालय के वाराणसी केंद्र का दीक्षांत भी हुआ। उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सत्यकाम ने दीक्षांत भाषण में सभी उपाधिधारक विद्यार्थियों को देश और समाज के हित में कार्य करने की प्रेरणा दी।

बीएचयू में हुए उपाधि वितरण कार्यक्रम के मंच से कुल 250 छात्र-छात्राओं को उपाधियां दी गईं। बीए पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन की राष्ट्रीय टॉपर आशना माथुर को प्रो. सत्यकाम

बीएचयू के विज्ञान सभागार में इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक पानेवाली छात्रा आशना माथुर।

और क्षेत्रीय केंद्र निदेशक डॉ. उपेंद्रनभ त्रिपाठी ने स्वर्ण पदक दिया। इग्नू क्षेत्रीय केंद्र से संबद्ध 19 जिलों से कुल 3823 छात्र-छात्राओं को डिग्री प्रदान की गई। इनमें 2113 परास्नातक, 1235 स्नातक, 352 डिप्लोमा, 123 सर्टिफिकेट के छात्रों के साथ जेल के आठ कैदी भी शामिल हैं।

क्षेत्रीय निदेशक डॉ. उपेन्द्रनभ त्रिपाठी ने कहा कि दीक्षांत समारोह के बाद छात्र-छात्राओं को डिग्री डिजीलॉकर में भी डाल दी गई है जिसे छात्र लॉगिन पासवर्ड डालकर प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि अधिक संख्या होने से वाराणसी क्षेत्रीय केंद्र के उपाधि वितरण समारोह में स्नातकोत्तर, स्नातक और एमबीए के छात्रों को दीक्षांत समारोह में शामिल किया गया।

क्षेत्रीय केंद्र के सहायक कुलसचिव योगेश कुमार ने धन्यवाद ज्ञापित किया। सहायक क्षेत्रीय निदेशक डॉ. संजय कुमार और डॉ. श्रवण कुमार पाण्डेय ने उपाधि वितरण का प्रबंधन किया।

बीएचयू के विज्ञान सभागार में इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय क्षेत्रीय केंद्र वाराणसी के 38 वां दीक्षांत समारोह में उपाधि पानेवाले विद्यार्थियों के साथ क्षेत्रीय निदेशक डॉ उपेंद्र नभ त्रिपाठी (बाएं), राजर्षि टंडन मुक्त विवि के वीसी प्रो सत्यकाम(दाएं)।

आईएएस बन देशसेवा करना चाहती हैं आशना

वाराणसी। इग्नू क्षेत्रीय केंद्र से स्नातक पाठ्यक्रम की राष्ट्रीय टॉपर आशना माथुर आईएएस बनने के लिए तैयारी में लगी है। डाफी निवासी आशना ने बताया कि उनके पिता अनिमेष माथुर शिक्षक और मां संजना माथुर गृहिणी हैं। पिता अनिमेष ने बताया कि कोविड के दौरान ऑनलाइन कक्षाओं से आशना प्रेरित हुई और 12वीं के बाद दूरस्थ शिक्षा से आगे की पढ़ाई जारी रखी। क्षेत्रीय निदेशक ने बताया कि आशना ने सत्र 2021 में हरिश्चंद्र पीजी कॉलेज स्थित केंद्र से नामांकन कराया था। जून-2024 में बीएचयू परीक्षा केंद्र पर उन्होंने अंतिम सेमेस्टर की परीक्षा दी।

Campus

3823 विद्यार्थियों को दी गई उपाधि जेल में 8 कैदियों को भी मिली डिग्री

बोले मुख्य अतिथि, दूरस्थ शिक्षा पद्धति से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दे रहा इग्नू, तकनीक का प्रयोग बढ़ा

माई सिटी रिपोर्टर

वाराणसी। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के 38वें दीक्षांत समारोह में 3823 छात्र/छात्राओं को उपाधि दी गई। इसमें जेल में 8 कैदियों ने भी सफलता हासिल की है। इसके अलावा 2113 परास्नातक, 1235 स्नातक, 352 डिप्लोमा और 123 सर्टिफिकेट के विद्यार्थियों को डिग्री मिली। समारोह में हरिश्चंद्र पीजी कॉलेज के अध्ययन केंद्र से बीए इन पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन में सर्वोच्च अंक हासिल करने पर छात्रा आशना माथुर को स्वर्ण पदक दिया गया।

मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के कुलपति प्रो. सत्यकाम ने कहा कि दूरस्थ शिक्षा पद्धति से इग्नू ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई है। इग्नू ने विगत वर्षों में भारतीय ज्ञान परंपरा एवं विज्ञान तथा तकनीकी क्षेत्र के कई लोकप्रिय कार्यक्रमों की शुरुआत की। विज्ञान संस्थान के महामना सभागार में आयोजित समारोह में कुलपति ने कहा कि इग्नू ने पिछले कुछ वर्षों में भारतीय ज्ञान परंपरा एवं विज्ञान-तकनीकी क्षेत्र के लोकप्रिय कार्यक्रमों की शुरुआत कर देश के लोगों तक उच्च शिक्षा की पहुंच को अत्यंत सुगम कर दिया है।

विज्ञान संस्थान में इग्नू के दीक्षांत समारोह में शामिल छात्र-छात्राएं। संवाद

आशना माथुर

उन्होंने इग्नू के कार्यक्रम 'शिक्षा सबके द्वार' की सराहना करते हुए कहा कि यह एकमात्र ऐसी संस्था है जो अत्याधुनिक संसाधनों का प्रयोग करते हुए समाज के हर वर्ग के लोगों को शिक्षा प्रदान करती है।

क्षेत्रीय निदेशक डॉ. उपेंद्र नभ त्रिपाठी ने बताया कि क्षेत्रीय केंद्र द्वारा छात्रों को इग्नू की हर गतिविधि की जानकारी एसएमएस के माध्यम से मिल रही है। क्षेत्रीय केंद्र के बेहतर छात्र सहयोग सेवाओं एवं उच्च स्तरीय एकेडमिक काउंसलर की उपलब्धता को देखते हुए 17 कार्यक्रमों के लिए क्षेत्रीय केंद्र वाराणसी को नोडल सेंटर बनाया गया।

वर्ष 2023-24 सत्र के लिए वाराणसी क्षेत्रीय केंद्र के तहत कुल पंजीकृत छात्रों की संख्या लगभग 16,205 है। कार्यक्रम में क्षेत्रीय निदेशक डॉ. संजय कुमार, डॉ. श्रवण कुमार पांडेय मौजूद रहे।

इग्नू ने देश में लोगों तक उच्च शिक्षा की पहुंच को किया सुगम

वाराणसी (एसएनबी)। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय का 38वां दीक्षांत समारोह बुधवार को सम्पन्न हुआ। मुख्य समारोह इग्नू मुख्यालय मैदानगढ़ी, नई दिल्ली में हुआ। इसमें मुख्य अतिथि भारत के शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान रहे।

उन्होंने दूरस्थ शिक्षा को रेखांकित करते हुए मानव जीवन में शिक्षा की महत्ता पर बल दिया। इस अवसर पर इग्नू के कुलपति प्रो. उमा कांजिलाल ने इग्नू की भूमिका पर प्रकाश डाला और दूरस्थ शिक्षा के उज्ज्वल भविष्य के बारे में बताया। इग्नू क्षेत्रीय केन्द्र वाराणसी द्वारा यह समारोह काशी हिन्दू विश्वविद्यालय परिसर में स्थित संगोष्ठी संकुल विज्ञान संस्थान के महामना सभागार में आयोजित किया गया। शुभारम्भ विशिष्ट अतिथि प्रो. सत्यकाम, कुलपति, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज एवं डॉ. उपेंद्र नभ त्रिपाठी, क्षेत्रीय निदेशक इग्नू द्वारा मां सरस्वती व मालवीय जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया।

प्रो. सत्यकाम ने कहा कि दूरस्थ शिक्षण पद्धति से देश के कोने-कोने तक गुणवत्ता पूर्ण उच्च शिक्षा पहुंचाने में इग्नू ने अहम भूमिका निभाई है। इग्नू ने विगत वर्षों में भारतीय ज्ञान परम्परा एवं विज्ञान तथा तकनीकी क्षेत्र के कई लोकप्रिय कार्यक्रमों की शुरूआत कर देश के लोगों तक उच्च शिक्षा की पहुंच को अत्यंत सुगम कर दिया है। अन्य कार्यक्रमों को भी एनईपी 2020 के अनुरूप इग्नू द्वारा पूर्णतः पुनरीक्षित कर लिया गया है। 2030 तक 50 प्रतिशत का उच्च शिक्षा का सकल पंजीकरण अनुपात प्राप्त करने की कल्पना भी इग्नू के

इग्नू का 38वां दीक्षांत

क्षेत्रीय केन्द्र, वाराणसी से आठ कैदी समेत कुल 3823 विद्यार्थी शामिल रहे

बिना अधूरी है। उन्होंने कहा कि इग्नू विश्व का विशालतम विश्वविद्यालय है। दीक्षांत समारोह में तीन लाख से ज्यादा उपाधि धारकों को दीक्षित करना अपने आप में इसकी सफलता का द्योतक है। उन्होंने सभी दीक्षित उपाधि धारकों को उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी। क्षेत्रीय निदेशक डॉ. उपेंद्र नभ त्रिपाठी ने बताया कि 38वें दीक्षान्त समारोह में देशभर में कुल तीन लाख तेरह हजार आठ सौ सत्तर (3,13,870) छात्र-छात्राओं को डिग्री प्रदान की गई जो इग्नू के लिए गर्व की बात है। क्षेत्रीय केन्द्र, वाराणसी से कुल 3823 छात्र/छात्राएं शामिल है जिसमें आठ जेल कैदियों की भी उपाधि शामिल है।

इस बार के दीक्षांत समारोह में क्षेत्रीय केन्द्र वाराणसी की छात्रा आशना माथुर को (बीएपीएएच) बीए इन पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन में राष्ट्रीय स्तर पर गोल्ड मेडल प्रदान किया गया जो इग्नू के जुलाई सत्र 2021 में इग्नू अध्ययन केन्द्र हरिश्चन्द्र स्नातकोत्तर महाविद्यालय मैदागिन, वाराणसी पर नामांकित है और जून 2024 में बीएचयू वाराणसी परीक्षा केन्द्र पर परीक्षा में सम्मिलित होकर अपने कार्यक्रम को समय से पूर्ण किया है जो क्षेत्रीय केन्द्र के लिए गौरव की बात है। इग्नू मुख्यालय अपने पूर्व छात्रों से जुड़ने के लिए पूर्व छात्र पंजीकरण की ऑनलाइन सुविधा भी प्रदान की है। इसमें क्षेत्रीय केन्द्र वाराणसी के लगभग 5500 छात्रों द्वारा अपना ब्यौरा दर्ज किया जा चुका है। कार्यक्रम में क्षेत्रीय निदेशक डॉ. उपेन्द्र नभ त्रिपाठी ने मुख्य अतिथि प्रो.सत्यकाम को स्मृति चिन्ह एवं अंग वस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया। योगेश कुमार, सहायक कुलसचिव, इग्नू क्षेत्रीय केन्द्र, वाराणसी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। सहायक क्षेत्रीय निदेशक डॉ. संजय कुमार एवं डॉ. श्रवण कुमार पाण्डेय ने दीक्षांत कार्यक्रम के उपाधि वितरण का प्रबंधन का संचालन किया।

इग्नू के दीक्षा समारोह में आशना को गोल्ड, 3,823 को उपाधि

क्षेत्रीय केंद्र वांराणसी का आयोजन, छात्रों में उत्साह, दूरस्थ शिक्षण पद्धति से उच्च शिक्षा पहुंचाने में इग्नू की भूमिका अहम : प्रो. सत्यकाम

जागरण संवाददाता, वाराणसी: इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के क्षेत्रीय केंद्र वाराणसी में दीक्षा समारोह में उपाधि पाकर विद्यार्थी चहक उठे। बीएचयू के संगोष्ठी संकुल में बुधवार को आयोजित कार्यक्रम के दौरान 3823 विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की गईं, इसमें जेल के आठ कैदी भी रहे। 1235 छात्रों को स्नातक, 2113 परास्नातक, 352 डिप्लोमा और 123 छात्रों को सर्टिफिकेट मिला। बनारस के नैपुराकला गांव की रहने वाली छात्रा आशना माथुर को बीए इन पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन में राष्ट्रीय स्तर पर गोल्ड मेडल दिया गया।

विशिष्ट अतिथि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के कुलपति प्रो. सत्यकाम ने कहा कि दूरस्थ शिक्षण पद्धति से देश के कोने-कोने तक गुणवत्ता पूर्ण उच्च शिक्षा पहुंचाने में इग्नू की भूमिका अहम है। भारतीय ज्ञान परंपरा, विज्ञान व तकनीकी क्षेत्र में उच्च शिक्षा की पहुंच सुगम हुई। 'शिक्षा सबके द्वार' की सराहना करते हुए कहा कि यह एकमात्र ऐसी संस्था है, जो अत्याधुनिक संसाधनों का प्रयोग करते हुए समाज के हर वर्ग को शिक्षा प्रदान करती है। तीन लाख से अधिक उपाधि धारकों को दीक्षित करना अपने आप में सफलता का द्योतक है। इग्नू के क्षेत्रीय निदेशक डा. उपेन्द्र नभ त्रिपाठी ने कहा कि 38वें दीक्षा समारोह में देश भर में कुल 3,13,870 छात्र-छात्राओं को डिग्री मिली है, यह डिग्रियां डिजी लाकर में भी डाली जाती हैं जिसे छात्र लागिन पासवर्ड कर प्राप्त कर सकते हैं। संस्थान पूर्वांचल के 19 जनपदों में विद्यार्थियों की हर संभव सहायता के लिए तत्पर रहा है। इग्नू के इंटरनेट आधारित आभासी माध्यमों से विद्यार्थियों को सतत इंटरएक्टिव रेडियो काउंसिलिंग का आयोजन कर न केवल अकादमिक एवं प्रशासनिक समस्याओं का समाधान किया, बल्कि डिजिटल इंडिया अभियान से इग्नू में भी सभी प्रक्रिया आनलाइन होने से भी विद्यार्थियों को सहूलियतें प्रदान की गईं। केंद्र की तरफ से पिछले वर्ष छात्रों को विभिन्न जानकारियां करीब चार लाख एसएमएस के माध्यम से भेजी गईं। सोशल मीडिया हैंडल पर करीब 20 हजार विद्यार्थी जुड़े हैं। बता दें कि मुख्य समारोह इग्नू मुख्यालय मैदानगढ़ी, नई दिल्ली में आयोजित हुआ, यहां मुख्य अतिथि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान रहे। उन्होंने दूरस्थ शिक्षा की महत्ता को रेखांकित करते हुए मानव जीवन में शिक्षा के महत्व पर बल दिया।

बीएचयू स्थित विज्ञान संकुल के सभागार में इग्नू के 38वें दीक्षा समारोह में उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के साथ मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के कुलपति प्रो. सत्यकाम व इग्नू के क्षेत्रीय निदेशक डा. उपेन्द्र नभ त्रिपाठी • जागरण

सिविल सेवा की तैयारी करेंगी आशना, पिता पढ़ाते हैं ट्यूशन

गोल्ड मेडल मिलने के बाद आशना ने बताया कि वह सिविल सेवा की तैयारी कर रही हैं, उनके पिता अमिश माथुर ट्यूशन पढ़ाते है। अभावों के बीच मेहनत से उन्होंने सफलता हासिल की है। वह इंटरनेट मीडिया से काफी दूरी बनाकर रहतीं हैं। अधिकांश वक्त किताबों के अध्ययन में गुजरता है।

मेडल व डिग्री संग आशना माथुर व पिता अमिश माथुर।

आशना ने इग्नू के जुलाई सत्र 2021 मे इग्नू अध्ययन केंद्र हरिशचन्द्र स्नातकोत्तर महाविद्यालय मैदागिन मे दाखिला लिया था, जबकि जून 2024 में परीक्षा दी और 71.94 प्रतिशत अंक प्राप्त किया है। अमिश माथुर ने बताया कि कठिन परिस्थितियो के बावजूद उनकी एकलौती पुत्री को आइएएस बनाना चाहते हैं, इग्नू के पाठ्यक्रम की उच्चस्तर की अध्ययन सामग्री को देखते हुए इग्नू मे पुत्री का नामांकन कराया ताकि पढाई के साथ ही प्रतियोगी परीक्षाओं की भी तैयारी हो सके।

कैंपस प्लेसमेंट में सक्रिय भागीदारी : डा. उपेंद्र नभ त्रिपाठी ने बताया कि नवाचार को प्रोत्साहन देने के लिए कई वर्षों में राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत किया गया। बीते वर्ष कैंपस प्लेसमेंट के दौरान इग्नू के विद्यार्थियों ने सक्रिय भागीदारी की। उन्नत भारत अभियान से टिकरी गांव को क्षेत्रीय केंद्र ने गोद लिया है, यहां पर शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पर्यावरण को लेकर कार्य हो रहे हैं। वर्ष 2023-24 में 16,205 छात्र पंजीकृत हुए। इनके लिए 1300 एकेडमिक काउंसलर जुड़े। समारोह में सहायक कुलसचिव योगेश कुमार, सहायक क्षेत्रीय निदेशक डा. संजय कुमार व डा. श्रवण कुमार पांडेय उपस्थित रहे।

क्षेत्रीय केन्द्रों द्वारानामांकनअभिप्रेरणकार्यक्रम

लखनऊ क्षेत्रीय केंद्र द्वाराचलाए जारहेनामांकनअभिप्रेरणकार्यक्रम के अन्तर्गतमें 05 मार्च, 2025 को लखनऊ के विभिन्न क्षेत्रोंबाराबंकी, रायबरेली, RAM PARAKASH GUPTA MOTHER AND CHILD REFFERAL HOSPITAL200BED GOMTI NAGAR LUCKNOWमेंvolunteersद्वाराविश्वविद्यालय द्वारासंचालितपाठ्यक्रमों की जानकारीदीगई।

लखनऊ क्षेत्रीय केंद्र द्वाराचलाए जारहेनामांकनअभिप्रेरणकार्यक्रम के अन्तर्गत06 मार्च, 2025 कोलखनऊ के ध्यानलाइब्रेरीमेंछात्रोंकोविश्वविद्यालय द्वारासंचालितपाठ्यक्रमों की जानकारीदीगई।

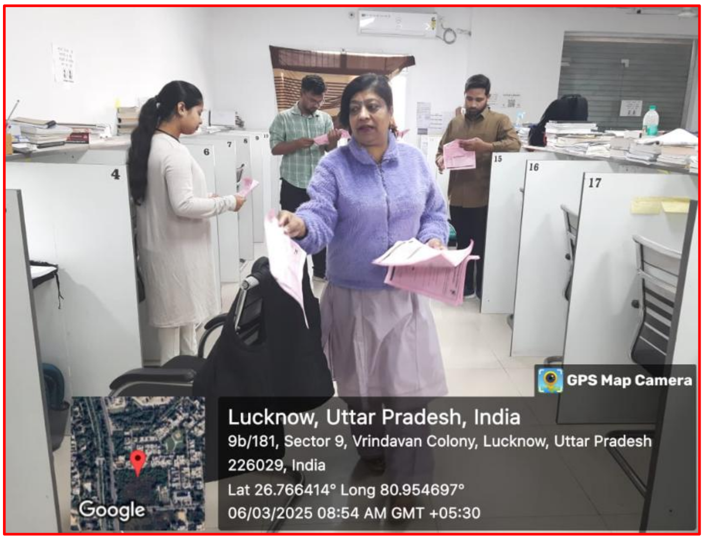

क्षेत्रीय केन्द्रों द्वारानामांकनअभिप्रेरणकार्यक्रम

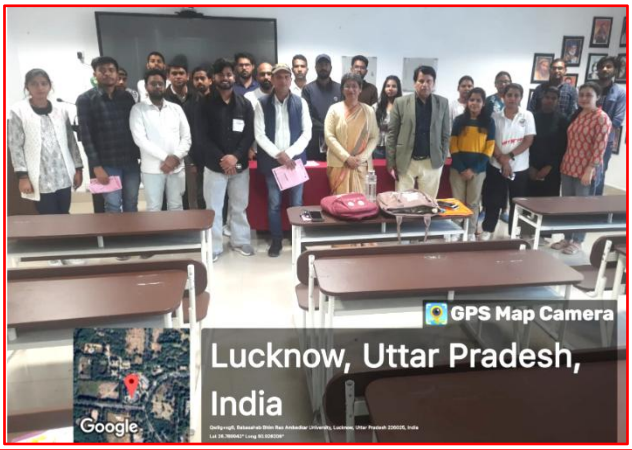

क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ ने आज 6 मार्च 2025 कोबाबासाहबभीमरावअंबेडकरकेंद्रीय विश्वविद्यालय लखनऊ के हिंदीविभागमेंनामांकनअभिप्रेरण सत्र आयोजितकिया।विभागाध्यक्ष व डीनप्रोफेसररामपालगंगवार एवंअसिस्टेंटप्रोफेसर डॉ शिव शंकर यादवभीउपस्थितथे।हिंदीविभाग के सभीछात्रोंकोमुक्तविश्वविद्यालय की विशेषताएं एवंजनवरी सत्र मेंहोनेवालेप्रवेशतथापाठ्यक्रम के बारेमेंविस्तार से बतायागया।छात्र–छात्राओं द्वाराकईप्रश्नपूछे गए जैसेपी एचडीकरतेहुए पीजीकोर्सकियाजासकताहै या नहीं।डिप्लोमाकोर्सेज की भीजानकारीलीगई।प्रोफेसरगंगवार ने छात्रों से कहाकिआपलोगहिंदी के साथ एकलविषय संस्कृत मेंअवश्य प्रवेशले।पाठ्यसामग्रीकैसेप्राप्तहोतीहैइसकेबारेमेंभी एक छात्रा का प्रश्नथा।

`` आज दिनांक 7 मार्च 2025 को क्षेत्रीय केंद्र झांसी में स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के तहत 29 परास्नातक के छात्र छात्राओं को टैबलेट वितरण किए गए। इस योजना का मुख्य उद्देश्य छात्रों को डिजिटल शिक्षा से जोड़ना और उनकी ऑनलाइन पढ़ाई को सुगम बनाना है। `

उ.प्र. राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज

07 मार्च, 2025

मुविविमेंदहेज एवंनशामुक्तभारत की शपथदिलाईगयी

‘दहेजमुक्तभारत’ एवं ‘नशामुक्तभारत’

उ.प्र. राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय के मानविकीविद्याशाखा द्वारामाननीयाकुलाधिपतिश्रीराज्यपाल के निर्देशानुसारविश्वविद्यालय के कुलपतिआचार्यसत्यकाम की प्रेरणा से मानविकीविद्याशाखा के निदेशक, प्रोफेसरसत्यपालतिवारी के मार्गदर्शनमेंसामाजिककुरूतियों के अन्तर्गत ‘दहेजमुक्तभारत’ एवं ‘नशामुक्तभारत’ की प्रतिज्ञाकार्यक्रम के अन्तर्गत मध्याह्न 12:15 बजेविश्वविद्यालय के सरस्वतीपरिसरमेंकुलसचिवकर्नलविनय कुमार की उपस्थितिमें शपथदिलाईगयी। इस अवसरपरविश्वविद्यालय के समस्त शैक्षणिक एवंगैरशैक्षणिककर्मचारी, शोधार्थी एवंछात्र उपस्थितिरहे।इसकेसाथहीमानविकीविद्याशाखा द्वारागोदलियेगॉवलेहरातिवारीपुर के कम्पोजिटविद्यालय लेहरा, सोरावमेंडॉ. शिवेन्द्रप्रताप सिंह, डॉ. शैलेन्द्रकुमार सिंह एवंश्रीराम लखनकुशवाहा की उपस्थितिमें ‘दहेजमुक्तभारत’ एवं ‘नशामुक्तभारत’ की प्रतिज्ञा की शपथविद्यालय के शिक्षकोंअभिभावकों, बच्चों व ग्रामीणलोगोंकोदिलाईगयी।इसीक्रममेंविज्ञानविद्याशाखा द्वारागोदलिए गॉवगोहरी के अन्तर्गतपी.एम.श्रीप्राथमिकविद्यालय मोहनगंजसोराव एवंकोलेकेटेडऑगनवाड़ीकेन्द्रपरदहेजमुक्तभारत के लिए प्रतिज्ञा एवंनशामुक्तभारत के लिए प्रतिज्ञा की शपथदिलाईगयी।इसकेसाथहीप्रदेश के 12 क्षेत्रीय केन्द्रोंप्रयागराज, लखनऊ, बरेली, वाराणसी, गोरखपुर, आजमगढ़, अयोध्या, आगरा, मेरठ, नोएडा, कानपुर एवंझांसीकेन्द्रोंपरआयोजित शपथग्रहणसमारोहमेंछात्रों ने दहेजमुक्तभारत एवंनशामुक्तभारत की प्रतिज्ञा की शपथली।

क्षेत्रीय केन्द्रप्रयागराज

क्षेत्रीय केन्द्रआगरा के अध्ययन केन्द्र

क्षेत्रीय केन्द्र मेरठ

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के क्षेत्रीय केंद्र मेरठ पर आज दिनांक 7 मार्च 2025 को 12.15 बजे "दहेज मुक्त भारत के लिए प्रतिज्ञा" एवं "नशा मुक्त भारत के लिए प्रतिज्ञा" शपथ ग्रहण कार्यक्रम डा० सतेन्द्र बाबू क्षेत्रीय समन्वयक के निर्देशन में आए हुए सभी छात्र–छात्राओं एवं कर्मचारियों ने साथ–साथ शपथ ग्रहण किया।

S-1969 बाबा बरुवा दास पी.जी. कॉलेज, परुइया आश्रम, अम्बेडकर नगर

प्रतिभागियों की सं. 32

क्षेत्रीय केन्द्रअयोध्या

क्षेत्रीय केन्द्रगोरखपुर

अध्ययन केन्द्र – जिला कारागार, गोरखपुर में शपथ लेते हुए बंदी शिक्षार्थी।

क्षेत्रीय केन्द्रआजमगढ़

समाजविज्ञानविद्या शाखा द्वारागोदलिए गए गांवचांड़ीमेंदिनांक 7 मार्च 2025 कोपूर्वाहन 11 बजे से 12 बजेतकप्राथमिकविद्यालय चांड़ीविकास खंडचाका, प्रयागराजमेंराज्यपालसचिवालय द्वारादिए गए निर्देश के अनुपालनमेंविद्यालय के छात्र–छात्राओं, अभिभावकों, अध्यापकोंकर्मचारियों के साथसमाजमेंफैलीकुरीतियोंकोदूरकरने के लिए दहेजमुक्तभारत के लिए प्रतिज्ञा एवंनशामुक्तभारत के लिए प्रतिज्ञाकार्यक्रमसंपन्नकरायागया।उक्तकार्यक्रममें डॉ. दीपशिखा श्रीवास्तव, डॉ. सोहिनीदेवी, कामना यादव, प्राथमिकविद्यालय के प्रधानाध्यापकरामअंजोरपाल श्रीमती लक्ष्मी सिंह, श्रीमती सुचिमिश्रा, श्रीमती प्रतिमा यादव एवंश्रीप्रभाततिवारीआदिउपस्थितरहे।

क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ में आज दिनांक 07 मार्च 2025 को समय 12:15 बजे सामूहिक रूप से ''दहेज मुक्त भारत'' एवं ''नशा मुक्त भारत'' बनाने का संकल्प लिया। उक्त कार्यक्रम में केन्द्र समन्वयक, सहायक आचार्य, स्टॉफ, अभिभावक छात्र, छात्राओं ने भारत को दहेज और नशा जैसे अभिशाप से भारत को मुक्त करने के लिए संकल्प लिया।

क्षेत्रीय केन्द्रलखनऊ एवं अध्ययन केन्द्र

टी.आर.सी. महाविद्यालय, बाराबंकी एस0–1903

सुभाष चन्द्र बोस महाविद्यालय, हरदोइ एस0–769

हीरालाल बालिका डिग्री कालेज, लखनऊ एस0–506

फिरोज गांधी कालेज रायबरेली एस0–442

महावीर प्रसाद महिला महाविद्यालय, लखनऊ एस0–263

प्रताप रंगलाल इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एण्ड टेक्नालॉजी,सीतापुर एस0–1886

मौलाना आजाद स्नातकोत्तर इंस्टीट्यूट ऑफ ह्यूमनटीज साइस एण्ड टेक्नालॉजी ,सीतापुर एस0–1672

उ.प्र. राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज

07 मार्च, 2025

मुक्तविश्वविद्यालय मेंपढ़े विश्वविद्यालय/बढ़े विश्वविद्यालय कार्यक्रम का आयोजन

राज्यपालसचिवालय द्वारादिए गए निर्देश के अनुपालनमेंविश्वविद्यालय के शिक्षा विद्या शाखा के तत्वाधानमेंपढ़ेविश्वविद्यालय/बढ़ेविश्वविद्यालय कार्यक्रम का आयोजनदिनांक 7 मार्च, 2025 कोपूर्वाह्न 11 बजेसे मध्यान्ह12 बजेतकआयोजितकियागया ।उक्तकार्यक्रम के अंतर्गतविश्वविद्यालय कैंपससमस्त क्षेत्रीयकेंद्र एवंसमस्तविद्या शाखों द्वारागोदलिए गए गांव के विद्यालय मेंकार्यसमस्तशैक्षणिक/गैर शैक्षणिककर्मचारीगण,छात्र–छात्राओं एवं उनके अभिभावकगण एक साथ यथास्थान(केंद्रीय पुस्तकालय,सरस्वतीपरिसर,समस्त क्षेत्रीय केंद्र एवंगोदलिए गए गांव के विद्यालय)परपुस्तकपढ़ें।

क्षेत्रीय केन्द्रप्रयागराज

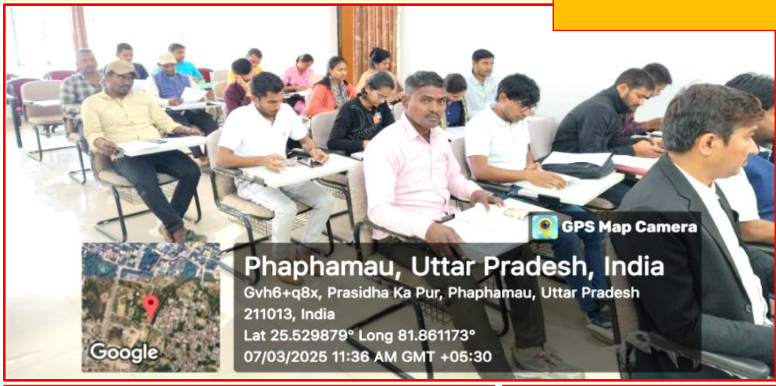

क्षेत्रीय केंद्र बरेली

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के **क्षेत्रीय केंद्र बरेली** पर आज दिनांक 7 मार्च 2025 को **पढ़ें** विश्वविद्यालय/ **पढ़ें** महाविद्यालय और बड़े विश्वविद्यालय/बड़े महाविद्यालय कार्यक्रम के अंतर्गत आए हुए सभी छात्र-छात्राओं एवं कर्मचारियों के साथ गोद लिए हुए गांव बिहारीपुर से आए हुए लोगों ने पुस्तक पढ़ी

क्षेत्रीय केन्द्रअयोध्या

क्षेत्रीय केन्द्रआगरा के अध्ययन केन्द्र

विश्वविद्यालय द्वारागोदलिए गयेगॉव

क्षेत्रीय केन्द्रकानपुर

क्षेत्रीय केन्द्रवाराणसी

क्षेत्रीय केन्द्रझॉसी

क्षेत्रीय केन्द्रलखनऊ

क्षेत्रीय केन्द्र झांसी में आयोजित पढ़े विश्वविद्यालय/पढ़े महाविद्यालय एवं बढ़े विश्वविद्यालय/बढ़े महाविद्यालय कार्यक्रम आयोजित किया गया।

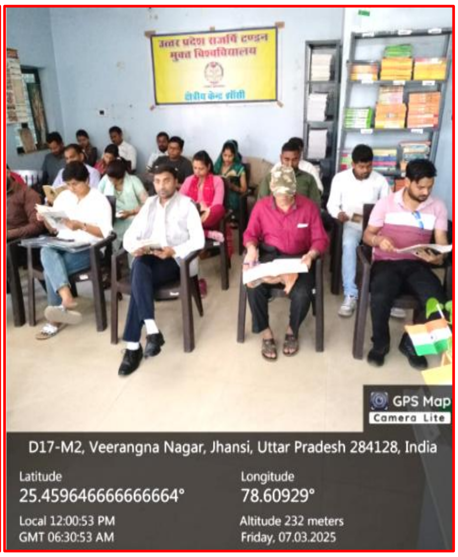

क्षेत्रीय केन्द्रलखनऊ के अध्ययन केन्द्र

न्यू स्टैन्डर कालेज सलेथू रायबरेली एस0–1293

महावीर प्रसाद महिला महाविद्यालय, लखनऊ एस0–263

टी.आर.सी. महाविद्यालय, बाराबंकी एस0–1903

बैसवारा डिग्री कालेज, रायबरेली एस0–1903

सुभाष चन्द्र बोस महाविद्यालय, हरदोइ एस0–769

हीरालाल बालिका डिग्री कालेज, लखनऊ एस0–506

मौलाना आजाद स्नातकोत्तर इंस्टीट्यूट ऑफ ह्युमनटीज साइंस एण्ड टेक्नालॉजी सीतापुर एस0–1672

साई पीजी कॉलेज फतेहपुर बाराबंकी एस0–931

पंडित दीन दयाल राजकीय महिला महाविद्यालय, लखनऊ एस0–204

इस्लामिया डिग्री कालेज एस0–532

यूनिटी डिग्री कालेज एस0–581

युवराज दत्त डिग्री कालेज एस0–031

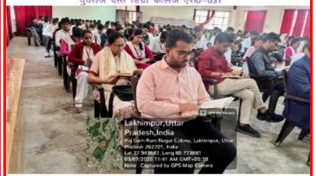

नवयुग कन्या महाविद्यालय एस0–1990

आर.एस. डिग्री कालेज, लखनऊ एस0–1711

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद डिग्री कालेज, लखनऊ एस0–216

नोट– क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ एवं अध्ययन केन्द्रों मे पुस्तक पाठन कार्यक्रम में लगभग 817 प्रतिभागी

क्षेत्रीय केन्द्रआजमगढ़

क्षेत्रीय केन्द्र आजमगढ़ के अन्तर्गत आने वाले अध्ययन केन्द्रों के जियोटैग फोटोज की ए
झलक(एस–819,एस–649, एस–649)

कार्यक्रमपढ़े विश्वविद्यालय/पढ़े महाविद्यालय एवं बढ़े विश्वविद्यालय/बढ़े महाविद्यालय का आयोजनकृषिविज्ञानविद्याशाखा द्वारागोदलियेगाँवतिवारीपुर, लेहरा के कम्पोजिटविद्यालय लेहारा, सोरांवमेंकृषिविज्ञानविद्याशाखा एवंमहिला अध्ययन एवंविस्तारितगतिविधि के संयुक्ततत्वावधान से कियागया।

उपरोक्तकार्यक्रममेंविद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ0 धर्मराज यादव, प्रधानाचार्य एवंसहायकप्राध्यापक श्रीमती मिथलेश त्रिपाठी, श्रीमती अंजूपाण्डेय, श्रीपूर्णेन्दुमिश्र, श्रीनीराश्रीवास्तव, श्रीमती आशा, विनीता शुक्ला, सीमापरवीन एवंशिक्षा मित्र अनुराधा चौधरी, रंजीता के साथउत्तरप्रदेशराजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय के डॉ. रविन्द्रप्रताप सिंह, विज्ञानविद्याशाखा के सहायकआचार्य एवंसदस्य महिला अध्ययन एवंविस्तारितगतिविधि केन्द्रतथा डॉ0 प्रमोदकुमार सिंह, सहायकआचार्य, कृषिविज्ञानविद्याशाखा एवंकार्यक्रम के सहआयोजनसचिवडॉ. अनिलकुमार यादव, सहायकआचार्य, मानविकीविद्याशाखा एवंसदस्य महिला अध्ययन एवंविस्तारितगतिविधि केन्द्रआदिउपस्थितरहेसाथही कक्षा 01 से 08 तकसमस्तछात्रों ने पूरेमनोयोग से पुस्तकपाठनमेंप्रतिभागकिया।

प्रधानाध्यपक ने कहाकिआज इस तकनीकि युगमेंछात्र दिन–प्रतिदिनपुस्तकों से दूरहोकरगैजेट्सपरअपने अध्ययन के लिए निर्भरहोताजारहाहै। यह कार्यक्रम एक अमूल्य पहलहैजोकिछात्रोंकोपुनः पुस्तकों की ओरकेन्द्रितकरेगातथा उनके नैतिकतथामानसिकविकासमेंसहायकहोगासाथही उनके प्रोफेशनलविकासमेंसहयोगकरेगा।उम्मीदहैकिसरकार के सहयोग से इस प्रकार के कार्यक्रमआगेभीहोतेरहेंगे।

अंत मेंविश्वविद्यायल के सदस्यों ने प्रधनाध्यापक एवंशिक्षकों के प्रति धन्यवाद् ज्ञापितकिया।

विद्यालय के प्रधानाचार्य की ओर से कम्पोजितविद्यालय, लेहरामेंआयोजितपुस्तकपाठन के कार्यक्रममेंउपस्थितविश्वविद्यालय के प्राध्यापकोंकोकार्यक्रमआयोजनहेतुप्रमाणपत्र उपलब्ध कराया।

समाजविज्ञानविद्या शाखा द्वारागोदलिए गए गांवचांड़ीमेंदिनांक 7 मार्च 2025 कोपूर्वाहन 11 बजे से 12 बजेतकप्राथमिकविद्यालय चांड़ीविकास खंडचाका, प्रयागराजमेंराज्यपालसचिवालय द्वारादिए गए निर्देश के अनुपालनमेंपढ़े विश्वविद्यालय पढ़े महाविद्यालय कार्यक्रमकोआयोजितकरविद्यालय के छात्र–छात्राओं, अभिभावकों, अध्यापकोंकर्मचारियों के साथपुस्तकपढ़ने का कार्यक्रमआयोजितकियागया

क्षेत्रीय केन्द्र नोएडा/गाजियाबाद

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय,प्रयागराज के क्षेत्रीय केंद्र नोएडा/गाजियाबाद पर आज दिनांक 7 मार्च 2025 प्रातः 11.00 से 12.00 बजे तक पढ़ें विश्वविद्यालय/पढ़ें महाविद्यालय और बढ़ें विश्वविद्यालय/बढ़ें महाविद्यालय कार्यक्रम के अंतर्गत डा0 सतेन्द्र बाबू क्षेत्रीय समन्वयक के साथ आए हुए सभी छात्र–छात्राओं एवं कर्मचारियों ने पुस्तके पढ़ी ।

क्षेत्रीय केन्द्र मेरठ

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय,प्रयागराज के क्षेत्रीय केंद्र मेरठ पर आज दिनांक 7 मार्च 2025 प्रातः 11.00 से 12.00 बजे तक पढ़ें विश्वविद्यालय/पढ़ें महाविद्यालय और बढ़ें विश्वविद्यालय/बढ़ें महाविद्यालय कार्यक्रम के अंतर्गत डा0 सतेन्द्र बाबू क्षेत्रीय समन्वयक के निर्देशन में आए हुए सभी छात्र–छात्राओं एवं कर्मचारियों ने पुस्तके पढ़ी ।

मुक्तविश्वविद्यालय मेंहोलीमिलनसमारोहका आयोजन

विश्वविद्यालय के माननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजी के निर्देशपरदिनांक 12 मार्च, 2025 कोविश्वविद्यालय के यमुनापरिसरस्थितसामुदायिककेन्द्रपरहोलीमिलनसमारोह का आयोजनकियागया।होलीमिलनसमारोह का आयोजनकरने के लिए माननीय कुलपतिजी का बहुत–बहुतधन्यवाद । होली का त्योहारभारतमें एक महत्वपूर्णत्योहारहै। यह त्योहारवसंत ऋतु के आगमन का प्रतीकहै। यह त्योहाररंगोंऔर खुशियों का त्योहारहै। इस दिनलोग एक दूसरेकोरंगलगातेहैंऔरमिठाइयांबांटतेहैं।

माननीय कुलपतिजी ने होलीमिलनसमारोहका आयोजनकरकेसभीको एक साथआनेऔर खुशियांमनाने का अवसरदियाहै। यह आयोजनसभी के लिए बहुतहीआनंददायकरहा।सभी ने एक साथमिलकरफूलों से होली खेलकरगुझिया के साथ खुशियांसाझा की।सुंदरकंठ से निकलेहोलीगीतों ने समारोहमेंचारचांदलगादिए।रंगों की तरंगमेंविश्वविद्यालय परिवार के सदस्य झूमनेकोमजबूरहोगए।

माननीय कुलपतिजी ने इस आयोजन के माध्यम से सभीको एकताऔरभाईचारे का संदेशदियाहै।उन्होंनेसभीको एक साथमिलकररहनेऔर एक दूसरे की मददकरने के लिए प्रेरितकियाहै।

माननीय कुलपतिजी की सादरउपस्थितिमेंआयोजितरंगतरंग का यह कार्यक्रमसभी के लिए बहुतही यादगाररहेगा।सभीको इस आयोजन से बहुत खुशीमिलीहै। इस अवसरपरविश्वविद्यालय परिवार के सभीसदस्यों ने माननीय कुलपतिजीको इस आयोजन के लिए तहेदिल से धन्यवाददिया।सभीकोहोली की रंगारंगहार्दिक शुभकामनाएं।

होलीमिलनसमारोह की कुछअन्य झलकियां

नेताजीसुभाषऔरराजर्षि टंडन मेंहोगा एमओयू

दोनोंमुक्तविश्वविद्यालय के कुलपतियों की मुलाकातमेंहुआनिर्णय

मुक्तशिक्षा के नए अवसर से शोधछात्र होंगेलाभान्वित–प्रोफेसरसत्यकाम

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय के माननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजी का कोलकातामुक्तविश्वविद्यालय परिसरमेंस्वागत एवंअभिनंदनकरतेहुए नेताजीसुभाषचंद्रबोसमुक्तविश्वविद्यालयमाननीय कुलपतिप्रोफेसरइन्द्रजीतलाहिरीजी

नेताजीसुभाषचंद्रबोसमुक्तविश्वविद्यालय, कोलकाताऔरउत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज के बीच एक समझौताज्ञापन (एमओयू) परहस्ताक्षरकिए जाएंगे।
इस समझौते के माध्यम से दोनोंविश्वविद्यालय एक दूसरे के साथमिलकर शैक्षिकऔरअनुसंधानसंबंधीगतिविधियोंमेंसहयोगकरेंगेऔरछात्रोंऔरशिक्षकों के आदान–प्रदानको बढ़ावादेंगे।इससेमुक्तशिक्षा के क्षेत्र में नए अवसरपैदाहोंगेऔरशिक्षा की गुणवत्तामेंसुधारहोगा।उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय के कुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम ने यह जानकारीदी।

मुक्त चिन्तन

इससेपूर्वगुरुवारकोउत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय के कुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम का कोलकातामुक्तविश्वविद्यालय परिसरमेंकुलपतिप्रोफेसरइन्द्रजीतलाहिरी ने स्वागत एवंअभिनंदनकिया।विचारविमर्श के दौरानदोनोंविश्वविद्यालयों के कुलपतियों के बीच शैक्षणिकगतिविधियों के संबंधमें एमओयूकरनेपरपरस्परसहमतिबनी।दोनोंविश्वविद्यालयों के बीचफैकल्टी एक्सचेंज एवं एसएलएमआदान–प्रदानकरनेपरसहमतिबनी।उपरोक्तसभीकार्यों के संबंधमेंऔपचारिकताएंबादमेंपूर्ण की जाएगी। इस अवसरपरकुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम ने सूचनाप्रौद्योगिकी के नए स्वरूपको देखतेहुए कोलकातामुक्तविश्वविद्यालय की आईटीटीम से भीअत्याधुनिकतकनीक के बारेमेंविचारविमर्शकिया।कुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम ने इस अवसरपरसभीकोरंगपर्वहोली की शुभकामनाएंप्रेषितकी।

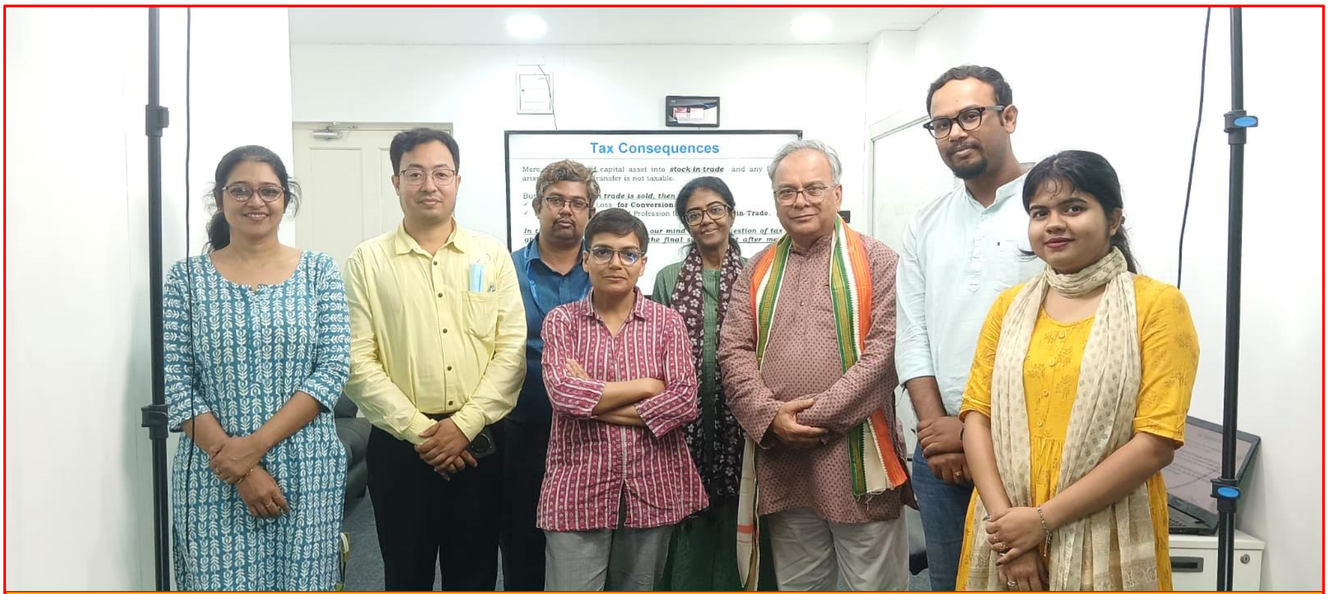

कोलकातामुक्तविश्वविद्यालय की आईटीटीम से भीअत्याधुनिकतकनीक के बारेमेंविचारविमर्शकरतेहुए उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय के माननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजी

VOL. 09 NO. 245 MORNING EDITION PRAYAGRAJ

HIND MATA

PRAYAGRAJ FRIDAY, 14 MARCH 2025 | PAGES 4 | PRICE RS. 1.00

MoU will be signed between Netaji Subhash and Rajarshi Tandon

* The decision was taken in the meeting of the Vice Chancellors of both the Open Universities
* Research students will benefit from the new opportunity of open education - Professor Satyakam

HIND MATA

Prayagraj: A Memorandum of Understanding (MoU) will be signed between Netaji Subhash Chandra Bose Open University, Kolkata and Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj.

Through this agreement, both the universities will cooperate with each other in educational and research related activities and promote the exchange of students and teachers. This will create new opportunities in the field of open education and improve the quality of education.

This information was given by Professor Satyakam, Vice Chancellor of Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University. Earlier on Thursday, Professor Satyakam, Vice Chancellor of Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University was welcomed and greeted by Vice Chancellor Professor Indrajit Lahiri at the Kolkata Open University campus. During the discussions, the Vice Chancellors of both the universities agreed to sign an MoU regarding academic activities. The universities agreed to do faculty exchange and SLM exchange. Formalities regarding all the above works will be completed later. On this occasion, Vice Chancellor Professor Satyakam discussed about the latest technology with the IT team of Kolkata Open University in view of the new form of information technology. Vice Chancellor Professor Satyakam extended his best wishes to everyone on the occasion of Holi.

हिन्दी दैनिक

इलाहाबाद एक्सप्रेस

सच का आधार...

वर्ष : 15 अंक : 345 ◆ प्रयागराज, शुक्रवार 14 मार्च 2025 ◆ पृष्ठ 8 ◆ मूल्य 1 रुपया

नेताजी सुभाष बोस और राजर्षि टण्डन मुक्त विवि में होगा एमओयू

* दोनों मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपतियों की मुलाकात में हुआ निर्णय
* मुक्त शिक्षा के नए अवसर से शोध छात्र होंगे लाभान्वित : प्रो सत्यकाम

प्रयागराज। नेताजी सुभाष चंद्र बोस मुक्त विश्वविद्यालय कोलकाता और उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए जाएंगे।

इस समझौते के माध्यम से दोनों विश्वविद्यालय एक दूसरे के साथ मिलकर शैक्षिक और अनुसंधान सम्बंधी गतिविधियों में सहयोग करेंगे और छात्रों और शिक्षकों के आदान-प्रदान को बढ़ावा देंगे। इससे मुक्त शिक्षा के क्षेत्र में नए अवसर पैदा होंगे और शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार होगा। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो सत्यकाम ने यह जानकारी दी।

इससे पूर्व गुरुवार को उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम का कोलकाता मुक्त

विश्वविद्यालय परिसर में कुलपति प्रो इन्द्रजीत लाहिरी ने स्वागत किया। विचार विमर्श के दौरान दोनों कुलपतियों के बीच शैक्षणिक गतिविधियों के सम्बंध में एम ओ यू करने पर परस्पर सहमति बनी। दोनों विश्वविद्यालयों के बीच फैकल्टी एक्सचेंज एवं एस एल एम आदान-प्रदान करने पर सहमति बनी। उपरोक्त सभी कार्यों के सम्बंध में औपचारिकताएं बाद में पूर्ण की जाएगी। इस अवसर पर कुलपति प्रो सत्यकाम ने सूचना प्रौद्योगिकी के नए स्वरूप को देखते हुए कोलकाता मुक्त विश्वविद्यालय की आईटी टीम से भी अत्याधुनिक तकनीक के बारे में विचार विमर्श किया। कुलपति प्रो सत्यकाम ने इस अवसर पर सभी को रंग पर्व होली की शुभकामनाएं प्रेषित की।

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र | RNI No.-UPHIN/2020/82181 | www.harbaatnews.com

हरबात

प्रयागराज, फतेहपुर एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष : 05 | अंक : 100 | प्रयागराज, शुक्रवार, 14 मार्च, 2025, | पृष्ठ : 4 | मूल्य : 1 रुपया

नेताजी सुभाष और राजर्षि टंडन में होगा एमओयू

दोनों मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपतियों की मुलाकात में हुआ निर्णय

मुक्त शिक्षा के नए अवसर से शोध छात्र होंगे लाभान्वित- प्रो0 सत्यकाम

हरबात संवाददाता

प्रयागराज। नेताजी सुभाष चंद्र बोस मुक्त विश्वविद्यालय, कोलकाता और उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। इस समझौते के माध्यम से, दोनों विश्वविद्यालय एक दूसरे के साथ मिलकर शैक्षिक और अनुसंधान संबंधी गतिविधियों में सहयोग करेंगे और छात्रों और शिक्षकों के आदान-प्रदान को बढ़ावा देंगे। इससे मुक्त शिक्षा के क्षेत्र में नए अवसर पैदा होंगे और शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार होगा।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने यह जानकारी दी।इससे पूर्व गुरुवार को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम का कोलकाता मुक्त विश्वविद्यालय परिसर में कुलपति प्रोफेसर इन्द्रजीत लाहिरी ने स्वागत एवं अभिनंदन किया। विचार विमर्श के दौरान दोनों विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के बीच शैक्षणिक गतिविधियों के संबंध में एम ओ यू करने पर परस्पर सहमति बनी।दोनों विश्वविद्यालयों के बीच फैकल्टी एक्सचेंज एवं एस एल एम आदान-प्रदान करने पर सहमति बनी। उपरोक्त सभी कार्यों के संबंध में औपचारिकताएं बाद में पूर्ण की जाएगी। इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने सूचना प्रौद्योगिकी के नए स्वरूप को देखते हुए कोलकाता मुक्त विश्वविद्यालय की आईटी टीम से भी अत्याधुनिक तकनीक के बारे में विचार विमर्श किया। कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने इस अवसर पर सभी को रंगपर्व होली की शुभकामनाएं प्रेषित की।

---

www.sahajsatta.in | facebook.com/sahajsatta.allahabad | twitter.com/sahajsattaalla1

सहजसत्ता

नेताजी सुभाष बोस और राजर्षि टंडन मुक्त विवि में होगा एमओयू

दोनों मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपतियों की मुलाकात में हुआ निर्णय

प्रयागराज, 13 मार्च (हि.स.)। नेताजी सुभाष चंद्र बोस मुक्त विश्वविद्यालय कोलकाता और उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए जाएंगे।

इस समझौते के माध्यम से दोनों विश्वविद्यालय एक दूसरे के साथ मिलकर शैक्षिक और अनुसंधान सम्बंधी गतिविधियों में सहयोग करेंगे और छात्रों और शिक्षकों के आदान-प्रदान को बढ़ावा देंगे। इससे मुक्त शिक्षा के क्षेत्र में नए अवसर पैदा होंगे और शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार होगा। उत्तर प्रदेश

आज

प्रयागराज, शुक्रवार १४ मार्च, २०२५

मुक्त शिक्षाके नये अवसरसे शोध छात्र होंगे लाभान्वित- प्रोफेसर सत्यकाम

नेताजी सुभाष और राजर्षि टंडन विश्वविद्यालयमें होगा एमओयू

नेताजी सुभाष चंद्र बोस मुक्त विश्वविद्यालय, कोलकाता और उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। इस समझौते के माध्यम से दोनों विश्वविद्यालय एक दूसरे के साथ मिलकर शैक्षिक और अनुसंधान संबंधी गतिविधियों में सहयोग करेंगे और छात्रों और शिक्षकों के आदान-प्रदान को बढ़ावा देंगे। इससे मुक्त शिक्षा के क्षेत्र में नए अवसर पैदा होंगे और शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार होगा। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने यह

जनसंदेश टाइम्स

नेताजी सुभाष और राजर्षि टंडन में होगा एमओयू

जनसंदेश न्यूज, प्रयागराज। नेताजी सुभाष चंद्र बोस मुक्त विश्वविद्यालय, कोलकाता और उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। इस समझौते के माध्यम से, दोनों विश्वविद्यालय एक दूसरे के साथ मिलकर शैक्षिक और अनुसंधान संबंधी गतिविधियों में सहयोग करेंगे और छात्रों और शिक्षकों के आदान-प्रदान को बढ़ावा देंगे। इससे

हिन्दुस्तान

www.livehindustan.com

‘नेताजी’ और ‘राजर्षि’ में होगा एमओयू

सहमति

प्रयागराज, कार्यालय संवाददाता। नेताजी सुभाष चंद्र बोस मुक्त विश्वविद्यालय कोलकाता और उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। इस समझौते के माध्यम से दोनों विश्वविद्यालय साथ मिलकर शैक्षिक और अनुसंधान संबंधी गतिविधियों में सहयोग करेंगे और छात्रों और शिक्षकों के आदान-प्रदान को बढ़ावा देंगे।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सत्यकाम ने यह जानकारी दी। कुलपति प्रो. सत्यकाम का कोलकाता मुक्त विश्वविद्यालय परिसर में कुलपति प्रो. इन्द्रजीत लाहिरी ने स्वागत किया। विचार विमर्श के दौरान दोनों विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के बीच शैक्षणिक गतिविधियों के संबंध में एमओयू करने पर परस्पर सहमति बनी। दोनों विश्वविद्यालयों के बीच फैकल्टी एक्सचेंज एवं एसएलएम आदान-प्रदान करने पर सहमति बनी। इस अवसर पर कुलपति प्रो. सत्यकाम ने सूचना प्रौद्योगिकी के नए स्वरूप को देखते हुए कोलकाता मुक्त विश्वविद्यालय की आईटी टीम से भी अत्याधुनिक तकनीक के बारे में विचार विमर्श किया।

नेताजी सुभाष मुविवि के कुलपति ने राजर्षि टंडन मुविवि के कुलपति प्रो. सत्यकाम का स्वागत किया।

VOL. 17
NO. 70
MORNING EDITION
PRAYAGRAJ

JUSTICE EXPRESS

THURSDAY, 13 MARCH 2025, PAGE 1-8 www.justiceexpress2009@gmail.com RNI: UPENG/2009/28741
* City/Dak Edition Price Rs. 1.00
* Out of City Edition Price Rs. 1.00

NATION/CITY MISCELLANY SPORTS

GREETINGS
Justice Express wishes its readers, patrons and advertisers a very happy Holi.

HOLIDAY NOTICE
The offices of Justice Express will remain closed on March 14, 2025 on account of Holi. There will, therefore, be no edition of this newspaper on March 15, 2025.

MoU will be signed between Netaji Subhash and Rajarshi Tandon

The decision was taken in the meeting of the Vice Chancellors of both the Open Universities

Research students will benefit from the new opportunity of open education - Professor Satyakam

JE CORRESPONDENT

Prayagraj: A Memorandum of Understanding (MoU) will be signed between Netaji Subhash Chandra Bose Open University, Kolkata and Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj.

Through this agreement, both the universities will cooperate with each other in educational and research related activities and promote the exchange of students and teachers. This will create new opportunities in the field of open education and improve the quality of education.

This information was given by Professor Satyakam, Vice Chancellor of Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University.

Earlier on Thursday, Professor Satyakam, Vice Chancellor of Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University was welcomed and greeted by Vice Chancellor Professor Indrajit Lahiri at the Kolkata Open University campus. During the discussions, the Vice Chancellors of both the universities agreed to sign an MoU regarding academic activities. Both the universities agreed to do faculty exchange and SLM exchange. Formalities regarding all the above works will be completed later. On this occasion, Vice Chancellor Professor Satyakam discussed about the latest technology with the IT team of Kolkata Open University in view of the new form of information technology. Vice Chancellor Professor Satyakam extended his best wishes to everyone on the occasion of Holi.

समय से पहले 'समय' पर नजर
न्यायाधीश
नगर-संस्करण
डाक रजिस्ट्रेशन नं.- ए.डी.34/2024-26
वर्ष 43 अंक 80 प्रयागराज शुक्रवार 14 मार्च, 2025 पृष्ठ 12 मूल्य ₹3.00

HOME LOAN, PERSONAL LOAN & PLOT LOAN
कुलदीप श्रीवास्तव
मो0-9935140784,9369884389

नेताजी सुभाष और राजर्षि टंडन में होगा एम ओ यू

दोनों मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपतियों की मुलाकात में हुआ निर्णय,मुक्त शिक्षा के नए अवसर से शोध छात्र होंगे लाभान्वित- प्रोफेसर सत्यकाम

देंगे। इससे मुक्त शिक्षा के क्षेत्र में नए अवसर पैदा होंगे और शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार होगा।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने यह जानकारी दी।इससे पूर्व गुरुवार को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति ... पर कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने सूचना प्रौद्योगिकी के नए स्वरूप को देखते हुए कोलकाता मुक्त विश्वविद्यालय की आईटी टीम से भी अत्याधुनिक तकनीक के बारे में विचार विमर्श किया। कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने इस अवसर पर सभी को रंगपर्व होली की शुभकामनाएं प्रेषित की।

दैनिक जागरण

नेताजी सुभाष व राजर्षि टंडन मिलकर करेंगे शोध-अनुसंधान

जासं, प्रयागराज : नेताजी सुभाष चंद्र बोस मुक्त विश्वविद्यालय कोलकाता और उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। इस समझौते के माध्यम से दोनों विश्वविद्यालय एक-दूसरे के साथ मिलकर शैक्षिक और अनुसंधान संबंधी गतिविधियों में सहयोग करेंगे और छात्रों और शिक्षकों के आदान-प्रदान को

कोलकाता मुवि में आयोजित कार्यक्रम में

पायनियर

लखनऊ, बृहस्पतिवार, 13 मार्च 2025

मुक्त विश्वविद्यालय में बीएड एवं स्पेशल बीएड में प्रवेश के लिए होली के बाद करें आवेदन

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के प्रवेश सत्र 2025 26 के लिए बी एड एवं बी एड विशिष्ट शिक्षा में प्रवेश प्रक्रिया होली के बाद प्रारंभ की जाएगी। प्रवेश परीक्षा कार्यक्रम की प्रस्तावित तिथियों की घोषणा आज कुलपति प्रो सत्यकाम ने की। बी एड एवं बी एड विशिष्ट शिक्षा प्रवेश आयोजन एवं संचालन समिति के समन्वयक प्रो पी के स्टालिन ने यह जानकारी देते हुए बताया कि ऑनलाइन पंजीकरण आवेदन एवं शुल्क भुगतान होली पर्व के बाद 18 मार्च 2025 से प्रारंभ किया जाएगा। ऑनलाइन पंजीकरण आवेदन एवं शुल्क भुगतान की अंतिम तिथि 20 अप्रैल 2025 निर्धारित की गई है। दोनों कार्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया से संबंधित सभी जानकारियां विश्वविद्यालय वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है। यह जानकारी डॉ प्रभात चन्द्र मिश्र जनसंपर्क अधिकारी ने दी।

जनता यूनियन

www.epaperjantaunion.com
12 Mar 2025 - Page 3

मुक्त विश्वविद्यालय में प्रवेश की तिथि 20 मार्च तक

झांसी जयूसं। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय केकुलपति प्रोफेसर सत्यकाम के निर्देशानुसार प्रवेश प्रभारी प्रो. जे.पी. यादव के द्वारा जारी पत्र के अनुसार विश्वविद्यालय ने स्नातक, परास्नातक, डिप्लोमा, सर्टिफिकेट एवं जागरूकता कार्यक्रम में सत्र जनवरी 2025 में प्रवेश की तिथि को 20 मार्च 2025 तक विस्तारित कर दिया गया है। क्षेत्रीय समन्वयक डॉ. पुष्पेन्द्र कुमार वर्मा ने बताया कि क्षेत्रीय कार्यालय झांसी के अंतर्गत आने वाले सभी अध्ययन केंद्रों को प्रवेश की तिथि विस्तारित करने की सूचना उपलब्ध करवा दी गई है। इसके साथ ही विश्वविद्यालय ने योग के क्षेत्र में करियर बनाने वाले शिक्षार्थियों के लिए विश्वविद्यालय इस सत्र से एम.ए. योग कार्यक्रम की डिग्री में प्रवेश लेने के लिए नई शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप 17 मार्च 2025 तक ऑनलाइन आवेदन के लिए सभी शिक्षार्थियों को मौका दे रहा है। विश्वविद्यालय द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार एम. ए. योग में प्रवेश की प्रक्रिया प्रवेश परीक्षा में प्राप्त 40 प्रतिशत अंकों के आधार पर 31 मार्च 2025 तक पूरी कर ली जायेगी। क्षेत्रीय समन्वयक ने स्नातक एवं परास्नातक के द्वितीय और तृतीय वर्ष में प्रवेश न लेने वाले सभी शिक्षार्थियों से अप ील की है कि 20 मार्च तक सभी शिक्षार्थी जिन्होंने अभी तक प्रवेश नहीं लिया है वे विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जाकर तत्काल अपना प्रवेश करना सुनिश्चित करें।

योग से करना है MA, उत्तर प्रदेश की इस ओपन यूनिवर्सिटी में लें एडमिशन, 20 मार्च को है प्रवेश परीक्षा

अगर आप योग से एमए करना चाहते हैं तो यह मौका उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय दे रहा है, इसके लिए आपको

www.tv9hindi.com

https://www.tv9hindi.com/education/admission-in-ma-yoga-in-uttar-pradesh-rajarshi-tandon-open-university-entrance-exam-on-20-march-3174985.html

जनता यूनियन

www.epaperjantaunion.com
08 Mar 2025 - Page 3

परास्नातक के छात्र-छात्राओं को वितरित किए टैबलेट

झांसी जयूसं। उप्र राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के क्षेत्रीय केन्द्र परआज क्षेत्रीय समन्वयक डॉ. पुष्पेन्द्र कुमार नेस्वामी विवेकानन्द युवा सशक्तिकरण योजना के अंतर्गत परास्नातक के 29 छात्र-छात्राओं को टैबलेट वितरण किए ।

डॉ वर्मा ने बताया कि छात्र छात्रायें टैबलेट के माध्यम से ऑनलाइन विभिन्न क्षेंत्रों में ज्ञानवर्धक जानकारियाँ हासिल कर सकते हैं। ऑनलाइन शिक्षकों के लेक्चर सुन सकते हैं तथा विभिन्न क्षेत्रों में निकलने वाली सरकारी एवं प्राइवेट नौकरी में आवेदन भी टैबलेट के माध्यम से किया जा सकता हैं। उत्तर प्रदेश सरकार के द्वारा दिये जाने वाले टैबलेट छात्र-छात्राओं के लिए बहुत उपयोगी हैं आज डिजीटल युग का जमाना है। आज बैंक भी मोबाइल में मौजूद है। जिससे उनका समय भी बचत होगा। और उच्च शिक्षा में अध्ययनरत एवं उत्तीर्ण छात्र छात्राओं को टैबलेट का वितरण

किया जा रहा है। शहरी क्षेत्रों के अलावा ग्रामीण क्षेंत्रों के छात्र-छात्राओं को इसका लाभ उठाकर अपनी शिक्षा को बढ़ावा देना चाहिए। विद्यार्थियों को शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य प्रदेश सरकार द्वारा छात्रहित में टैबलेट का वितरण कर उन्हें उच्च शिक्षा हेतु अग्रसर किया जा रहा है। इस मौके पर छात्र-छात्रायें और कर्मचारी शिव कुमार कुशवाहा व अतुल दुबे उपस्थित रहे।

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में एम ए योग में प्रवेश

प्रयागराज (अमर भारती)। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में एम ए योग कार्यक्रम में प्रवेश के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सत्यकाम ने बताया कि यह प्रवेश नई शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप किया जाएगा। प्रवेश परीक्षा 20 मार्च 2025 को होगी, जिसमें 25 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 17 मार्च 2025 निर्धारित की गई है। अभ्यर्थी 18 मार्च से प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकेंगे। परीक्षा के आधार पर 31 मार्च तक प्रवेश प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। अधिक जानकारी के लिए विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर एम ए योग कार्यक्रम से संबंधित लिंक उपलब्ध कराया गया है।

20 मार्च को होगी प्रवेश परीक्षा, 17 मार्च तक आवेदन करें

लखनऊ**volunteers** द्वाराकियागयानामांकनअभिप्रेरणकार्यक्रम

मुक्त चिन्तन 18 मार्च, 2025

मुक्तविश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्र द्वारानामांकनअभिप्रेरणकार्यक्रम का आयोजन

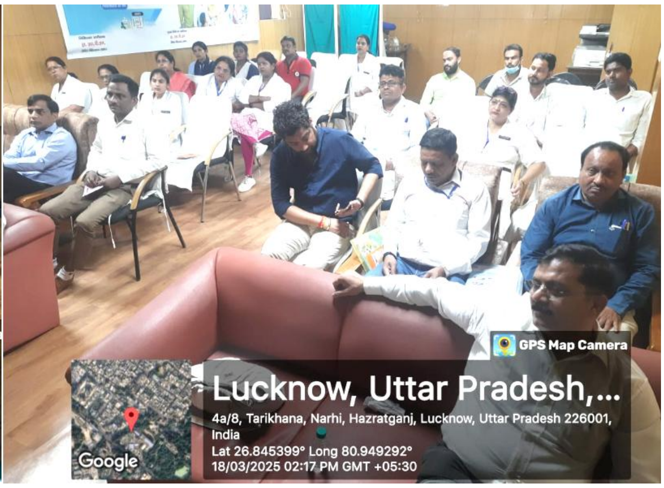

लखनऊ क्षेत्रीय केंद्र द्वाराआजदिनांक 18 मार्च 2025 कोश्री श्यामाप्रसादमुखर्जीहॉस्पिटल (सिविल),पार्करोड, लखनऊ के प्रथमतलमेंस्थितसभागारमेंमंचासीन डॉ राजेशश्रीवास्तव,मुख्य चिकित्साअधीक्षक, डॉ शशिकांतवर्माइमरजेंसीमेडिकलऑफिसर, श्रीशिवजीकुशवाहाप्रभारीअधिकारीफार्मेसी, सुनीलकुमार यादवचीफफार्मेसिस्ट की उपस्थितिमेंनामांकनअभिप्रेरण के माध्यम से मुक्तविश्वविद्यालय की मुख्य विशेषताओं, विभिन्नपाठ्यकर्मों,स्टडीमैटेरियलएवंप्रवेश के संबंधमेंचर्चा की गई।सभागारमेंडॉक्टर्स, नर्स, लेबटेकनेशियन, फार्मासिस्ट एवंअन्य कर्मचारीउपस्थितथे।दोकोर्स एक साथकरने की सुविधाहै यह प्रश्नपूछागया।हॉस्पिटलमैनेजमेंट के कोर्स से संबंधितप्रश्नभी रखा गया।

Voice Of Allahabad NEWS
हिन्दी दैनिक
R.N.I No. UPHIN/2014/59094
प्रयागराज
वर्ष : 11
अंक : 92
बुधवार 19 मार्च 2025
वॉइस ऑफ इलाहाबाद
खबर वही जो सच हो...
www.voiceofallahabad.com

मुक्त विश्वविद्यालय में होगा भाषा विशेषज्ञों का जमावड़ा

वॉइस ऑफ इलाहाबाद

प्रयागराज (हि.स.)। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय आगामी 20 एवं 21 मार्च को साहित्य अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में हिन्दी के विकास में भोजपुरी, अवधी, ब्रज एवं बुंदेलखंडी भाषा के योगदान पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन कर रहा है। जिसमें देश के विभिन्न भाषा विशेषज्ञ विचार मंथन करेंगे और स्थानीय भाषा एवं बोलियों के विकास को आगे बढ़ाने में साहित्य अकादमी के साथ मिलकर मुक्त विवि एक नया मानक स्थापित करेगा।

उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विवि के कुलपति आचार्य सत्यकाम ने बताया कि अवधी भाषा हिन्दी के विकास में एक महत्वपूर्ण स्तम्भ रही है, इसका योगदान अतुलनीय है। इसी प्रकार भोजपुरी की हिन्दी भाषा को अन्तरराष्ट्रीय लोकप्रियता प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका है। विश्व के अनेक देशों फिजी, सूरीनाम, मॉरीशस, गुयाना आदि देशों में भोजपुरी अपना रंग बिखेर रही है। ब्रजभाषा हिन्दी साहित्य की एक प्रमुख भाषा रही है। भाषाई योगदान के अंतर्गत ब्रजभाषा ने हिन्दी को मधुरता और लालित्य प्रदान किया है। बुंदेलखंडी भाषा का भी हिन्दी के विकास में अप्रतिम योगदान है।

प्रयागराज, बुधवार 19 मार्च, 2025
जनसंदेश टाइम्स
परख सच की
प्रयागराज, वाराणसी, लखनऊ, कानपुर एवं गोरखपुर से प्रकाशित

दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार 20 से

जनसंदेश न्यूज

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय 20 एवं 21 मार्च को साहित्य अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में हिंदी के विकास में भोजपुरी, अवधी, ब्रज एवं बुंदेलखंडी भाषा के योगदान पर दो दिवसीय

आयोजन

मुक्त विश्वविद्यालय में होगा भाषा विशेषज्ञों का जमावड़ा

राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन कर रहा है। जिसमें देश के विभिन्न भाषा विशेषज्ञ विचार - मंथन करेंगे और स्थानीय भाषा एवं बोलियों के विकास को आगे बढ़ाने में साहित्य अकादमी के साथ मिलकर मुक्त विश्वविद्यालय एक नया मानक स्थापित करेगा।

हिंदी के जाने-माने विद्वान एवं उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य सत्यकाम ने बताया कि अवधी भाषा हिंदी के विकास में एक महत्वपूर्ण स्तंभ रही है। इसका योगदान अतुलनीय है। इसी प्रकार भोजपुरी की हिंदी भाषा को अन्तर्राष्ट्रीय लोकप्रियता प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका है। विश्व के अनेक देशों फिजी, सूरीनाम, मॉरीशस, गुयाना आदि देशों में भोजपुरी अपना रंग बिखेर रही है। ब्रजभाषा हिंदी साहित्य की एक प्रमुख भाषा रही है।

भाषाई योगदान के अंतर्गत ब्रजभाषा ने हिंदी को मधुरता और लालित्य प्रदान किया है। बुंदेलखंडी भाषा का भी हिंदी के विकास में अप्रतिम योगदान है। बुंदेलखंडी में रचित लोकगीत और लोक कथाएं हिंदी साहित्य की महत्वपूर्ण निधि हैं। आचार्य सत्यकाम ने कहा कि इन सह भाषाओं द्वारा हिंदी भाषा को विविधता प्राप्त हुई है। अतः इन सह भाषाओं का सम्मान करते हुए उनके संरक्षण और विकास के लिए प्रयास करने की आवश्यकता है। विश्वविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी डॉ प्रभात चन्द्र मिश्र ने बताया कि दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन 20 मार्च को पूर्वाह्न 10रू30 बजे मुख्य अतिथि जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली के कुलपति प्रोफेसर मजहर आसिफ करेंगे। विषय प्रवर्तन प्रोफेसर बद्री नारायण, सदस्य, सामान्य परिषद, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली तथा स्वागत भाषण के. श्रीनिवास राव, सचिव, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली का होगा।

अध्यक्षता उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य सत्यकाम करेंगे। इसके साथ ही प्रथम दिवस के प्रथम सत्र में अपराह्न 2 बजे से भोजपुरी का योगदान विषय पर विषय विशेषज्ञ प्रोफेसर चंदन कुमार, प्रोफेसर प्रभाकर सिंह, अजीत सिंह तथा डॉ सत्य प्रकाश पाल विशिष्ट व्याख्यान देंगे। दूसरा सत्र अवधी के योगदान पर आधारित होगा।

द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन सत्र 21 मार्च को अपराह्न 3 बजे से आयोजित किया जाएगा। समापन सत्र के मुख्य अतिथि राजेश लाल मेहरा, अध्यक्ष, मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग, इंदौर होंगे तथा अध्यक्षता कुलपति आचार्य सत्यकाम करेंगे। कार्यक्रम समन्वयक प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी एवं प्रोफेसर एस कुमार ने बताया कि सरस्वती परिसर स्थित अटल प्रेक्षागृह में आयोजन की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

संस्करण : प्रयागराज
वर्ष : 13
अंक : 19
पृष्ठ : 6
मूल्य : 2.0
बुधवार 19 मार्च 2025
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
www.pratahkalexpress.in
प्रातःकाल एक्सप्रेस
सच से रूबरू
प्रयागराज से प्रकाशित एवं कौशाम्बी, प्रतापगढ़, अयोध्या, लखनऊ, वाराणसी, मिर्जापुर, सोनभद्र, झांसी, बिजनौर में प्रसारित

हिंदी के विकास में भोजपुरी, अवधी, ब्रज एवं बुंदेलखंडी के योगदान पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार 20 से

मुक्त विश्वविद्यालय में होगा भाषा विशेषज्ञों का जमावड़ा

प्रातःकाल एक्सप्रेस

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय आगामी 20 एवं 21 मार्च 2025 को साहित्य अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में हिंदी के विकास में भोजपुरी, अवधी, ब्रज एवं बुंदेलखंडी भाषा के योगदान पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन कर रहा है। जिसमें देश के विभिन्न भाषा विशेषज्ञ विचार – मंथन करेंगे और स्थानीय भाषा एवं बोलियों के विकास को आगे बढ़ाने में साहित्य अकादमी के साथ मिलकर मुक्त विश्वविद्यालय एक नया मानक स्थापित करेगा।

बिखेर रही है । ब्रजभाषा हिंदी साहित्य की एक प्रमुख भाषा रही है। भाषाई योगदान के अंतर्गत ब्रजभाषा ने हिंदी को मधुरता और लालित्य प्रदान किया है। बुंदेलखंडी भाषा का भी हिंदी के विकास में अप्रतिम योगदान

उद्घाटन 20 मार्च को पूर्वाह्न 10रू30 बजे मुख्य अतिथि जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली के कुलपति प्रोफेसर मजहर आसिफ करेंगे। विषय प्रवर्तन प्रोफेसर बद्री नारायण, सदस्य, सामान्य परिषद, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली तथा स्वागत भाषण के. श्रीनिवास राव, सचिव, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली का होगा। अध्यक्षता उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य सत्यकाम करेंगे। इसके साथ ही प्रथम दिवस के प्रथम सत्र में अपराह्न 2 बजे से भोजपुरी

पूर्वाह्न 10:30 बजे से आयोजित होगा। जिसमें ब्रजभाषा का योगदान पर विस्तृत विचार विमर्श होगा। जिसमें विशिष्ट वक्ता प्रोफेसर रामपाल गंगवार, प्रोफेसर हरि दत्त शर्मा तथा राजनाथ सिंह व्याख्यान देंगे। चतुर्थ सत्र द्वितीय दिवस को दोपहर 12:30 बजे से आयोजित होगा। जिसमें बुंदेलखंडी का योगदान पर विषय विशेषज्ञ प्रोफेसर मुन्ना तिवारी, प्रोफेसर पुनीत बिसारिया, तथा डॉ बहादुर सिंह परमार का व्याख्यान होगा। द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन सत्र 21

प्रयाग प्रभात

हिंदी के विकास में भोजपुरी, अवधी ,ब्रज एवं बुंदेलखंडी के योगदान पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार 20 से

प्रयागराज।। प्रयाग प्रभात न्यूज

प्रयागराज 18 मार्च उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय आगामी 20 एवं 21 मार्च 2025 को साहित्य अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में हिंदी के विकास मे भोजपुरी,अवधी,ब्रज एवं बुंदेल खंडी भाषा के योगदान पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन कर रहा है। जिसमें देश के विभिन्न भाषा विशेषज्ञ विचार – मंथन करेंगे और स्थानीय भाषा एवं बोलियों के विकास को आगे बढ़ाने मे साहित्य अकादमी के साथ मिलकर मुक्त विश्वविद्यालय एक नया मानक स्थापित करेगा। हिंदी के जाने–माने विद्वान एवं उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य सत्यकाम ने बताया कि अवधी भाषा हिंदी के विकास मे एक महत्वपूर्ण स्तंभ रही है। इसका योगदान अतुलनीय है। इसी प्रकार भोजपुरी की हिंदी भाषा को अन्तर्राष्ट्रीय लोक प्रियता प्रदान करने मे महत्वपूर्ण भूमिका है। विश्व के अनेक देशों फिजी, सूरीनाम, मॉरीशस,गुयाना आदि देशों मे भोजपुरी अपना रंग बिखेर रही है । ब्रजभाषा हिंदी साहित्य की एक प्रमुख भाषा रही है। भाषाई योगदान के अंतर्गत ब्रजभाषा ने हिंदी को मधुरता और लालित्य प्रदान किया है। बुंदेलखंडी भाषा का भी हिंदी के विकास मे अप्रतिम योगदान है। बुंदेलखंडी मे रचित लोकगीत और लोक कथाएं हिंदी साहित्य की महत्वपूर्ण निधि है। आचार्य सत्यकाम ने कहा कि इन सह भाषाओं द्वारा हिंदी भाषा को विविधता प्राप्त हुई है। अतः इन सह भाषाओं का सम्मान करते हुए उनके संरक्षण और विकास के लिए प्रयास करने की आवश्यकता है। विश्वविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी डॉ प्रभात चन्द्र मिश्र ने बताया कि दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन 20 मार्च को पूर्वाह्न 10रू30 बजे मुख्य अतिथि जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली के कुलपति प्रोफेसर मजहर आसिफ करेंगे। विषय प्रवर्तन प्रोफेसर बद्री नारायण, सदस्य,सामान्य परिषद,साहित्य अकादमी,नई दिल्ली तथा स्वागत भाषण के. श्रीनिवास राव, सचिव, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली का होगा। अध्यक्षता उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्व विद्यालय के कुलपति आचार्य सत्यकाम करेंगे। इसके साथ ही प्रथम दिवस के प्रथम सत्र मे अपराह्न 2रू00 बजे से भोजपुरी का योगदान विषय पर विषय विशेषज्ञ प्रोफेसर चंदन कुमार, प्रोफेसर

दीपप्रज्वलितकरकार्यक्रम का शुभारम्भकरतेहुए माननीय अतिथिगण

हिंदी के विकासमेंभोजपुरी, अवधी, ब्रज एवंबुंदेलखंडी के योगदानपरराष्ट्रीय संगोष्ठी

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय मेंगुरुवारदिनांक 20 मार्च, 2025 कोसाहित्य अकादमी के संयुक्ततत्वावधानमेंहिंदी के विकासमेंभोजपुरी, अवधी, ब्रज एवंबुंदेलखंडीभाषा के योगदानपरदोदिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजनकियागया।राष्ट्रीय संगोष्ठी के मुख्य अतिथिसंस्कृत के प्रकांडविद्वानप्रोफेसरहरिदत्त शर्माजीरहे।विशिष्टअतिथिसरस्वती पत्रिका के संपादकरविनंदन सिंह जीरहे।विषय प्रवर्तनकरतेहुए काशीहिंदूविश्वविद्यालय के प्रोफेसरप्रभाकर सिंह जी ने की तथा अध्यक्षताविश्वविद्यालय के माननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजी ने की।

अतिथियों का स्वागतसाहित्य अकादमी के श्रीअजय शर्मा ने किया।संचालन डॉ त्रिविक्रमतिवारी एवंधन्यवादज्ञापनप्रोफेसर एस कुमार ने किया।

राष्ट्रीय संगोष्ठी के पहलेदिनभोजपुरी का विकास एवंअवधी का विकासपरदोतकनीकी सत्र आयोजितकिए गए।जिसमेंप्रमुख रूप से डॉ सत्य प्रकाशपाल, डॉ प्रदीपकुमार, प्रोफेसरअजीतकुमार सिंह, डॉ सत्य प्रकाश त्रिपाठी, श्रीरविनंदन सिंह, अजीत सिंह आदि ने व्याख्यानदिया।

इस अवसरपरश्रेयश शुक्ला एवंशाम्भवी शुक्ला एवंउनकीटीम ने भोजपुरी, अवधी, ब्रज एवंबुंदेलीमेंलोकगीतप्रस्तुतकिया।

राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन शुक्रवारकोहोगा।समापन सत्र के पूर्वब्रजभाषा का विकास एवंबुंदेलखंडी का विकासपरविशेष सत्र आयोजितकिए जाएंगे।

मुक्त चिन्तन

विश्वविद्यालय कुलगीत की प्रस्तुती

श्रेयश शुक्ला एवंशाम्भवी शुक्ला एवंउनकीटीम ने भोजपुरी, अवधी, ब्रज एवंबुंदेलीमेंलोकगीतप्रस्तुतकरती हुई

मुक्त चिन्तन

मुक्त चिन्तन

कार्यक्रम का संचालनकरतेहुए डॉ0 त्रिविक्रमतिवारी

मुक्त चिन्तन

भाषाकोसहेजनेऔरसंभालने की अतिआवश्यकताहै : अजय शर्मा

साहित्य अकादमीनईदिल्ली के संपादकश्रीअजय शर्मामेंस्वागतभाषणदेतेहुए कहाकिभाषाकोसहेजनेऔरसंभालने की अतिआवश्यकताहैसंवैधानिक रूप से मान्य एवंअन्य भाषाओंकोभीसंभालकर रखनापड़ेगा।भाषासंस्कृति एवंसभ्यताहोतीहै।उन्होंनेकहाकि 780

मुक्त चिन्तन

माननीय अतिथियोंकोपुष्पगुच्छभेंटकरउनकास्वागतकरतेहुए माननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजी एवंमाननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजीकोपुष्पगुच्छभेंटकरउनकास्वागतकरतेहुए

माननीय कुलपतिजी की धर्मपत्नी श्रीमती सीमा, वित्तअधिकारी श्रीमती पूनममिश्राकोपुष्पगुच्छभेंटकरउनकास्वागतकरतीहुई डॉ0 साधनाश्रीवास्तव एवंकुलसचिवकर्नलविनय कुमारकोपुष्पगुच्छभेंटकरउनकास्वागतकरतेहुए प्रो0 सत्यपालतिवारी

मुक्त चिन्तन

भाषाको समझने के लिए लोकको समझनाहोगा : प्रभाकर सिंह

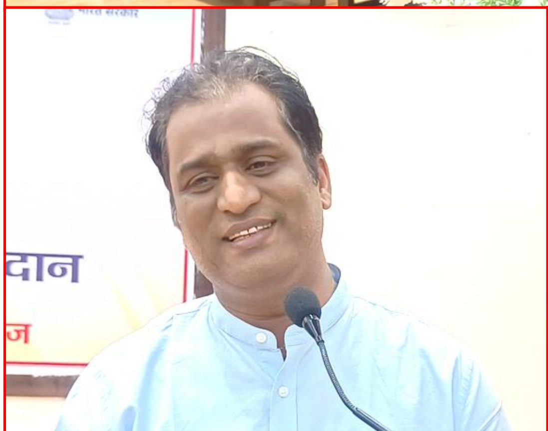

विषय प्रवर्तनकरतेहुए काशीहिंदूविश्वविद्यालय के प्रोफेसरप्रभाकर सिंह ने कहाकिकिसीभीभाषा के विकासमेंबालियों का योगदानअहमहै।भाषाको समझने के लिए लोकको समझनाहोगाऔरसंगीत

मुक्त चिन्तन

बोली के विकास के बिनाभाषा का विकासनहींहोसकता : रविनंदन

विशिष्टअतिथिसरस्वती पत्रिका के संपादकरविनंदन सिंह ने कहाकिबोली के विकास के बिनाभाषा का विकासनहींहोसकता ।अवधी, भोजपुरी, ब्रजभाषा एवंबुंदेलीहिंदी से अलगनहींहैं ।वहभीहिंदी का एक

मुक्त चिन्तन

संस्कृत सभीभाषाओं की जननीहै : प्रोफेसरहरिदत्त शर्मा

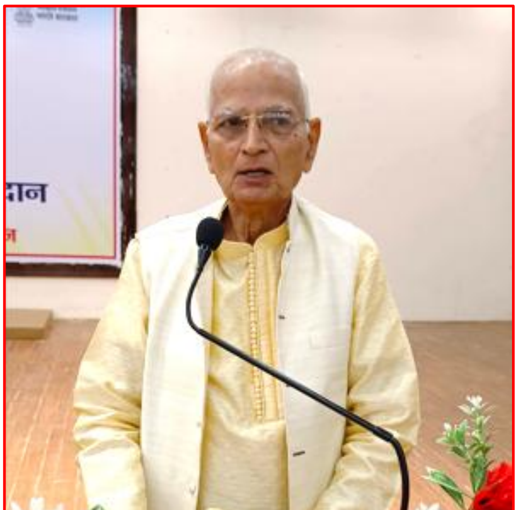

राष्ट्रीय संगोष्ठी के मुख्य अतिथिसंस्कृत के प्रकांडविद्वानप्रोफेसरहरिदत्त शर्मा ने कहाकिसंस्कृत सभीभाषाओं की जननीहैऔर यह सभीभाषाओंऔरबोलियोंको एक दूसरे से जोड़तीहै। क्षेत्रीय भाषाएंलोकजीवन से जुड़ीहोतीहैंऔर ऋतुओं के

मुक्त चिन्तन

विभिन्नसंस्कृतियों के बीचसेतुहैभाषा–प्रोफेसरसत्यकाम

दोदिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार की अध्यक्षताकरतेहुए उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय के कुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम ने कहाकिभाषाविभिन्नसंस्कृतियों के बीचऔरअपनीसंस्कृति के भीतरभीसेतु का कामकरतीहै।इन्हेंदीवारबनायेजाने का जोप्रयत्नकियाजाताहैवहकिसीभीभाषा व संस्कृति के लिए लाभदायकनहींहै।इसीअवधारणाकोस्थापितकरने के लिए हिंदी के विकासमेंभोजपुरी, अवधी, ब्रज एवंबुंदेलखंडीभाषा के योगदानपर यह राष्ट्रीय संगोष्ठीआयोजित की जारहीहै।विश्वविद्यालय के अटलप्रेक्षागृहमेंआयोजितसेमिनारमेंकुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम ने उत्तरप्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री की भूरिभूरिप्रशंसाकरतेहुए और कृतज्ञताज्ञापितकरतेहुए कहाकिइनभाषाओंकोविधानसभा की कार्यवाहीमें शामिलकियाजाना एक स्वागत योग एवंअग्रगामीकदमहै।इससे न केवलहिंदी का विकासहोगाबल्किउत्तरप्रदेश की सभीभाषाओं की जड़ेंमजबूतहोंगी।उन्होंनेभाषाओं के सरलीकरणपरजोरदिया।

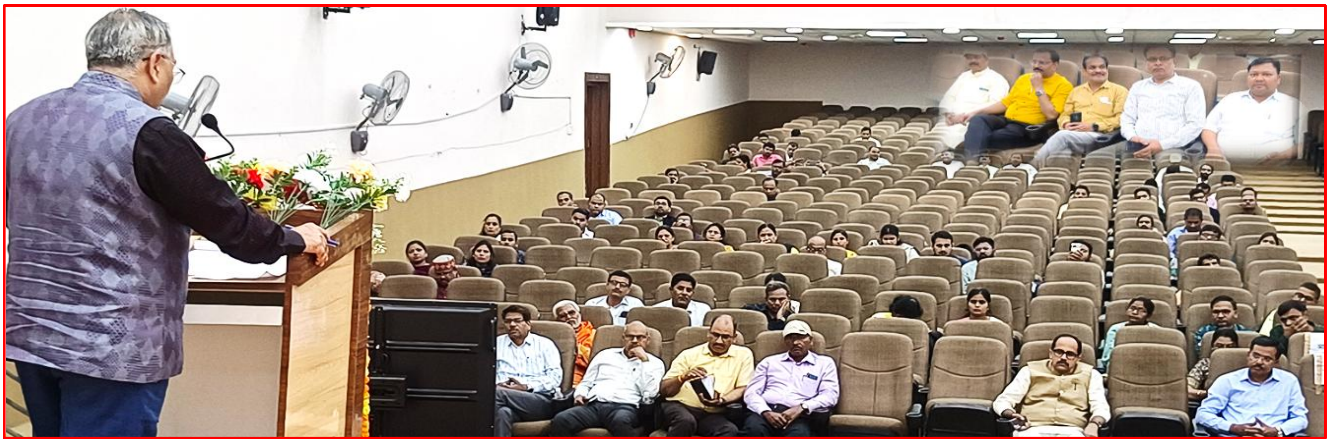

मुक्त चिन्तन

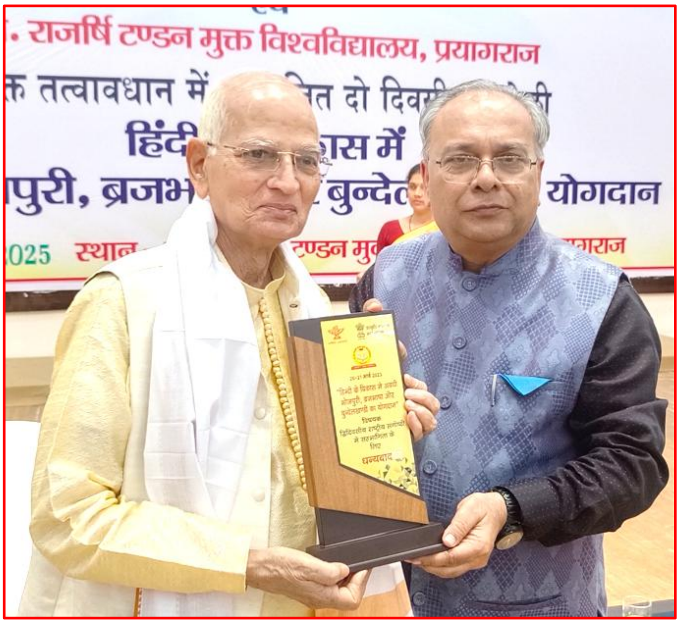
राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उ.प्र. राजर्षि टण्डन

एवं
प्रयागराज

प्रयागराज

माननीय अतिथियोंको अंग वस्त्र व स्मृतिचिन्हभेंटकरउनकासम्मानकरतेहुए माननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजी

एवं

माननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजीको अंग वस्त्र व स्मृतिचिन्हभेंटकरउनकासम्मानकरतेहुए प्रोफेसरसत्यपालतिवारी
तथा
प्रोफेसरसन्तोषाकुमार

मुक्त चिन्तन

धन्यवादज्ञापितकरतेहुए समाजविज्ञानविद्याशक, प्रोफेसरसन्तोषाकुमार

राष्ट्रगान

मुक्त चिन्तन

तकनीकी सत्र

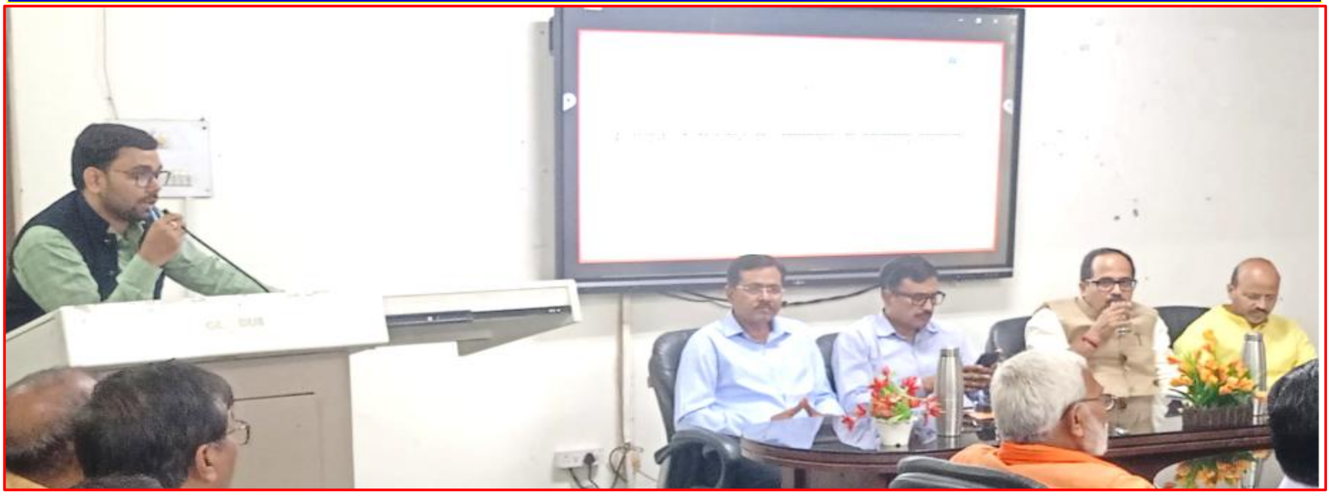

तकनीकी सत्र का संचालनकरतेहुए श्रीअनुपम

तकनीकी सत्र का वाचिकस्वागतकरतेहुए निदेशक, मानविकीविद्याशाखा, प्रोफेसरसत्यपालतिवारी

मुक्त चिन्तन

प्रोफेसरसत्यप्रकाशपाल ने हिन्दीकोभाषाओं का कुम्भकहाऔरहिन्दीकोबचाने के लिए हिन्दीसंरक्षणभीकरनापडताहैऔरकहाकिहिन्दीकोकिसीबोलीकोसमाप्त नही कियावल्किउनको बढ़ाने का कार्यकियाहै।

डॉ प्रदीपकुमार ने अपनेउद्बोधनमेंकहाकिराष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत क्षेत्रीय भाषाओंमेंशिक्षणकरायाजानाचाहिए।हिंदीभाषा न केवलभाषाहैबल्कि यह एक सामाजिकसंस्कृति का संगमहै।अवधी, भोजपुरी, बुंदेलखंडी एवंब्रजभाषा ने हिंदीभाषाकोमानक रूपदियाहै।

मुख्य वक्ता डॉ अजीत सिंह ने कहाकिहिंदी की मजबूतीमेंभोजपुरी की सशक्तभूमिकाहै। 20 करोड़ आबादीभोजपुरीवासियों की है।किंतुविडंबना यह हैकिहमअपनीमातृभाषाभोजपुरीपरगर्वनहींकरतेहैंजो की शोचनीय है।उन्होंनेअपनेमातृभाषापरगर्वकरनेऔरसकारात्मक रूप से पहलकरने की आवश्यकतापरजोरदिया।

तकनीकी सत्र के द्वितीय सत्र के विशिष्टवक्ता डॉ0 सत्य प्रकाश त्रिपाठी ने कहा की बोलियांहिंदी का परिवारहैजिससेवह एक दूसरेको समृद्ध करतेहैं एवं समृद्ध होतीहैं ।अवधीपूर्वीहिंदी की एक बोलीहै। संत गोरखनाथकोभोजपुरी व अवधिदोनों ने अपनाआदिकविमानतेहैं।

द्वितीय सत्र की अध्यक्षताकरतेहुए प्रोफेसररविनंदन सिंह ने कहाकिहिंदी ऐसीभाषाहैजोसभीभाषाओंकोअपनेमेंसम्मिलितकरलेतीहैइसलिए हिंदी के साथजुड़ीसभीबोलियोंहिंदीभाषाको बढ़ावादेतीहैं।

माननीय अतिथियों का सम्मान

कार्यक्रम की कुछअन्य झलकियां

मुक्त चिन्तन
News Letter
उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित
मुक्त चिन्तन 20 मार्च, 2025

मुक्तविश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्रोंपरप्रवेशपूर्वपरामर्शकार्यक्रम का आयोजन

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज के सभी क्षेत्रीय केन्द्रों के समन्यकों द्वारादिनांक 20 मार्च, 2025 को क्षेत्रीय केन्द्रोंपरMA Yoga प्रवेशपरीक्षा के उपरान्तPre Counselling for Admission सभीपरीक्षार्थियोंकोप्रवेश, असाइनमेंट, एग्जाम, स्टडीमैटेरियलआदि के संबंधमेंजानकारीप्रदानकरदीगई।

क्षेत्रीय केन्द्रआगरापरMA Yoga प्रवेशपरीक्षा देतेहुए परीक्षार्थी

क्षेत्रीय केन्द्रप्रयागराजपरMA Yoga प्रवेशपरीक्षा देतेहुए परीक्षार्थी

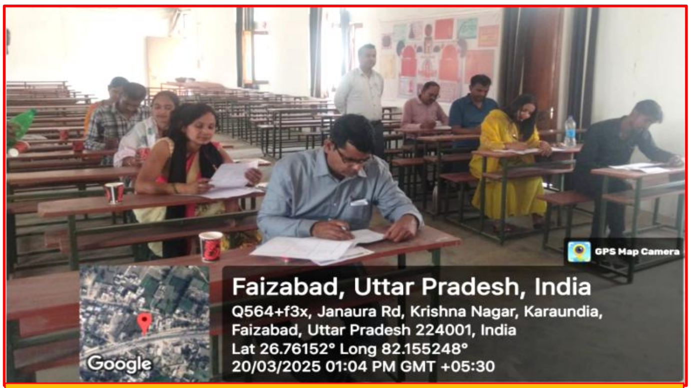

क्षेत्रीय केन्द्रअयोध्यापरMA Yoga प्रवेशपरीक्षा देतेहुए परीक्षार्थी

क्षेत्रीय केन्द्रलखनऊपरMA Yoga प्रवेशपरीक्षा देतेहुए परीक्षार्थी

क्षेत्रीय केन्द्रझाँसीपरMA Yoga प्रवेशपरीक्षा देतेहुए परीक्षार्थी

क्षेत्रीय केन्द्रआजमगढ़परMA Yoga प्रवेशपरीक्षा देतेहुए परीक्षार्थी

मुक्त चिन्तन

क्षेत्रीय केन्द्रवाराणसीपरMA Yoga प्रवेशपरीक्षा देतेहुए परीक्षार्थी

क्षेत्रीय केन्द्रकानपुरपरMA Yoga प्रवेशपरीक्षा देतेहुए परीक्षार्थी

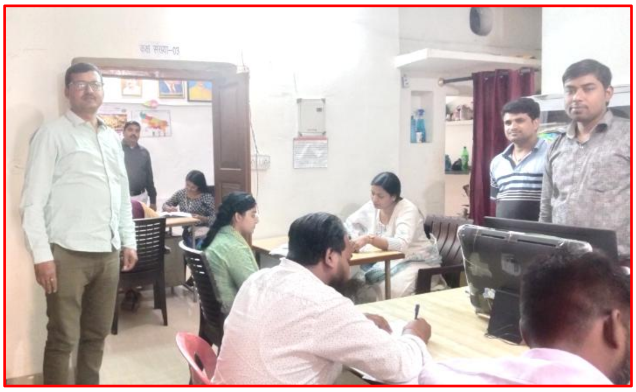

क्षेत्रीय केन्द्रगोरखपुरपरMA Yoga प्रवेशपरीक्षा देतेहुए परीक्षार्थी

क्षेत्रीय केन्द्रबरेलीपरMA Yoga प्रवेशपरीक्षा देतेहुए परीक्षार्थी

क्षेत्रीय केन्द्रप्रयागराज एवंअयोध्यापर योगामेंप्रवेशलेनेआए हुए सभीअभ्यर्थियों की प्रवेशपूर्वपरामर्शकार्यक्रम का आयोजनकियागयातथाउन्हेंविस्तारपूर्वकविश्वविद्यालय के बारेमेंबतायागयातथाउन्हेंकिसप्रकारप्रवेशलेनाहैइसकीभीजानकारीदीगईकुछअभ्यर्थियों ने प्रश्नकिए, जिनकासमाधानकियागया । काफीअभ्यर्थीप्रवेशलेनेहेतुप्रसन्न

मुक्त चिन्तन

क्षेत्रीय केन्द्रबरेली, लखनऊ, कानपुर एवंवाराणसीपर योगामेंप्रवेशलेनेआए

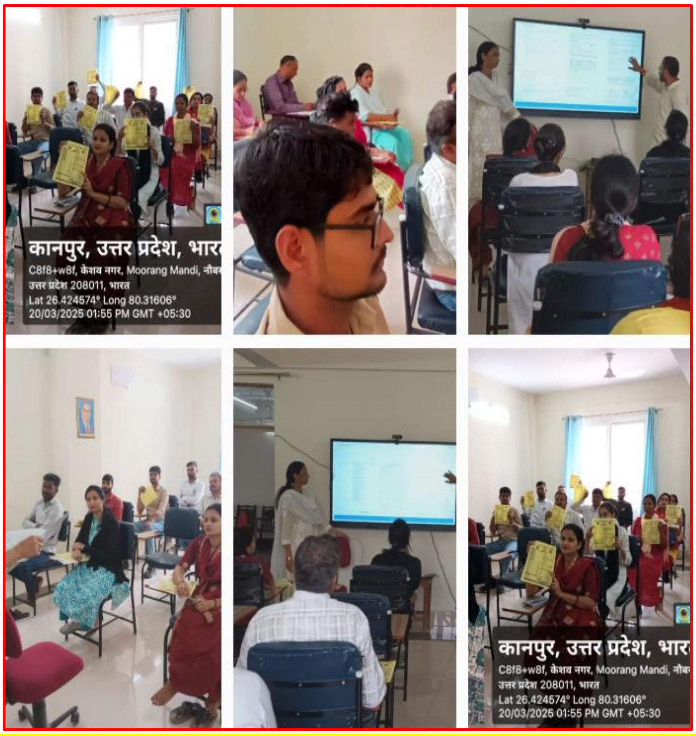

मुक्त चिन्तन 21 मार्च, 2025

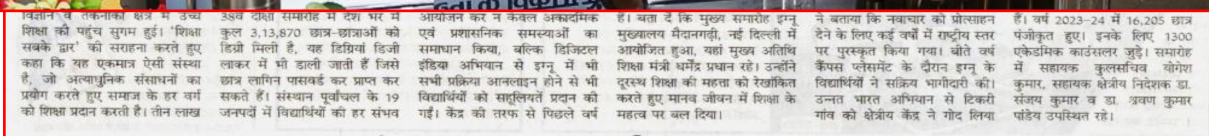

विज्ञान व तकनीकी क्षेत्र में उच्च शिक्षा की पहुंच सुगम हुई। 'शिक्षा सबके द्वार' की सराहना करते हुए कहा कि यह एकमात्र ऐसी संस्था है, जो अत्याधुनिक संसाधनों का प्रयोग करते हुए समाज के हर वर्ग को शिक्षा प्रदान करती है। तीन लाख

38वें दीक्षा समारोह में देश भर में कुल 3,13,870 छात्र-छात्राओं को डिग्री मिली है, यह डिग्रियां डिजी लाकर में भी डाली जाती हैं जिसे छात्र लागिन पासवर्ड कर प्राप्त कर सकते हैं। संस्थान पूर्वांचल के 19 जनपदों में विद्यार्थियों की हर संभव

आयोजन कर न केवल अकादमिक एवं प्रशासनिक समस्याओं का समाधान किया, बल्कि डिजिटल इंडिया अभियान से इग्नू में भी सभी प्रक्रिया आनलाइन होने से भी विद्यार्थियों को सहूलियतें प्रदान की गईं। केंद्र की तरफ से पिछले वर्ष

है। बता दें कि मुख्य समारोह इग्नू मुख्यालय मैदानगढ़ी, नई दिल्ली में आयोजित हुआ, यहां मुख्य अतिथि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान रहे। उन्होंने दूरस्थ शिक्षा की महत्ता को रेखांकित करते हुए मानव जीवन में शिक्षा के महत्व पर बल दिया।

ने बताया कि नवाचार को प्रोत्साहन देने के लिए कई वर्षों में राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत किया गया। बीते वर्ष कैंपस प्लेसमेंट के दौरान इग्नू के विद्यार्थियों ने सक्रिय भागीदारी की। उन्नत भारत अभियान से टिकरी गांव को क्षेत्रीय केंद्र ने गोद लिया

है। वर्ष 2023-24 में 16,205 छात्र पंजीकृत हुए। इनके लिए 1300 एकेडमिक काउंसलर जुड़े। समारोह में सहायक कुलसचिव योगेश कुमार, सहायक क्षेत्रीय निदेशक डा. संजय कुमार व डा. श्रवण कुमार पांडेय उपस्थित रहे।

मुक्तविश्वविद्यालय मेंदोदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय में शुक्रवारकोसाहित्य अकादमी के संयुक्ततत्वावधानमेंहिंदी के विकासमेंभोजपुरी, अवधी, ब्रज एवंबुंदेलखंडीभाषा के योगदानपरदोदिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार के समापन सत्र मेंमुख्य अतिथिबुंदेलखंडविश्वविद्यालय के हिंदीविभाग के अध्यक्ष प्रोफेसरमुन्नातिवारीजी एवंविशिष्टवक्तासहायकसम्पादक, साहित्य अकादमी, नईदिल्लीअजय कुमार शर्माजीरहेतथाअध्यक्षताकुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजी ने की।

समापन सत्र मेंअतिथियों का स्वागत डॉ आनंदानंद त्रिपाठी ने तथादोदिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार की रिपोर्टअनुपम ने प्रस्तुतकी।संचालन डॉ त्रिविक्रमतिवारी एवंधन्यवादज्ञापनप्रोफेसरसत्यपालतिवारी ने किया।

इससेपूर्वहिंदी के विकासमेंब्रजभाषाका योगदान एवंबुंदेलखंडी का योगदानविषयकदोतकनीकी सत्रों का आयोजनकियागया।जिसमेंप्रमुख रूप से प्रोफेसररामपालगंगवार, प्रोफेसरहरिदत्त शर्मा, प्रोफेसरराजनाथ सिंह, प्रोफेसरमुन्नातिवारीतथा डॉ बहादुर सिंह परमार ने विशिष्टव्याख्यानदिया।

मॉसरस्वती की प्रतिमा परमाल्यार्पण करतेहुए माननीय अतिथिगण

समापन सत्र का संचालनकरतेहुए आयोजनसचिवडॉ0 त्रिविक्रमतिवारी

विश्वविद्यालय कुलगीत की प्रस्तुतकरतेहुए श्रीनिकेत सिंह

मुक्त चिन्तन

माननीय अतिथियोंकोपुष्पगुच्छभेंटकरउनकास्वागतकरतेहुए माननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजी

माननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजीकोपुष्पगुच्छभेंटकरउनकास्वागतकरतेहुएप्रोफेसरसत्यपालतिवारी

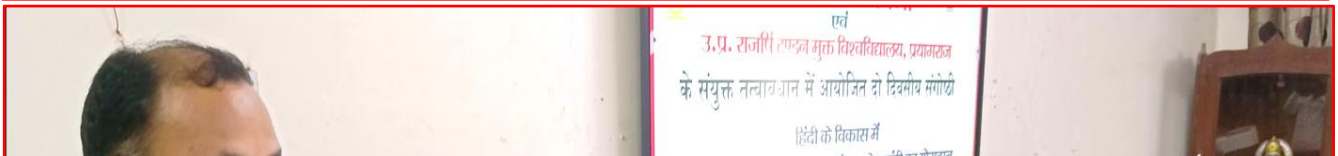

माननीय अतिथियों का स्वागतकरतेहुए संयोजकडॉ0 आनन्दानन्द त्रिपाठी

मुक्त चिन्तन

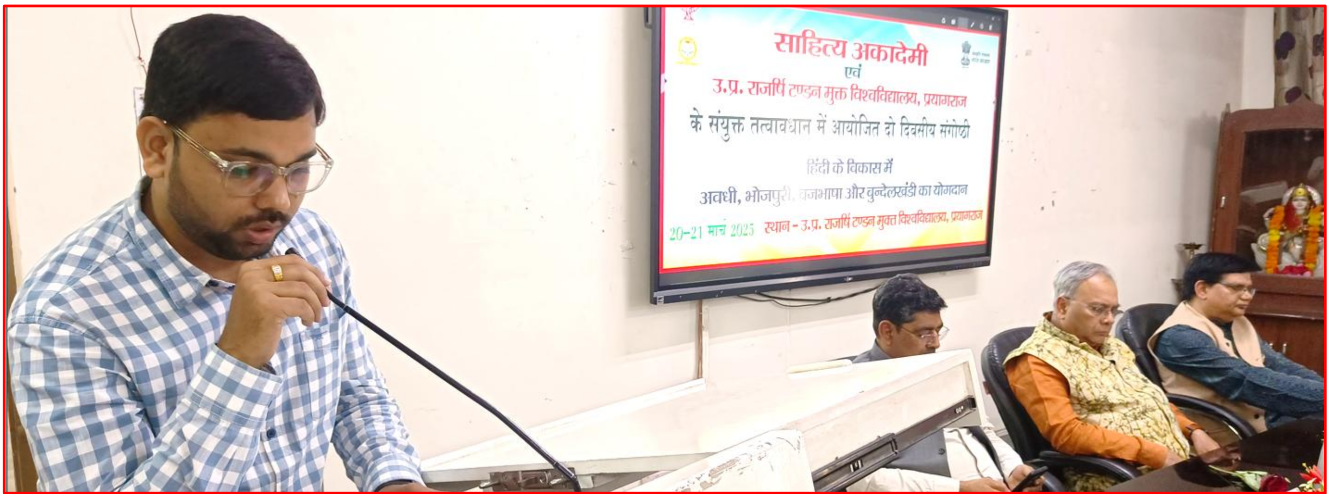

संगोष्ठी की रिपार्टप्रस्तुतकरतेहुए श्रीअनुपम

कार्यक्रममेंसंगोष्ठी के समन्वक, प्रोफेसरसत्यपालतिवारी, प्रोफेसरसंतोषकुमार, सह–समन्वयक, प्रोफेसरविनोदकुमारगुप्त, प्रोफेसरसंजय कुमार सिंह, संयोजक डॉ0 आनंदानंद त्रिपाठी, डॉ0 साधनाश्रीवास्तव, सह–संयोजक, डॉ0 सुनीलकुमार, डॉ0 सतीशचंद्रजैसल, आयोजनसचिव, डॉ त्रिविक्रम, डॉ0 अतुलकुमारमिश्रा, श्रीअनुपम, सह–आयोजनसचिव, डॉ0 शिवेंद्रप्रताप सिंह, डॉ0 दयानंदउपाध्याय, श्रीसंजीवभट्ट शोधछात्र, विश्वविद्यालय के निदेशक, शिक्षक, शोध छात्र, शिक्षाविदआदिउपस्थितरहे।

मुक्त चिन्तन

जोश एवंऊर्जाप्रदानकरताहैबुंदेलीसाहित्य–प्रोफेसरमुन्नातिवारी

समापन सत्र मेंमुख्य अतिथिबुंदेलखंडविश्वविद्यालय के हिंदीविभाग के अध्यक्ष प्रोफेसरमुन्नातिवारी ने कहाकिहिंदी की स्वायत्तता, स्वतंत्रता एवंअस्मिताबचानेमेंबुंदेलखंडीभाषा का महत्वपूर्ण योगदानहै।बुंदेलीसाहित्य जोशऔरऊर्जाप्रदानकरताहै।हमीरपुर से यह क्षेत्र

मुक्त चिन्तन

साहित्य अकादमीहिंदी एवं क्षेत्रीय भाषाओं के विकास के लिए सततप्रयत्नशीलहै : अजय कुमार शर्मा

सहायकसम्पादक, साहित्य अकादमी, नईदिल्लीअजय कुमारशर्मा ने कहाकिहिंदीकोसमाज एवंसाहित्य मेंउत्कृष्ट स्थानदिलाने के लिए क्षेत्रीय गोलियोंकोभाषाओं का महत्वपूर्ण योगदानहैसाहित्य अकादमीहिंदी एवं क्षेत्रीय भाषाओं के विकास के लिए सततप्रयत्नशीलहै।उन्होंनेकहाकिदोदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के विभिन्न सत्रोंमेंहुए व्याख्यानोंकोपुस्तकाकार रूपमेंप्रकाशितकियाजाएगा। इस अवसरपरउन्होंनेसाहित्य अकादमी की अवधी एवंभोजपुरीपरप्रकाशित कृतिकुलपतिप्रोफेसरसत्यकामकोभेंटकी।

प्रोफेसररामपालगंगवार ने कहाकिसभीभाषाओंकोसाथलेकरचलने की क्षमताब्रजभाषामेंसमाहितहै।ब्रजभाषामेंकोमलता के साथ–साथश्रृंगारऔरवात्सल्य से प्रेरितकविताओं की लंबीश्रृंखलाहै।जिसनेहिंदी के विकासमेंचारचांदलगाए।

मुक्त चिन्तन

साहित्य अकादमी की अवधी एवंभोजपुरीपरप्रकाशित कृतिमाननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजीकोभेंटकरतेहुए सहायकसम्पादक, साहित्य अकादमी, नईदिल्लीअजय कुमार शर्माजी

मुक्त चिन्तन

राष्ट्र के निर्माणमेंभाषा की महत्वपूर्णभूमिकाहै : प्रोफेसरसत्यकाम

अध्यक्षताकरतेहुए कुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम ने कहाकिहिंदीमुख्यतः बोलियों का समुच्चय है।हरभाषा की अपनीपहचान एवंअस्मिताहोतीहै।उनकासंरक्षणकियाजानाचाहिए।अवधी, भोजपुरी के साथहीमैथिली, अंगिका, मगहीआदिभाषाओंकोपढ़ने से हमअपनीसंस्कृति एवंसभ्यताकोबेहतरढंग से समझसकतेहैं।कई ऐसे शब्द व संबोधनहैंजोहिंदीको समृद्ध बनातेहैं।हिंदी ने जोभीग्रहणकिया, वहबोलियों से ग्रहणकिया।उन्होंने शोधार्थियोंकोमौलिककार्य के लिए प्रोत्साहितकिया।राष्ट्र के निर्माणमेंभाषा की महत्वपूर्णभूमिकाहै।

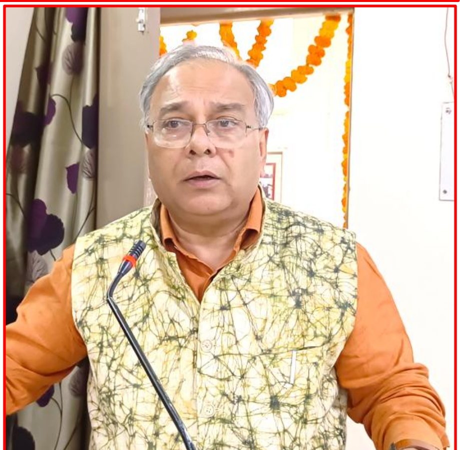

मुक्त चिन्तन

धन्यवादज्ञापितकरतेहुए पिदेशक, मानविकीविद्याशाखा, प्रोफेसरसत्यपालतिवारी

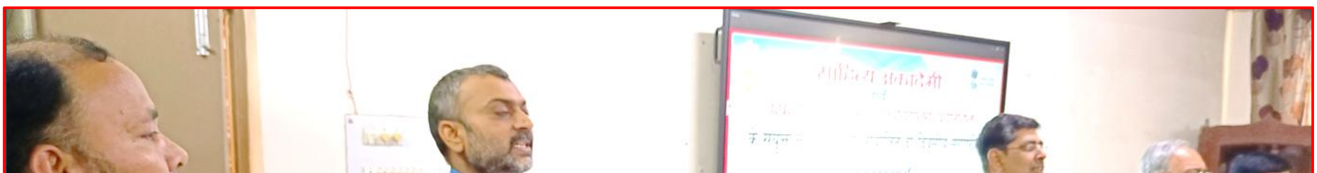

राष्ट्रगान

मुक्त चिन्तन

तृतीयतकनीकीसत्र

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय मेंगुरुवारसाहित्य अकादमी एवंउत्तरप्रदेशराजश्री टंडन मुक्तविश्वविद्यालय प्रयागराज के संयुक्ततत्वावधानमेंसंगोष्ठी के दूसरेदिनदिनांक 21 मार्च, 2025 कोतृतीय तकनीकी सत्र 'हिंदी के विकासमेंब्रजभाषा का योगदान' विषय परविश्वविद्यालय के सरस्वतीपरिसरस्थिततिलकसभागारमेंआयोजितकियागया।कार्यक्रम के मुख्य वक्ताप्रो.राजनाथ सिंह एवंविशिष्टअतिथिप्रोफेसरहरिदत्त शर्मारहे।कार्यक्रम की अध्यक्षताप्रोफेसररामपालगंगवार ने की।कार्यक्रम का संचालन डॉ0 अतुलकुमारमिश्र ने किया।

प्रोफेसरहरिदत्त शर्मा ने कहाकिब्रजसंस्कृतिकोगौरवप्रदानकरनेमें 15वीं, 16वीं शताब्दी के धर्मआचार्याओं ने महत्वपूर्णभूमिकानिभाई।सूरदासजी ने अपने कृतियों से ब्रजभाषाको समृद्ध किया।वल्लभाचार्यजी ने लोकप्रेरणा की भावनाको समझतेहुए पुष्टिभावविकसितकिया एवंलोकजन के सामनेकृष्ण का स्वरूपआनंदमईभाव से प्रस्तुतकिया।संपूर्णब्रज की संस्कृतिकृष्ण की संस्कृति बन गई।जयदेव की रचना'गीतगोविंद' ने ब्रजभाषाकोउन्नयनपरलेगया।

कार्यक्रम के विशिष्टवक्ताप्रो.राजनाथ सिंह ने ब्रजभाषा के योगदानपरअपनेमंतव्य व्यक्तकरतेहुए कहाकिभाषाअभिव्यक्ति का साधनहैहिंदीभाषा क्षेत्रीय भाषाओं से मिलकरबनीहुईहैजोकिवैश्विकस्तरपर समृद्ध है उप भाषाओं ने हीवर्तमानहिंदी के स्वरूपकोमजबूत एवं समृद्ध किया।भाषा की दीर्घायुप्रदानकरनेवालेवहां के लोगहैंनिवासीहैंउनकीभूमिकाकोनजरअंदाजनहींकियाजासकता।भाषासरल एवंआमजनमानस की भाषाहोनीचाहिए क्योंकिक्लिष्ट एवंव्याकरणनिष्ठभाषाकेआगे कम

कार्यक्रम की अध्यक्षताकरतेहुए प्रोफेसररामपालगंगवार ने कहाकिसारीभाषाओंकोसाथलेकरचलने की क्षमताब्रजभाषामेंसमाहितहै । यह ऐसीभाषाहैजिसमेंमधुरता एवंकोमलताहै देखनेकोमिलतीहै।ब्रजभाषाकिसीभाषा के लिए कभीदीवालनहीं खड़ाकरतेबल्किजोड़ने का कार्यकरताहै।ब्रजभाषामेंकोमलता के साथ–साथश्रृंगार एवंवात्सल्य से प्रेरणाकविताओं की लम्बीश्रृंखलाहैजिसनेहिंदी के विकासमेंचारचांदलगाया ।

मुक्त चिन्तन

विशिष्टवक्ताप्रो.राजनाथ सिंह जीकोस्मृतिचिन्हभेंटकरउनकासम्मानकरतीहुई प्रो0 रुचि बाजपेयी

चतुर्थतकनीकी सत्र

संगोष्ठी के चतुर्थतकनीकी सत्र मेंमंचासीनविद्वानों का वाचिकस्वागतकरतीहुई प्रो0 रुचि बाजपेयी

प्रोफेसरमुन्नातिवारी ने अपनावक्तव्य देतेहुए कहाकिहिंदीकोहिंदीउसकीसभीउपभाषाओं ने

विभिन्न संस्कृतियों के बीच सेतु है भाषा - प्रोफेसर सत्यकाम - Adarshsaharatimes
विभिन्न संस्कृतियों के बीच सेतु है भाषा - प्रोफेसर सत्यकाम
adarshsaharatimes.in

विभिन्न संस्कृतियों के बीच सेतु है भाषा – प्रोफेसर सत्यकाम https://adarshsaharatimes.in/?p=6315

आदर्श सहारा टाइम्स
रिपोर्ट उमेश चन्द्र सोनी

18:38

बुंदेली साहित्य प्रदान करता है जोश व ऊर्जा : प्रो. तिवारी
प्रयागराज में एक दो दिनी राष्ट्रीय सेमिनार का समापन हुआ, जिसमें बुंदेलखंडी भाषा के हिंदी के विकास में योगदान पर चर्चा की गई। मुख्य अतिथि प्रो. मुन्ना तिवारी ने कहा कि इन उपभाषाओं ने हिंदी की...,
www.livehindustan.com

बुंदेली साहित्य प्रदान करता है जोश व ऊर्जा : प्रो. तिवारी

https://www.livehindustan.com/uttar-pradesh/prayagraj/story-national-seminar-on-contribution-of-bhojpuri-awadhi-braj-and-bundeli-languages-to-hindi-development-201742572291553.html

For News on the go, Download Hindustan app. Click https://hhiphonehindiapp.page.link/download

Prayagraj News: हिंदी के विकास में भोजपुरी, अवधी, ब्रज एवं बुंदेलखंडी के योगदान पर राष्ट्रीय संगोष्ठी :...
रिपोर्ट विजय कुमार उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में गुरुवार को साहित्य अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में हिंदी के
janvadtimes.com

Prayagraj News: हिंदी के विकास में भोजपुरी, अवधी, ब्रज एवं बुंदेलखंडी के योगदान पर राष्ट्रीय संगोष्ठी https://janvadtimes.com/prayagraj-news-national-seminar-on-the-contribution-of-bhojpuri-awadhi-braj-and-bundelkhandi-in-the-development-of-hindi/

08:29

बुंदेली साहित्य जोश एवं ऊर्जा प्रदान करता है : प्रो मुन्ना तिवारी
-राष्ट्र के निर्माण में भाषा की महत्वपूर्ण भूमिका : प्रो सत्यकाम-मुक्त विवि में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापनप्रयागराज, 21 मार्च
www.hindusthansamachar.in

https://www.hindusthansamachar.in/Encyc/2025/3/21/two-day-national-seminar-at-uprtou-concluded.php

07:54

बुंदेली साहित्य जोश एवं ऊर्जा प्रदान करता है : प्रो मुन्ना तिवारी
-राष्ट्र के निर्माण में भाषा की महत्वपूर्ण भूमिका : प्रो सत्यकाम-मुक्त विवि में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापनप्रयागराज, 21 मार्च
www.hindusthansamachar.in

https://www.hindusthansamachar.in/Encyc/2025/3/21/two-day-national-seminar-at-uprtou-concluded.php

08:42

जोश एवं ऊर्जा का संचार करता है बुंदेली साहित्य: प्रो. मुन्ना तिवारी

● मुक्त विश्वविद्यालय में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन

संवाददाता। प्रयागराज

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में शुक्रवार को साहित्य अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में हिंदी के विकास में भोजपुरी अवधी ब्रज एवं बुंदेलखंडी भाषा के योगदान पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार के समापन सत्र में मुख्य अतिथि बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर मुन्ना तिवारी ने कहा कि हिंदी की स्वायत्तता स्वतंत्रता एवं अस्मिता बचाने में बुंदेलखंडी भाषा का महत्वपूर्ण योगदान है। बुंदेली साहित्य जोश और ऊर्जा प्रदान करता है। इसी वजह से यह क्षेत्र

मिलता है। हिंदी की स्वायत्तता एवं स्वतंत्रता के लिए इन उपभाषाओं ने काफी संघर्ष किया है।

प्रो तिवारी ने कहा कि बुंदेली एवं अन्य उपभाषाओं के गुमनाम रचनाकारों को प्रकाश में लाने की आवश्यकता है। इसके लिए हिंदी के वर्तमान विद्वानों को रामचंद्र शुक्ल बनना पड़ेगा। अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो सत्यकाम ने कहा कि हिंदी मुख्य रूप से बोलियों का समुच्चय है। हर भाषा की अपनी पहचान एवं अस्मिता होती है। उनका संरक्षण किया जाना चाहिए। अवधी भोजपुरी के साथ

संस्कृति एवं सभ्यता को बेहतर ढंग से समझ सकते हैं। कई ऐसे शब्द व संबोधन हैं जो हिंदी को समृद्ध बनाते हैं। हिंदी ने जो भी ग्रहण किया। वह बोलियों से ग्रहण किया। उन्होंने शोधार्थियों को मौलिक कार्य के लिए प्रोत्साहित किया। राष्ट्र के निर्माण में भाषा की महत्वपूर्ण भूमिका है। साहित्य अकादमी के प्रतिनिधि अजय शर्मा ने कहा कि हिंदी को समाज एवं साहित्य में उत्कृष्ट स्थान दिलाने के लिए क्षेत्रीय गोलियों को भाषाओं का महत्वपूर्ण योगदान है साहित्य अकादमी हिंदी एवं क्षेत्रीय भाषाओं के विकास के लिए सतत प्रयत्नशील है। उन्होंने कहा कि दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के विभिन्न सत्रों में हुए व्याख्यानों को पुस्तकाकार रूप में प्रकाशित किया जाएगा। इस अवसर पर उन्होंने साहित्य अकादमी की

मुक्तविश्वविद्यालय मेंस्वयं–एनपीटीईएलपाठ्यक्रमों का एकीकरण एवंक्रियान्वयनविषय पर एक दिवसीय कार्यशालाआयोजित

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय राजर्षिमुक्तविश्वविद्यालय मेंदिनांक 22 मार्च, 2025 कोविश्वविद्यालय एवंइसके क्षेत्रीय केंद्रों व अध्ययन केन्द्रोंमेंस्वयं–एनपीटीईएलपाठ्यक्रमो का एकीकरण एवंक्रियान्वयनविषय पर एक दिवसीय कार्यशालाआयोजित की गई। इस कार्यशाला का शुभारम्भमाननीयकुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजी एवंमुख्य वक्ता, आई.आई.टी. कानपुर, प्रोफेसरअंगनासेनगुप्ता द्वारादीपप्रज्जवलनकरकियागया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य शिक्षक एवंशिक्षणसंस्थाओ

कोस्वयं–एनपीटीईलप्लेटफार्म से जोड़नाऔरडिजिटलशिक्षा के माध्यम से शिक्षणपद्धतियोंमेंनवाचारलानाहै।

स्वागतकरतेहुए स्वयं केनोडलअधिकारीप्रो० ए0 के0 मलिक ने कार्यशाला के विषय वस्तु एवंउद्देश्य प्रकाश से अवगतकराया।संचालन डॉ0 ज्ञानप्रकाश यादव व धन्यवादज्ञापन डॉ0 सी0 के0 सिंह ने किया। इस अवसरपरसभीविद्याशाखा के निदेशक, आचार्य, सहआचार्य, सहायकआचार्य एवंऑनलाइनमाध्यम से सभी क्षेत्रीय केंद्रों, अध्ययन केंद्रसमन्वयकउपस्थितिरहे।

विश्वविद्यालय कुलगीतप्रस्तुतकरतेहुए श्रीनिकेत

कार्यक्रम का संचालनकरतेहुए डॉ0 ज्ञानप्रकाश यादव

माननीय अतिथियोंकोपुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र एवं स्मृतिचिन्हभेंटकरउनकास्वागततथासम्मानकरतेहुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

कार्यशाला के विषय वस्तु एवंउद्देश्य प्रकाश से अवगतकरातेहुए स्वयं केनोडलअधिकारीप्रो० ए0 के0 मलिक

मुक्त चिन्तन

स्वयंप्लेटफार्मभारतसरकार की महत्वपूर्णपहल– डॉ अंगनासेन

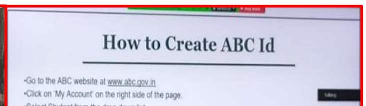

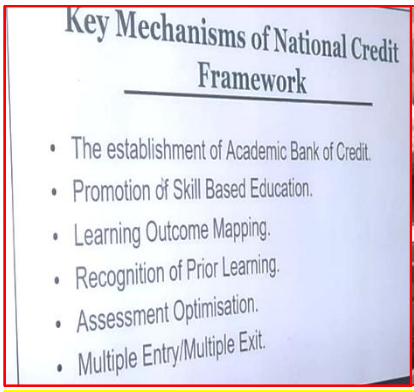

मुक्त चिन्तन

डिजिटलसाक्षरता के माध्यम से कौशलप्रदानकरना लक्ष्य–प्रोफेसरसत्यकाम

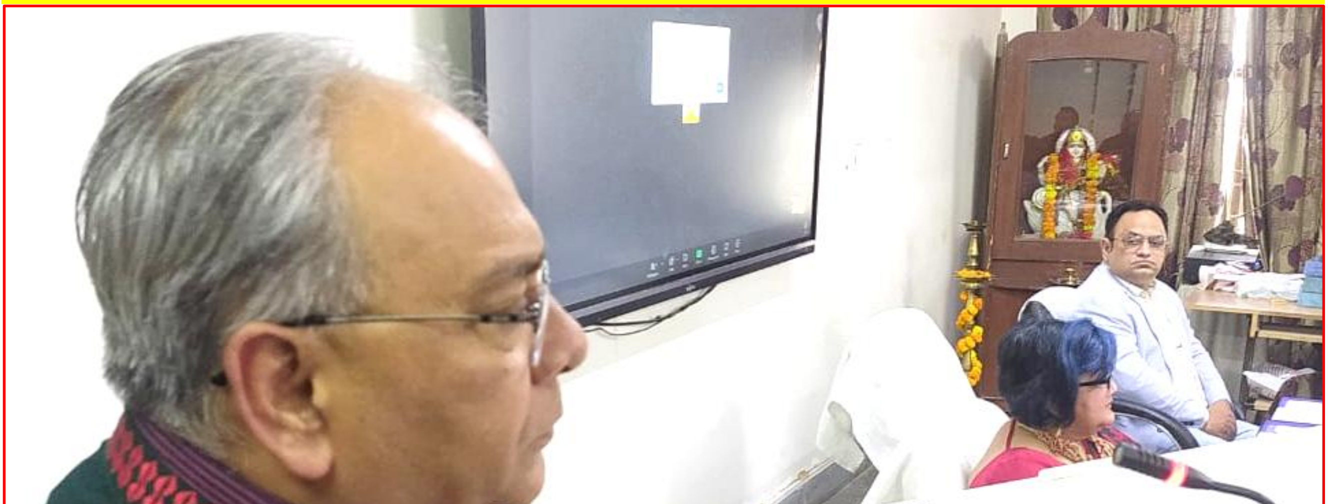

कार्यक्रम की अध्यक्षताकरतेहुए कुलपतिआचार्यसत्यकाम ने कहाकिवर्तमानमेंशिक्षा जगत के तकनीकीपरिवेशमेंस्वयंपोर्टल का अहम योगदानहै।उन्होंनेकहाकिभारतीय शिक्षा के उद्देश्य कोप्राप्तकरनेमेंस्वयंप्लेटफार्म की अहमभूमिकाहैतथानईशिक्षा नीति 2020 के लक्ष्य कोप्राप्तकरनेमेंस्वयंप्लेटफार्ममहत्वपूर्णभूमिका का निर्वहनकरेगा।उन्होंनेविश्वविद्यालय के सभीशिक्षकोंकोनिर्देशितकियाकिवेसभीस्वयं से कम से कम एक पाठ्यक्रममेंप्रवेशलेंऔरउसकाअनुभवअपनीशिक्षणपद्धतिमेंउपयोगकरें।उन्होंनेकहाकिइसकामुख्य उद्देश्य छात्रोंकोपारंपरिकशिक्षा के साथहीडिजिटलसाक्षरता के माध्यम से कौशलप्रदानकरनाहै। यहीमुक्तविश्वविद्यालय का लक्ष्य है।

मुक्त चिन्तन

धन्यवादज्ञापितकरतेहुए डॉ0 सी0 के0 सिंह

राष्ट्रगान

पायनियर

लखनऊ, रविवार, 23 मार्च 2025

डिजिटल साक्षरता के माध्यम से कौशल प्रदान करना ही लक्ष्यः प्रो. सत्यकाम

स्वयं प्लेटफार्म भारत सरकार की महत्वपूर्ण पहलः डॉ. अंगना सेन गुप्ता

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन
(25 एवं 26 मार्च, 2025)
श्रीमती आनंदीबेन पटेल
माननीय कुलाधिपति एवं राज्यपाल, उत्तर प्रदेश
महाकुम्भ : सनातन मूल्यों के माध्यम से मानव जीवन में परिवर्तन
(Mahakumbh : Transforming Human Life Through Sanatan Values)
अध्यक्ष
आचार्य सत्यकाम
मुख्य अतिथि
आचार्य बिहारी लाल शर्मा
विशिष्ट अतिथि
आचार्य शिशिर कुमार पाण्डेय
विशिष्ट अतिथि
श्री राजेश प्रसाद
मुख्य वक्ता
आचार्य शिव कुमार द्विवेदी

महाकुम्भ : सनातन मूल्यों के माध्यम से मानव जीवन में परिवर्तन

मुक्तविश्वविद्यालय मेंमहाकुंभपरदोदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनप्रारंभ

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराजमें 25–26 मार्च 2025 कोमहाकुंभ : सनातनमूल्य के माध्यम से मानव जीवन मेंपरिवर्तनविषय परदोदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजनकियागया।सम्मेलन के मुख्य अतिथिसम्पूर्णानंदसंस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी के कुलपतिप्रोफेसरबिहारीलाल शर्माजीरहे।विशिष्टअतिथिप्रोफेसरशिशिरकुमारपांडेय जी, कुलपति, जगतगुरु रामभद्राचार्यदिव्यांगविश्वविद्यालय, चित्रकूटतथाश्रीराजेशप्रसादजी, निदेशक, इलाहाबादसंग्रहालय, प्रयागराज, विश्वविद्यालय की वित्तअधिकारी श्रीमती पूनममिश्रा एवंबीजवक्तव्य प्रोफेसरशिवकुमार द्विवेदीजी, पूर्वकुलपति, बाबासाहबभीमरावअंबेडकर यूनिवर्सिटी, लखनऊरहेतथाअध्यक्षताउत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय के माननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजी ने की।

अतिथियों का स्वागत डॉ त्रिविक्रमतिवारी, संचालन डॉ गौरवसंकल्प एवंकार्यक्रम के बारेमेंतथाधन्यवादज्ञापन डॉ जी के द्विवेदी ने किया।

उल्लेखनीय हैकिसम्मेलनमेंअबतककुल 780 पंजीकरणहुए हैं।दोदिनचलनेवाले इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनमें 5 ऑफलाइनऔर 5 ऑनलाइनकुल 10 तकनीकी सत्रों का संचालनकियागया। इस अवसरपर 268 शोधपत्रों से सुसज्जित पत्रिका, अन्वेषिकातथालीलापुरुषोत्तम श्री कृष्ण पुस्तक का विमोचनअतिथियोंतथाकुलपति ने किया।इसकेउपरांतआजसायंसरस्वतीपरिसरमेंभजनसंध्या का आयोजनकियागया।जिसमेंप्रतिभागियों के मध्य डॉ रागिनीमिश्रा, मानसमंदाकिनीसरस्वती, मऊऔरश्रीमनोजगुप्ता, प्रयागराज ने अपनीसंगीतमयीगायन की रसमयीप्रस्तुति से श्रोताओंकोमंत्रमुग्धकरदिया।

दीपप्रज्वलितकरकार्यक्रम का शुभारम्भकरतेहुए माननीयअतिथिगण

मुक्त चिन्तन

कार्यक्रम का संचालनकरतेहुए आयोजनसचिव डॉ0 गौरवसंकल्प

मुक्त चिन्तन

मुक्त चिन्तन

गईं, इसमें जेल के आठ कैदी भी रहे। 1235 छात्रों को स्नातक, 2113 परास्नातक, 352 डिप्लोमा और 123 छात्रों को सर्टिफिकेट मिला। बनारस के नैपुराकला गांव की रहने वाली

उन्होंने सफलता हासिल की है। वह इंटरनेट मीडिया से काफी दूरी बनाकर रहती हैं। अधिकांश वक्त किताबों के अध्ययन में गुजरता है।

मेडल व डिग्री संग आशना माथुर व पिता अमिश माथुर।

माननीय अतिथियोंकोपुष्पगुच्छभेंटकरउनकास्वागतकरतेहुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

माननीय अतिथियों का स्वागत एवंपरिचय देतेहुए डॉ0 त्रिविकमतिवारी

मुक्त चिन्तन

कार्यक्रम के बारेमेंबतातेहुए कार्यक्रमसंयोजक डॉ0 गिरीशकुमार द्विवेदी

ई–सिबोनियर का विमोचनकरतेहुए माननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यका मजी एवंअतिथिगण

मुक्त चिन्तन

बीजवक्तव्य देतेहुए प्रोफेसरशिवकुमारद्विवेदी, पूर्वकुलपति, बाबासाहबभीमरावअंबेडकर यूनिवर्सिटी, लखनऊ ने कहाकिसनातनधर्म का उद्देश्य स्वर्ग की खोजकरनाहैधर्म का मार्गही जीवन की सफलता का मार्गहैहिंदूधर्मवैज्ञानिक दृष्टि से भीमहत्वपूर्णरहाहै।

मुक्त चिन्तन

सनातनधर्म के मूलमेंवेदहै : प्रोफेसरशिवकुमार

बीजवक्तव्य देतेहुए प्रोफेसरशिवकुमार द्विवेदी, पूर्वकुलपति, बाबासाहबभीमरावअंबेडकर यूनिवर्सिटी, लखनऊ ने कहाकिसनातनधर्म के मूलमेंवेदहै। यह धर्मकईअन्य धर्म की उत्पत्ति का आधाररहाहै।उन्होंने इस बातपरचिंताव्यक्त की कीसनातनधर्म का भौतिकवादीसोच की तरफझुकावहैसंस्कृतिऔरसंस्कारोंकोलोगभूलतेजारहेहैं इस परचिंतनमनन की आवश्यकताहै।उन्होंनेस्पष्टकियाकिसनातनधर्मविज्ञान, नैतिकताऔरमानवता की आधारशिलाहै।सनातनधर्म का उद्देश्य ईश्वर की खोजकरनाहै।धर्म का मार्गही जीवन की सफलता का मार्गहै।हिंदूधर्मवैज्ञानिक दृष्टि से भीमहत्वपूर्णरहाहै।

मुक्त चिन्तन

सनातनमूल्य भारतीय संस्कृतिऔरदर्शन का अभिन्न अंग है : राजेशप्रसाद

समारोह के विशिष्टअतिथिश्रीराजेशप्रसाद, निदेशक, इलाहाबादसंग्रहालय, प्रयागराज ने कहाकिसनातनमूल्य भारतीय संस्कृतिऔरदर्शन का अभिन्न अंग है, जो जीवन कोउत्कृष्टता, सद्भावऔरआध्यात्मिक शांति की दिशामेंमार्गदर्शनप्रदानकरताहै ।आज के समय मेंजबसमाजतेजी से भौतिकवाद की ओर बढ़ रहाहै, सनातनमूल्य की

मुक्त चिन्तन

माननीय अतिथियों का सम्मान

माननीय अतिथियोंकोअंगवस्त्र, स्मृतिचिन्ह एवंहरितफलभेंटकरउनकासम्मानकरतेहुए माननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजी

माननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजीकोअंगवस्त्र, स्मृतिचिन्ह एवंहरितफलभेंटकरउनकासम्मानकरतेहुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

वित्तअधिकारी
श्रीमती पूनममिश्राजी
को
अंगवस्त्र, स्मृतिचिन्ह एवंहरितफलभेंटकर
उनकासम्मानकरतेहुए विश्वविद्यालय
परिवार
के सदस्यगण

विश्वविद्यालय की प्रथममहिला
श्रीमती सीमाजी
को
अंगवस्त्र, स्मृतिचिन्ह एवंहरितफलभेंटकर
उनकासम्मानकरतेहुए विश्वविद्यालय
परिवार
के सदस्यगण

मुक्त चिन्तन

सृष्टि के आरंभ से हैसनातन–प्रोफेसर शर्मा

मुख्य अतिथिसम्पूर्णानंदसंस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी के कुलपतिप्रोफेसरबिहारीलाल शर्मा ने कहाकिसनातनसृष्टि के आरंभ से हैंऔरजबतक यह सृष्टिरहेगीतबतकसनातनरहेगा।मानवीय मूल्य सनातनमेंभरेहैं।सनातनवहधाराहैजोसार्वकालिकहै, सार्वजनिनहैतथासार्वत्रिक है।प्रोफेसर शर्मा ने मनु द्वाराप्रतिपादितधर्म के 10 लक्षणों के विस्तार से चर्चाकी।जिनमेंप्रमुख रूप से उन्होंनेधैर्य, क्षमा, दम, अस्तेय, शुचिता, इंद्रिय निग्रह, बुद्धि, विद्या, सत्य तथाअक्रोध की महत्तापर बल दिया।इन 10 लक्षणोंकोमनुस्मृतिमेंधर्म के मूलतत्वों के रूपमेंवर्णितकियागयाहै।उन्होंनेइसकावर्णनकरतेहुए कहाकिजोबुद्धि से कामलेउसेबुद्धिमानीऔरजोमन की

मुक्त चिन्तन

268 शोधपत्रों से सुसज्जित पत्रिका एवंलीलापुरुषोत्तम श्री कृष्ण पुस्तक का विमोचनकरतेहुए माननीय अतिथिगण

इन्दुभूषणपाडेय द्वारासंपादितपुस्तकअन्वेषिका का विमोचनकरतेहुए माननीय अतिथिगण

मुक्त चिन्तन

महाकुंभ से हमें शोध के कईआयाममिलेहैं : प्रोफेसरसत्यकाम

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की अध्यक्षताकरतेहुए उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय के कुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम ने कहाकिमानवमूल्य जिन्हेंहमभारतीय ज्ञानपरंपरा के रूपमेंजानतेहैंउसेअपनेविद्यार्थियोंतकपहुंचानाचुनौतीपूर्णकार्यहै।उन्होंनेप्रदेश

मुक्त चिन्तन

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय,
अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन
(International Conference)
(25 एवं 26 मार्च, 2025)
महाकुम्भ : सनातन मूल्यों के माध्यम से मानव जीवन में परिव
(Mahakumbh : Transforming Human Life Through Sanatan Value
आचार्य बिहारी लाल शर्मा
आचार्य शिशिर कुमार पाण्डेय
श्री राजेश प्रसाद

धन्यवादज्ञापनकरतेहुए कार्यक्रमसंयोजक डॉ0 गिरीशकुमार द्विवेदी

राष्ट्रगान

मुक्त चिन्तन

माननीय अतिथियों के साथग्रुपफोटोग्राफीकरातेहुए प्रतिभागीगण

मुक्त चिन्तन

तकनीकी सत्र

Online Presentation

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन महाकुंभ सनातन मूल्य के द्वारा जीवन में परिवर्तन के तीसरे तकनीकी सत्र को चेयर प्रोफेसर पीके पांडे आचार्य शिक्षा विद्या शाखाएवं को चेयर डॉक्टर दिनेश सिंह शाह आचार्य शिक्षा विद्याशाखा ने किया। इस सत्र में कल ५६ पेपर पढ़े गए। सत्र की अध्यक्षता कर रहे प्रोफेसर पीके पांडे ने शोधार्थियों को सनातन मूल्य के बारे में और उसको अपने जीवन में आत्मसात करने के बारे में बताया। इस सत्र में धन्यवाद ज्ञापन डॉ त्रिविक्रम तिवारी ने दिया एवं संचालन डॉ गौरव संकल्प ने किया। डॉ सतेंद्र बाबू ने अतिथियों का अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह से स्वागत किया।

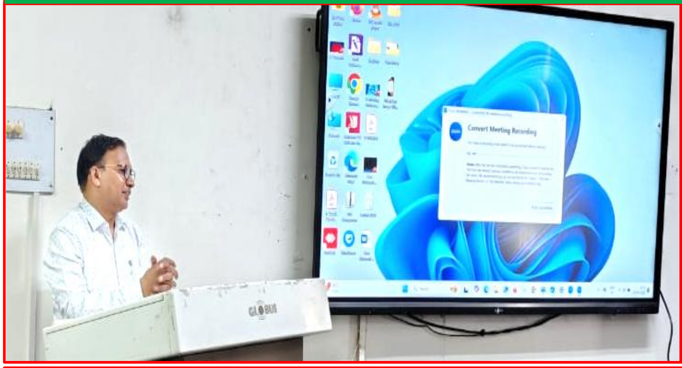

माननीय अतिथियों कोअंगवस्त्र एवंस्मृतिचिन्हभेंटकर उनकासम्मानकरतेहुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

मुक्त चिन्तन 25 मार्च, 2025

कार्यपरिषद् की 138वीं बैठक आयोजित

उ0प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय की कार्यपरिषद् की 138वींबैठकदिनांक25 मार्च, 2024 कोअपराह्न 04:45बजेकमेटी कक्ष मेंआहूत की गई।बैठक की अध्यक्षताविश्वविद्यालय के माननीय कुलपति, प्रोफेसरसत्यकामजी ने की।बैठकमेंकईमहत्वपूर्णनिर्णय लियेगये। बैठकप्रारम्भहोने से पूर्वमाननीय कुलपतिजी ने सभीसम्मानितसदस्यों का स्वागतकिया।

dk;Zifj"kn dh cSBd dh v/;{krkdjrsgq, ekuuh; dqyifr izks0 lR;dkewth

मुक्त चिन्तन

बैठकमेंमाननीय न्यायमूर्तिश्रीशेखरबी. सर्राफ, उच्चन्यायालय, इलाहाबाद (प्रयागराज), प्रो0 उमाकॉजीलाल, कुलपति, इन्दिरागॉधीराष्ट्रीय मुक्तविश्वविद्यालय, नईदिल्ली,प्रो0 अखिलेशकुमार सिंह, कुलपति, प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 के0 के0तिवार, अवकाशप्राप्तप्रचार्य, वी.एस.एस.डी. कालेज, कानपुरप्रो0 प्रशान्तकुमारस्टालिननिदेशक, शिक्षा विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 सन्तोषाकुमार, निदेशक, समाजविज्ञानविद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 रूचिबाजपेई, आचार्य (हिन्दी), मानविकीविद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 गिरीशकुमार द्विवेदी, एसहआचार्य (शिक्षा शास्त्र), शिक्षा विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 सुनीलकुमार, असिस्टेण्टप्रोफेसर, (प्राचीन इतिहास), समाजविज्ञानविद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज, वित्तअधिकारी श्रीमती पूनममिश्रा (विशेष आमंत्रित सदस्य) एवंश्रीविनय कुमार, कुलसचिव, उ0प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज(ऑफ लाइन एवं ऑनलाइन) उपस्थितरहे।

भजनसंध्या

दिनांक 25 मार्च, 2025 कोसायंसरस्वतीपरिसरमेंभजनसंध्या का आयोजनकियागया।जिसमेंप्रतिभागियों के मध्य डॉ रागिनीमिश्रा, मानसमंदाकिनीसरस्वती, मऊऔरश्रीमनोजगुप्ता, प्रयागराज ने अपनीसंगीतमयीगायन की रसमयीप्रस्तुति से श्रोताओंकोमंत्रमुग्धकरदिया।

माननीय अतिथियोंकोपुष्पगुच्छभेंटकरउनकासम्मानकरतेहुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

कार्यक्रम का संचालनकरतेहुए डॉ0 त्रिविक्रमतिवारी

भजनप्रस्तुतकरतेहुए डॉ रागिनीमिश्रा, मानसमंदाकिनी एवंश्रीमनोजगुप्ता

विश्वविद्यालय कुलगीतप्रस्तुतकरतेहुए गायकमनोजगुप्ता

अपनेविचारव्यक्तकरतेहुए माननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजी

मुक्त चिन्तन 26 मार्च, 2025

तकनीकी सत्र

Online Presentation

26 मार्च, 2025 अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनमहाकुंभसनातनमूल्य के द्वारा जीवन मेंपरिवर्तन के दूसरेदिन के प्रथमतकनीकी सत्र कोचेयरप्रोफेसर छत्रसाल सिंह आचार्यशिक्षा विद्याशाखा ने किया। इस सत्र मेंकल ३६ पेपरपढ़े गए। सत्र की अध्यक्षताकररहेप्रो छत्रसाल ने शोधार्थियोंमहाकुंभऔरउसकीमहिमा का बारेमेंबताया। इस सत्र मेंधन्यवादज्ञापन डॉ त्रिविक्रमतिवारी ने दिया एवंसंचालन डॉ गौरवसंकल्प ने किया।प्रोपी के पाण्डेय ने अतिथियों का अंगवस्त्र एवंस्मृतिचिन्ह से स्वागतकिया।

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनमहाकुंभसनातनमूल्य के द्वारा जीवन मेंपरिवर्तन के आठवेंतकनीकी सत्र (ऑनलाइनमाध्यम से) कोचेयर डॉ कंचनसहआचार्यकरतारीमहाराजगवर्नमेंटपीज िकॉलेजप्राप्तगढ़ एवंकोचेयर डॉ पुष्पेंद्रकुमारसहायकआचार्यशिक्षा विद्याशाखा ने किया। इस सत्र मेंकल ७० पेपरपढ़े गए। सत्र की अध्यक्षताकररही डॉ कंचन ने कल्पवास एवं अखाड़े के बारेमें शोधार्थीकोबताया। इस सत्र मेंधन्यवादज्ञापन डॉ गौरवसंकल्पआयोजनसचिव ने दिया एवंसंचालन डॉ सुरेन्द्रकुमारसहसंयोजक ने किया। डॉ सुरेन्द्रकुमार ने अतिथियों का अंगवस्त्र एवंस्मृतिचिन्ह से स्वागतकिया।

माननीय अतिथि कोअंगवस्त्र एवंस्मृतिचिन्हभेंटकर उनकासम्मानकरतेहुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनमहाकुंभसनातनमूल्य के द्वारा जीवन मेंपरिवर्तन के तीसरेतकनीकी सत्र कोचेयरप्रोफेसरपीकेपांडेआचार्यशिक्षा विद्या शाखाएवंकोचेयरडॉक्टरदिनेश सिंह शाहआचार्यशिक्षा विद्याशाखा ने किया। इस सत्र मेंकल ५६ पेपरपढ़े गए। सत्र की अध्यक्षताकररहेप्रोफेसरपीकेपांडे ने शोधार्थियोंकोसनातनमूल्य के बारेमेंऔरउसकोअपने जीवन मेंआत्मसातकरने के बारेमेंबताया। इस सत्र मेंधन्यवादज्ञापन डॉ त्रिविक्रमतिवारी ने दिया एवंसंचालन डॉ गौरवसंकल्प ने किया। डॉ सतेंद्रबाबू ने अतिथियों का अंगवस्त्र एवंस्मृतिचिन्ह से स्वागतकिया।

मुक्त चिन्तन 26 मार्च, 2025

मुक्तविश्वविद्यालय मेंमहाकुंभपरदोदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराजमेंमहाकुंभ : सनातनमूल्य के माध्यम से मानव जीवन मेंपरिवर्तनविषय परदोदिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का समापनबुधवारदिनांक 26 मार्च, 2025 कोहोगया।समापन सत्र के मुख्य अतिथिप्रोफेसर कृष्ण बिहारीपांडेय, पूर्वअध्यक्ष, लोकसेवाआयोग, उत्तरप्रदेशतथापूर्वकुलपति, छत्रपति शाहूजीमहाराजविश्वविद्यालय, कानपुररहेतथाअध्यक्षताउत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय के माननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजी ने की।

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की आख्या आयोजनसचिव डॉ गौरवसंकल्प ने प्रस्तुतकी।अतिथियों का स्वागत डॉ सुरेन्द्रकुमार ने, संचालन श्रीमती कौमुदी शुक्ला एवंधन्यवादज्ञापन डॉ गिरीशकुमार द्विवेदी ने किया।दोदिनोंतकचलअंतरराष्ट्रीय सम्मेलनमेंप्रतिभागियों ने अपनेविचारसाझा किए।

इस अवसरपरमाननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम ने आयोजनसमिति के सभीसदस्यों एवंमहाकुंभ के सफलआयोजन एवंसेक्टर 7 मेंविश्वविद्यालय के शिविर के सफलसंचालन के लिए विश्वविद्यालय के दूरस्थशिक्षा जागरूकताशिविर के नोडलअधिकारी डॉ अनिलकुमार सिंह भदौरियाएवं डॉ0 प्रभातचन्द्रमिश्राके कार्यों की सराहनाकरतेहुए उन्हेंअंगवस्त्र एवंस्मृतिचिन्हदेकरसम्मानितकिया। इस अवसरपरकुलसचिवकर्नलविनय कुमार, निदेशकगण, शिक्षक, प्रतिभागीगण, कर्मचारीगणआदिउपस्थितरहे।

सभागारमेंउपस्थितप्रतिभागीगण एवंविश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

मुक्त चिन्तन

मॉसरस्वतीजी के चित्र परपुष्पअर्पितकरतेहुए
माननीय अतिथि
एवं
विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

कार्यक्रम का संचालनकरतीहुई श्रीमती कौमुदीशुक्ला

मुक्त चिन्तन

माननीय अतिथियोंकोपुष्प गुच्छभेंटकरउनक ास्वागतकरतेहुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

माननीय अतिथियों का स्वागत एवंपरिचय देतेहुए डॉ0 सुरेन्द्रकुमार

मुक्त चिन्तन

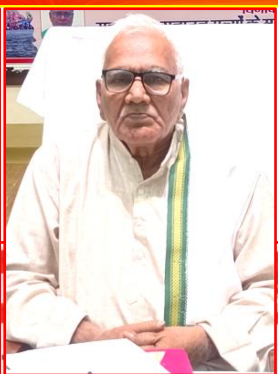

इग्नू के दीक्षा समारोह में आशना को गोल्ड, 5,825 को उपाधि

क्षेत्रीय केंद्र वाराणसी का आयोजन, छात्रों में उत्साह, दूरस्थ शिक्षण पद्धति से उच्च शिक्षा पहुंचाने में इग्नू की भूमिका अहम : प्रो. सत्यकाम

जागरण संवाददाता, वाराणसीः इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के क्षेत्रीय केंद्र वाराणसी में दीक्षा समारोह में उपाधि पाकर विद्यार्थी चहक उठे।

सिविल सेवा की तैयारी करेंगी आशना, पिता पढ़ाते हैं ट्यूशन

गोल्ड मेडल मिलने के बाद आशना ने बताया कि वह

मंचासीनमाननीय अतिथिगण

दोदिनोंतकचलअंतरराष्ट्रीय सम्मेलनमेंअपनेविचारसाझा करतेहुए प्रतिभागीगण

मुक्त चिन्तन

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की आख्या प्रस्तुतकरतेहुए आयोजनसचिव डॉ गौरवसंकल्प

माननीय अतिथियोंकोअंगवस्त्र, स्मृतिचिन्ह एवंहरितफलभेंटकरउनकासम्मानकरतेहुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

मुक्त चिन्तन

आयोजनसमिति के सदस्यों एवंमहाकुंभ के सफलआयोजन एवंसेक्टर 7 मेंविश्वविद्यालय के शिविर के सफलसंचालन के लिए विश्वविद्यालय के दूरस्थशिक्षा जागरूकताशिविर के नोडलअधिकारी डॉ अनिलकुमार सिंह भदौरिया एवं डॉ0 प्रभातचन्द्रमिश्रा के कार्यों की सराहनाकरतेहुए उन्हेंअंगवस्त्र एवंस्मृतिचिन्हदेकरसम्मानितकरतेहुए माननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजी

विश्वविद्यालय की प्रथममहिला
श्रीमती सीमाजी
को
अंगवस्त्र, स्मृतिचिन्ह
एवं
हरितफल
भेंटकर
उनकासम्मानकरतेहुए
विश्वविद्यालय परिवार
के सदस्यगण

मुक्त चिन्तन

सनातनमूल्य कोजन–जनतकपहुंचाने की आवश्यकता– प्रो0 के0 बी0 पाण्डेय

समापन सत्र के मुख्य अतिथिप्रोफेसर कृष्ण बिहारीपांडेय, पूर्वअध्यक्ष, लोकसेवाआयोग, उत्तरप्रदेशतथापूर्वकुलपति, छत्रपति शाहूजीमहाराजविश्वविद्यालय, कानपुर ने कहाकिआजसनातनमूल्य कोजन–जनतकपहुंचाने की आवश्यकताहै।इसकेलिए विश्वविद्यालय महत्वपूर्ण योगदानकरसकतेहैं।उन्होंनेकहाकिआजकलहमारे जीवन मे नैतिकमूल्यों का हासहोताजारहाहै।आजहमकोहर घरतकसनातनमूल्योंकोपहुंचानाहै।जिससेनैतिकमूल्यों का

मुक्त चिन्तन

किसीदेशकोअपनेमूल्योंकोनहींछोड़नाचाहिए : प्रोफेसरसत्यकाम

अध्यक्षताकरतेहुए कुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम ने कहाकि जीवन मेंनैतिकमूल्यों एवंसनातनमूल्य की उपयोगिता एवंउसकीसार्थकताकोआज की नईपीढ़ी कोजाननाचाहिए।किसीदेशकोअपनेमूल्योंकोनहींछोड़नाचाहिए।उन्होंनेकहाकिविश्वविद्यालय द्वारामहाकुंभपरप्रारंभकिए गए प्रमाणपत्र कार्यक्रम का अध्ययन युवापीढ़ी कोकरनाचाहिए।

मुक्त चिन्तन

धन्यवादज्ञापनकरतेहुए कार्यकमसंयोजक डॉ0 गिरीशकुमार द्विवेदी

राष्ट्रगान

यूजीसी ने मुक्त विश्वविद्यालय को दिया 12 बी का दर्जा

अनुदान मिलने से शिक्षा और अनुसंधान में आएगी उत्कृष्टता– प्रोफेसर सत्यकाम

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज को प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) 12 (बी) का दर्जा दिया गया है, जो विश्वविद्यालय के शिक्षा और अनुसंधान के उच्च मानकों को मान्यता देता है। यूजीसी 12 बी दर्जा प्राप्त होने से विश्वविद्यालय के शिक्षक और छात्र यूजीसी, भारत सरकार या केंद्र सरकार से विभिन्न शोध और शैक्षणिक गतिविधियों के संचालन के लिए धन प्राप्त करने वाले किसी भी संगठन से अनुदान प्राप्त करने के पात्र हो जाते हैं। इससे शोध पहलों और बुनियादी ढांचे के विकास को काफी बढ़ावा मिलेगा। यूजीसी 12 बी का दर्जा मिलना विश्वविद्यालय के शिक्षकों, कर्मचारियों और छात्रों की कड़ी मेहनत और समर्पण का प्रमाण है, जिन्होंने शिक्षा और अनुसंधान के उच्च मानकों को बनाए रखने के लिए अथक परिश्रम किया है। देश के जाने माने शिक्षाविद एवं दूरस्थ शिक्षा के विशेषज्ञ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि यूजीसी 12(बी) का दर्जा प्राप्त करना उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के लिए गौरव का क्षण है और यह आने वाले वर्षों में शिक्षा और अनुसंधान में उत्कृष्टता के लिए प्रयास करता रहेगा।

उन्होंने शिक्षकों, कर्मचारियों और छात्रों को शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में उनकी प्रतिबद्धता, समर्पण और महत्वपूर्ण योगदान के लिए बधाई दी है, जिसके कारण यूजीसी से 12बी का दर्जा प्राप्त करना संभव हो सका।

मुक्त विश्वविद्यालय को यू0जी0सी0 की धारा 12 बी में शामिल कर लिया गया है। इस आशय का एक पत्र विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जारी किया गया। पत्र में संयुक्त सचिव द्वारा वर्णित किया गया कि मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव का संज्ञान लेते हुए एक विशेषज्ञ कमेटी का गठन किया गया जिसके द्वारा मुक्त विश्वविद्यालय का 07 एवं 08 अक्टूबर 2024 को आभासी निरीक्षण एवं दस्तावेजों का सत्यापन किया गया। विशेषज्ञों की रिपोर्ट के आधार पर यूजीसी ने 26 मार्च 2025 को 12 बी की मान्यता का पत्र जारी किया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 सत्यकाम ने बताया कि मुक्त विश्वविद्यालय यू0जी0सी0 की धारा 12 बी का दर्जा प्राप्त करने वाला प्रदेश का पहला मुक्त विश्वविद्यालय बन गया है। उल्लेखनीय है कि धारा 12 बी का दर्जा प्राप्त करने के उपरान्त विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा दी जाने वाली विभिन्न योजनाओं, परियोजनाओं, शोध कार्यों, गोष्ठियों, संगौष्ठियों, कार्यशालाओं हेतु वित्तीय सहायता प्राप्त कर सकेगा। प्रो0 सत्यकाम ने कहा कि 12 बी का दर्जा हासिल करने से शोध की दिशा में अग्रसर मुक्त विश्वविद्यालय के शोध कार्यों को गति मिलेगी। सरकार द्वारा घोषित उद्यमिता, कौशल विकास व स्टार्टअप से सम्बन्धित विभिन्न योजनाओं को सरकार द्वारा वित्त पोषण किया जा सकेगा एवं शिक्षकों व अनुवेषकों के पदोन्नति को नई दिशा एवं गति मिलेगी।

हिन्दुस्तान

भरोसा नए हिन्दुस्तान का

मुक्त विवि में शोध और विकास को लगेंगे पंख

प्रयागराज, मुख्य संवाददाता। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने 12 (बी) का दर्जा दिया

इससे शोध पहलों और बुनियादी ढांचे के विकास को बढ़ांवा मिलेगा। कुलपति प्रो. सत्यकाम ने कहा कि यूजीसी 12 बी का दर्जा मिलना विश्वविद्यालय के

हिन्दुस्तान

भरोसा नए हिन्दुस्तान का

कैंपस 30s

महाकुम्भ में मुक्त विश्वविद्यालय के शिविर के सफल संचालन के लिए डॉ

यूजीसी ने मुक्त विश्वविद्यालय को दिया

मुक्त विवि के छात्र-शिक्षक अब बड़े प्रोजेक्ट पर कर सकेंगे काम

अमर उजाला ब्यूरो

यूजीसी ने दिया 12 (बी) का दर्जा, वित्तीय सहायता मिलने का रास्ता साफ

प्रयागराज। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय को 12 (बी) का दर्जा प्रदान कर दिया है। यूजीसी की धारा 12 (बी) में शामिल होने के बाद मुक्त विश्वविद्यालय को शैक्षणिक गतिविधियों व अनुसंधान के लिए अनुदान मिलने का रास्ता साफ हो गया है।

यूजीसी की ओर से बुधवार को मान्यता पत्र जारी कर दिया गया है, जिसमें संयुक्त सचिव ने कहा है कि मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव का संज्ञान लेते हुए एक विशेषज्ञ कमेटी का गठन किया गया, जिसने सात व आठ अक्तूबर 2024 को मुक्त विश्वविद्यालय का ऑनलाइन निरीक्षण और दस्तावेजों का सत्यापन किया। विशेषज्ञों की रिपोर्ट के आधार पर मुक्त विवि को 12 (बी) की मान्यता का पत्र जारी किया गया है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सत्यकाम ने बताया कि मुक्त विश्वविद्यालय यूजीसी की धारा 12 (बी) का दर्जा प्राप्त करने वाला प्रदेश का पहला मुक्त विश्वविद्यालय बन गया है। धारा 12 (बी) का दर्जा प्राप्त करने के बाद मुक्त विश्वविद्यालय विभिन्न योजनाओं, परियोजनाओं, शोध कार्यों, गोष्ठियों, संगोष्ठियों, कार्यशालाओं के लिए वित्तीय सहायता प्राप्त कर सकेगा।

कुलपति प्रो. सत्यकाम ने बताया कि यूजीसी से 12 (बी) का दर्जा प्राप्त होने से विश्वविद्यालय के शिक्षक और छात्र यूजीसी, भारत सरकार या केंद्र सरकार की विभिन्न शोध और शैक्षणिक गतिविधियों के संचालन के लिए धन प्राप्त करने वाले किसी भी संगठन से अनुदान प्राप्त करने के पात्र हो जाते हैं। इससे शोध पहलों और बुनियादी ढांचे के विकास को काफी बढ़ावा मिलेगा।

कुलपति ने इस उपलब्धि को विश्वविद्यालय के शिक्षकों, कर्मचारियों और छात्रों की कड़ी मेहनत व समर्पण का परिणाम बताया, जिन्होंने शिक्षा व अनुसंधान के उच्च मानकों को बनाए रखने के लिए अथक परिश्रम किया है। कहा कि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के लिए गौरव का क्षण है। मुक्त विवि आने वाले वर्षों में शिक्षा व अनुसंधान में उत्कृष्टता के लिए प्रयास करता रहेगा।

प्रो. सत्यकाम ने कहा कि 12 (बी) का दर्जा हासिल करने से शोध की दिशा में अग्रसर मुक्त विश्वविद्यालय के शोध कार्यों को गति मिलेगी। सरकार द्वारा घोषित उद्यमिता, कौशल विकास व स्टार्टअप से संबंधित विभिन्न योजनाओं को सरकार द्वारा वित्त पोषित किया जा सकेगा और शिक्षकों एवं अनुवेषकों की पदोन्नति को नई दिशा व गति मिलेगी।

'यूपीआरटीओयू' को मिला 12 (बी) का दर्जा

छात्र यूजीसी या केंद्र सरकार द्वारा संचालित विभिन्न शोध और शैक्षिक अनुदानों के लिए होंगे पात्र

prayagraj@inext.co.in

PRAYAGRAJ (26 March): उत्तर प्रदेश के प्रयागराज स्थित राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) से प्रतिष्ठित 12(बी) का दर्जा प्राप्त हुआ है. यह दर्जा विश्वविद्यालय के उच्च शैक्षिक और अनुसंधान मानकों को मान्यता देता है. अब विश्वविद्यालय के शिक्षक और छात्र यूजीसी या केंद्र सरकार द्वारा संचालित विभिन्न शोध और शैक्षिक अनुदानों के लिए पात्र होंगे, जिससे विश्वविद्यालय में शिक्षा और शोध के क्षेत्र में नया उत्साह और विकास होगा. 12(बी) का दर्जा मिलने से विश्वविद्यालय को शोध कार्यों, गोष्ठियों, कार्यशालाओं, और अन्य शैक्षिक परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता प्राप्त होगी. इस दर्जे के साथ, विश्वविद्यालय अब शिक्षा के क्षेत्र में उच्च मानकों को और बेहतर बनाने में सक्षम होगा और विद्यार्थियों को उत्कृष्ट शोध और शैक्षिक अवसर मिलेंगे. विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि यह विश्वविद्यालय के लिए गर्व का पल है और भविष्य में शिक्षा और अनुसंधान में उत्कृष्टता की दिशा में कई नए प्रयास किए जाएंगे.

समर्पण का परिणाम

12(बी) का दर्जा प्राप्त करना विश्वविद्यालय के शिक्षको, कर्मचारियों और छात्रों की कड़ी मेहनत और समर्पण का परिणाम है, जिन्होंने हमेशा उच्च शिक्षा और अनुसंधान के मानकों को बनाए रखने के लिए अपनी पूरी क्षमता से काम किया है.

यूजीसी ने मुक्त विश्वविद्यालय को दिया 12 बी का दर्जा

-अनुदान मिलने से शिक्षा एवं अनुसंधान में आएगी उत्कृष्टता : प्रो. सत्यकाम प्रयागराज, 26 मार्च

www.hindusthansamachar.in

https://www.hindusthansamachar.in/Encyc/2025/3/26/UGC-has-gran

स्वदेश

www. swadeshnews.in

'सर्टिफिकेट इन कुम्भ स्टडीज' नया कोर्स शुरु

झांसी। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के प्रवेश सत्र की अन्तिम तिथि 31 मार्च तक बढ़ा दी है। विश्वविद्यालय से क्षेत्रीय केन्द्र झाँसी के क्षेत्रीय समन्वयक डॉ. पुष्पेन्द्र कुमार वर्मा ने बताया कि एम.ए. योग परास्नातक पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने वाले शिक्षार्थी जो 20 मार्च की प्रवेश पात्रता परीक्षा में पास हो गए हैं उन्हें 29 मार्च तक प्रवेश लेना होगा। विश्वविद्यालय ने बी.एड. और बी.एड. विशिष्ट प्रवेश परीक्षा 2025-26 में फॉर्म भरने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। 20 अप्रैल तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। प्रवेश परीक्षा 6 जून को प्रस्तावित है। इस बार 'सर्टिफिकेट इन कुम्भ स्टडीज' के नाम से नया पाठ्यक्रम शुरू किया है इसमें 12वीं उत्तीर्ण शिक्षार्थी प्रवेश ले सकते हैं। पाठ्यक्रम की समयावधि 6 माह है तथा प्रवेश शुल्क 500 रुपए है। इस कोर्स को कराने का मुख्य उद्देश्य आस्था और आध्यात्मिकता की ओर शिक्षार्थियों को जोड़ना है।

हिन्दुस्तान

www.livehindustan.com

भरोसा नए हिन्दुस्तान का

जब तक है सृष्टि तब तक रहेगा सनातन : प्रो. बिहारी

अब तक 780 पंजीकरण

सनातन मूल्य को जन-जन तक पहुंचाने की आवश्यकता : केबी पांडेय

--महाकुम्भ शिविर के सफल संचालन पर डॉ अनिल भदौरिया सम्मानितप्रयागराज, 26 मार्च (हि.स.)। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त

https://www.hindusthansamachar.in/Encyc/2025/3/26/Two-day-international-conference-

दैनिक जागरण

जब तक सृष्टि रहेगी तब तक सनातन रहेगा : प्रो. शर्मा

हिन्दुस्तान

जब तक है सृष्टि तब तक रहेगा सनातन : प्रो. बिहारी

JEEVAN EXPRESS

Sanatan is from the beginning of creation - Professor Sharma

SANYAM BHARAT

Sanatan eternal since beginning of universe: Prof Sharma

अमर उजाला

ज्ञान परंपरा रूपी मानव मूल्यों को छात्रों तक पहुंचाना चुनौतीपूर्ण : प्रो. बिहारी लाल

इलाहाबाद एक्सप्रेस

सृष्टि के आरम्भ से ही है सनातन : प्रो बीएल शर्मा

JUSTICE EXPRESS

Sanatan is from the beginning of creation - Professor Sharma

संयम भारत

सृष्टि के आरंभ से है सनातन- प्रोफेसर शर्मा

विश्वविद्यालय अनुदानआयोग से दिनांक 26 मार्च, 2025 को 12बी की मान्यताप्राप्तहोनेपरमाननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजीकोबधाईदेतीहुईविश्वविद्यालय की वित्तअधिकारी श्रीमती पूनममिश्रा एवंकुलसचिवकर्नलविनय कुमार

12 बीमिलनेपरमुक्तविश्वविद्यालय मेंहर्ष का माहौल, कुलपतिकोदीबधाई

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराजकोविश्वविद्यालय अनुदानआयोग यूजीसी द्वारा 12 बी का दर्जाप्राप्तहोनेपरदिनांक 27 मार्च, 2025 कोविश्वविद्यालय के अधिकारियों, शिक्षकों एवंकर्मचारियों ने कुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम का स्वागतकरउन्हेंबधाईदी।

इस अवसरपरलोकमान्य तिलक शास्त्रार्थसभागारमेंआयोजितबैठकमेंकुलसचिवकर्नलविनय कुमार एवंवित्तअधिकारी श्रीमती पूनममिश्रा ने इसकाश्रेय कुलपतिकोदेतेहुए कहाकि इस विश्वविद्यालय के यशस्वीकुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम की नेतृत्व क्षमता का हीपरिणामहैकिआजविश्वविद्यालय को 12 बी का दर्जाप्राप्तहुआ।मुक्त एवंदूरस्थशिक्षा के क्षेत्र मेंदीर्घकालीनअनुभव रखनेवालेप्रोफेसरसत्यकाम की पारदर्शितापूर्णकार्यशैली एवंविश्वविद्यालय के विकास के लिए उनके द्वारातैयार की गईकार्य योजना का सुपरिणामविश्वविद्यालय कोप्रदत्त 12 बी की मान्यता के रूपमेंपरिलक्षितहोरहाहै। यह पूरेविश्वविद्यालय परिवार के लिए अत्यंतगौरव एवंहर्ष का क्षणहै। इस अवसरपरविश्वविद्यालय के निदेशक, प्रोफेसरशिक्षक एवंकर्मचारीगणआदि ने 12 बी की मान्यताप्राप्तकरने की यात्रा के अपने–अपनेअनुभवसाझा कियेसाथविश्वविद्यालय के प्रगतिहेतु योजनाओंपरचर्चाकी।

12 बी की मान्यताप्राप्तकरने की यात्रा के अपनेअनुभवसाझा करतेहुए कुलसचिवकर्नलविनय कुमारजी

मुक्त चिन्तन

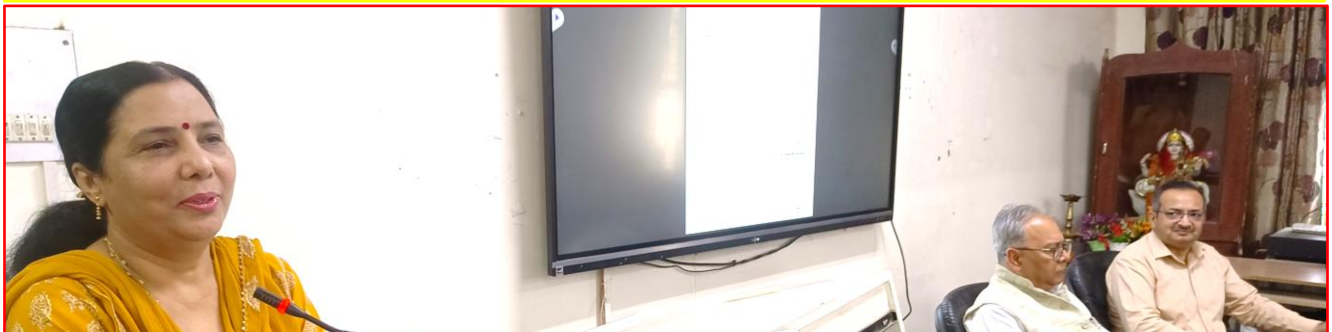

12 बी की मान्यताप्राप्तकरने की यात्रा के अपनेअनुभवसाझा करतीहुईवित्तअधिकारी श्रीमती पूनममिश्राजी

12 बी की मान्यताप्राप्तकरने की यात्रा के अपनेअनुभवसाझा करतेहुए निदेशक, समाजविज्ञानविद्याशाखा प्रोफेसरसन्तोषाकुमारजी

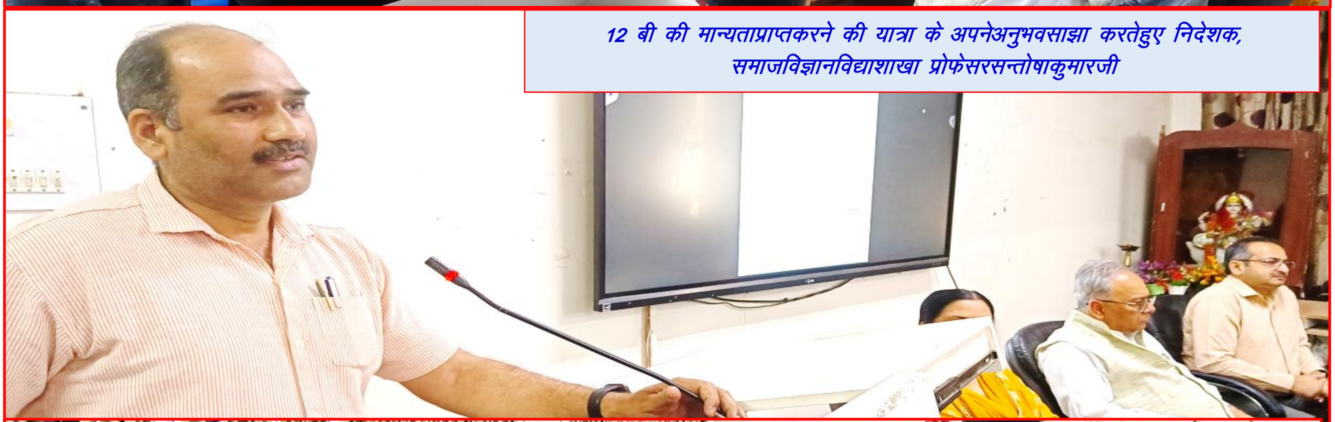

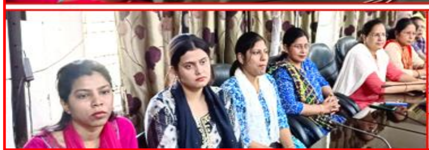

मुक्त चिन्तन

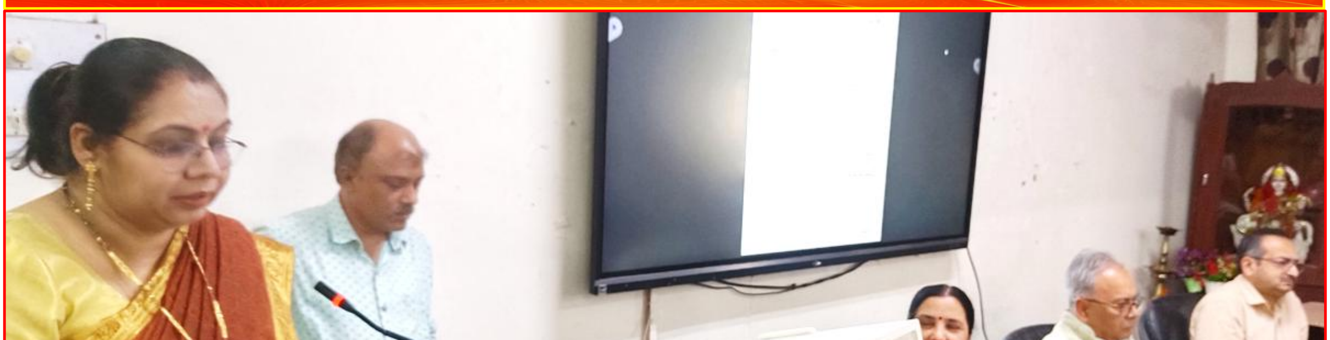

12 बी की मान्यताप्राप्तकरने की यात्रा के अपनेअनुभवसाझा करतीहुईप्राफेसर रुचि बाजपेयीजी

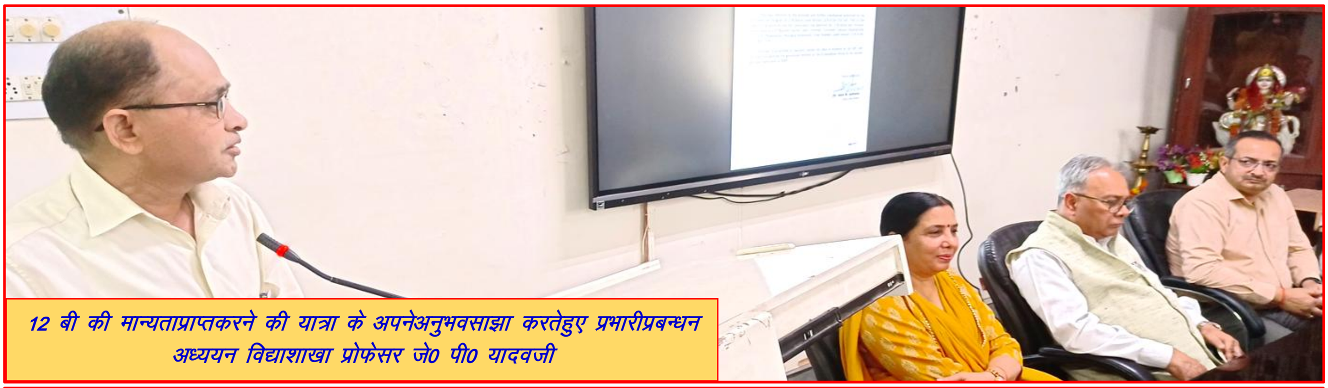

12 बी की मान्यताप्राप्तकरने की यात्रा के अपनेअनुभवसाझा करतेहुए प्रभारीप्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा प्रोफेसर जे0 पी0 यादवजी

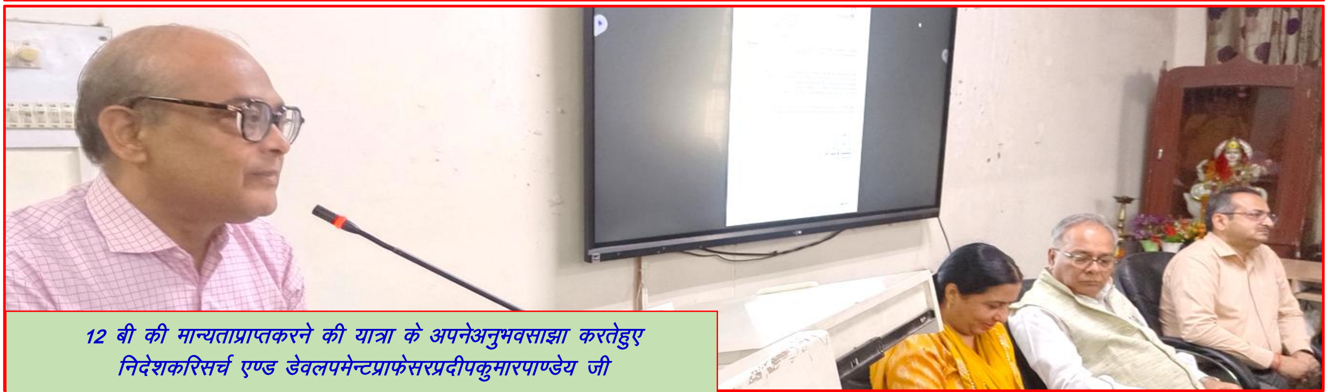

12 बी की मान्यताप्राप्तकरने की यात्रा के अपनेअनुभवसाझा करतेहुए निदेशकरिसर्च एण्ड डेवलपमेन्टप्राफेसरप्रदीपकुमारपाण्डेय जी

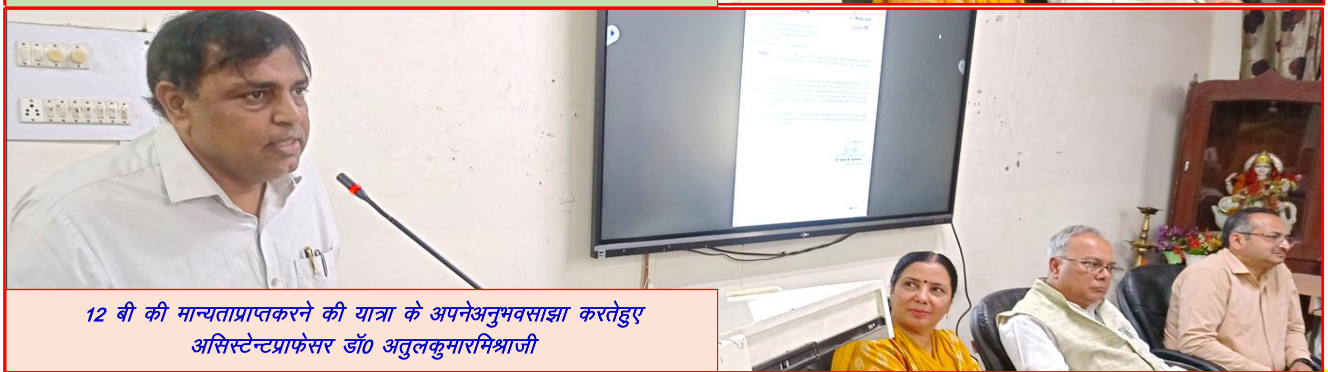

12 बी की मान्यताप्राप्तकरने की यात्रा के अपनेअनुभवसाझा करतेहुए असिस्टेन्टप्राफेसर डॉ0 अतुलकुमारमिश्राजी

मुक्त चिन्तन

12 बी की मान्यताप्राप्तकरने की यात्रा के अपनेअनुभवसाझा करतेहुए डॉ0 प्रभातचन्द्रमिश्र

मुक्त चिन्तन

मुक्तविश्वविद्यालय कोभारत का ब्रांडविश्वविद्यालय बनायेंशिक्षक–प्रोफेसरसत्यकाम

इस अवसरपरमाननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजी ने कहाकि यूजीसी से 12 बी की मान्यतामिलने के बादशिक्षकों के लिए विकास के नए अवसरसामनेआ गए हैं ।जिसकाउन्हेंपूरालाभउठानाचाहिए ।अबवहअपनी रुचि के अनुसारअनुसंधानपरियोजनाओं का संचालनकरसकतेहैं ।जिसकेलिए विश्वविद्यालय अनुदानआयोग से उन्हेंसहायताप्राप्तहोगी ।इसकेसाथही नए औरनवाचारीपाठ्यक्रम शुरू करने एवंछात्रों की आवश्यकताओं के अनुसारमौजूदापाठ्यक्रमोंकोसंशोधितकरउसेअद्यतनकरनेमेंसहायतामिलेगी ।कुलपति ने कहाकिहमेंअपनीवेबसाइटकोभीअद्यतनसूचनाओं से सम्मिलितकरनाहोगा ।

उन्होंनेशिक्षकों का आह्वानकियाकि उनके सामने खुलाआकाशहै ।वहअपनीप्रतिभा का प्रदर्शनकर इस मुक्तविश्वविद्यालय कोभारत का ब्रांडविश्वविद्यालय बनासकतेहैं ।उन्होंनेकहाकिअबहमाराअगलाकदमनैक की ग्रेडिंगमेंसुधार की तरफहै ।हमारेसभीशिक्षक एवंकर्मचारीपूर्णमनोयोग से इस दिशामेंकार्यकररहेहैं ।